महे एदेश बारका अधानित केल मुनिवान দৰ্শন করিলে অংশক পুণ্য সঞ্চিত হয়। अफ्रम्प्य देशका अस्मिद्रता अकृत्य २०वि विच-भिना चारह ।

वस्माद कुणांव अम् स में है दक्त शक्ति बांटन टेकसाब क्षेत्रा बादक । (事物化:) वैदश्**रहरू**माही (वर्षे)

নৰ আতি।

মৃত-সমীবনী ডোমার রাগিলী মানস-কৃতিনী-ডট উচ্পিয়া, মৰ অন্তৰ্ভাগে বিলোধ সোহাগে কোৰ ভঙ্গোগে উঠিল বাজিয়া ! উদারিদা হার হান্যে প্রার প্রেমের ভাগ্রার আছিল বি বোলা : অলিকুল ভৱে কৃত্মের পুরে ा शहारतंत्र कृत्य वि'वित्र कि ह्यांना ह

वृद्धि क्षत्र भटन पासक-गमटन करत रकान् विरन स्थाप्ता श्रीम ; कब्रुव श्रुशंत्र ननीति भाषात পরি ভারা-হার হাসিয়া উঠিল ! ৰাচিয়া কাদিয়া ভাপিত এ বিয়া मिस कि ने निया ठवरन स्कामांत १ মধ্র ৰচনে ভোবিয়া বভান नि'हिटन कि छिटन शीन-छेपहात ।

ज भीन द्योवतम् कृदव दकान् बदन তোমার স্পন্দনে ডেকেছিল বান ? ভূমি কিতে বঁধু, লুঠেছিলে মধু, जाराहित वर् वनिया भासान ? হাত্রস্থার গানে ভোষার মিলনে ভাষা এই থীনে বেচ্ছেছিল করে ? শামি কোণা ভূমি, হে ক্রম-স্বামী, ভাবি দিন-বামী কোণা--কডমুর !

আজি বে লাছিত, তলা ও বাছিত, হুইয়া ক্ষিত তথ শহরটো; चावि वय दीना बाटब ना बाटब ना প্রেমের মৃক্ষ ন। দলিত গোহারে। क्ष व नीवन, मूख विकृतन, শলিব ওলন বামিয়া গিয়াছে : (काकिल-दार्जान नानियात तुनि থেমেছে সকলি,—কল্মৰ আছে !

ধূরে—বহুদ্রে কংবে লহুৱে ভঙ নৰ স্বৰে বাজিতেছে বাৰী হুণা-ভান ডা'র প্রবণে আহার মবিহা শাখাৰ খাদিছেছে ভাদি ! গাৰি যমে পড়ে, নিকুঞ্-কুটীয়ে विरमान वांशास्त्र शास्त्र भाग । আজি মনে পঞ্চে, বঁধুয়ার ভবে **डे**टेंडिन श्रद पाक्न पासान।

পুর: বিনোধন ৷ কর আগম্ম, না-হয় যৌধন সেছে কুৱাইয়া : वा' चारक क बदन थिय ठा' ट्यामारन, এণ হে অন্তরে আলো বিদাহিতা ভোষার—ভোষার, আমি বে ভোষার। करव धकवाश मिछि चित्राहेश . ধহে ভূপে হাও, আসিয়া পাড়াও, भगक्रम बार्क बाला मुहाबिया । MERCHAN I

মহাত্মা যিশু ও তাপস হোসেন মন্ত্রবের জীবনে সাত্রশ্য।

ধর্মকগতের ইতিহানে দেখা যাহ, কথব-বিদানী ভক্ত নায়ু মহাত্মগণ ধর্মগানায় কার্য হইয়া বে সকল ন্তন সভ্য লাভ করিয়াছিলেন, সেই সকল নভোর কচার-কালে ভাহারা কি কঠোয় উৎপীত্নই না সক্ করিয়াছিলেক।

সহাত্মা বিশুর জীবন-চরিতে দেবিছে
পাই, তিনি ভূমিট হওয়া অবধি বিভাগিত
ক্রিয়েছেন, প্রলোভনের সত্তে কি বঠার
সংগ্রাম ক্রিয়াছেন এবং অবশেসে মানব
কর্মের স্থান" এই ন্বস্তা প্রচার করিতে
নাইল রাজাদেশে ক্রিক্রার বিদ্ধার্থী ম্থাকে ধারণ ক্রিরা ইংলোক
ভূইতে অপক্ষত স্ট্রাছেন।

নহাত্তা বিশুর লাভ ব্রলমান তালন হোমেন মন্থ্রও "অন্ধ হয়" (আবাই ক্রম অর্থাং আবাতেই ক্রম অব্ভিত) এই নব সভ্য প্রচার করিতে ঘাইরা, নানা উৎপীড়ন নহু করিরা অবশেষে তীতু পুলারে করিত-পদ, করিতিনিয়া ও উৎপারিত-চল্ হইরা প্রাণ্ড্যাণ তরেন।

এই দুই মহান্তার ধর্মজীবনে এই একট আক্টান্তনক একা দেখিতে পাওচা যায়।

নহাত্মা বিভ নবনারীর পাপ, দোর ও শক্ষামভার কউক দর্ম আদে ও মতকে ধারণ করিয়া ভাষাদিপের আনচন্দ্ উন্মানিত করি-বার সক ভগবানের চরতা প্রার্থন করিছে করিছে কেল্ডাগ্র ভরিষা চলিয়া শাইনেন গ আহায়েনী নামত পরিয়াপের স্থানার পাইন ও প্রান্তা দূর চ্ট্র; সার্থ ধারের সাচাপ্র ব্রিডে সংগ্রাইল। তথন সান্ত হিলার এখ সভা বাত করিয়া কুডার্য বেংধ করিল।

यहांका द्रांतिय मन्द्रक्य पिछद सांव जन्न दक् "जासारे उक्ष" धरे तर मछा द्राहांव कतिएड धरेंका वाकास्मरण डीफ न्वाद्धा कविएड सहिंवा वाकास्मरण डीफ न्वाद्धा कविएड सहांक अवस्था विडीक्ष कव, कृषि रेहांतिश्रक तथा कहा। धारक किहुने नद, जाजारे नर्वक, दनरे करनी एकाशांव द्राहांका : जाजार व्यक्त कहा करनी एकाशांव द्राहांका : जाजार द्राहांका क्षेत्र द्राहां आसांद छवांका विस्तात क्ष्मित कहा (कहा द्राहां आसांद छवांका विस्तात कहा कहा (कहा द्राहां आसांद छवांका विस्तात कहा क्षाहांका क्षेत्रन त्यक्ष)।" द्राहें विद्राहां विस्तात केंग्रहांका क्षेत्रन त्यक्ष)।" द्राहें विद्राहां विस्तात केंग्रहांका क्षेत्रन त्यक्ष हें हा

व्याक्षात्र के दिकापाद के निवा के जिल , यान मन् "बाद्यात्र कि द्वस ! आस्त्रा है बाद के विश्व को कार कि दिवा की कार के प्रवे है है कि त्र के दिवा के प्रवे के प्रवे

-वैपडी--

আত্মার অমরত্র

বস্ত অৰ্-প্রমাণ-গঠিত পরীর,
বক্ত-মাংস-মেদ-পূর্ণ হতেতে দেইরে !
চক্ত্ কর্ণ নাসিকা দে অন্তর বদন,
উচ্চদ দাবণা-রাশি ম্যু করে মন !
অমিং বচন-রাশি প্রবণ অ্কাহ,
মাছৰ স্থান মণে অগং থাতাব !
বেন দেহে মানবের কতাই বস্তন,
ভিনেক গুইকো জাই ভাবে অন্তর্গন !

হেন মেকে ক্ব-ভৃকা ক্ষমীন ধরার ;
বল মেকি ক'নিনের নেই সমূদার ;
ধম-বান-পুত্রে লোক বিপুল আপার—
বাহু সে অনিতঃ হংগে, উন্নন্ত ধরার ;
কিন্ত হায়, অভরের আতা বাব ভূবে ;
নকলি অসার কার্য ;—লম ধেবি মুলে ;

বীভূবনুমোহন হোম।

चन्नु डे मिशि

তৃতীয় পরিচ্ছেদণ

্ৰয়াকান্ত চলিয়া বাইলে কুবনেখনী সকল बांकी व्यवसाय मिथिएक गामिन। नव १६८व क्रांशास्त्र मधनपुरक् बफ्टे मुंछको द्वांध ध्रेश । লেখানে 'চেয়ারে'র উপরে ম্যাকাক বসিতেন, ব্ৰথানে বদিহা পড়ীৰ দৃষ্টিত ধৰ্মা-ধৰ্মের কথা, क्यांक्टबंड क्यां, टक्टबंड कथा, तरवावनटखंड प्रचंत्रणा, निक्षांत्रम् चाना-छत्रमात्र कथा बना-ৰলি করিতেন, সেই দব স্থান প্রতিক্রণ বৃশ্চিক্রণে ভুবনেশ্বরীকে বংশন করিতে লাগিল। ভূবনেশরীর বড় কার। আদে, क्षि कांबाद करक अब दश्वितक कांबाव निश्व পুত্র ক্রীর খেলা-ধুকা ছাভিয়া মারের মুখের भारत बाकुनरमत्व जाहिया शास्त्र , त्यांग टका পড় করা হায় নাঃ তথন ছেলেকে জোলে कृषियां हमा बाँदेश छाराटक, स्व द्यनामा, मा হৰ, বাৰার দিতে হব। ভাবার তেহনর দায়া দোপীনাথও কড রক্তর সাগুনা ও সহাকৃত্তি করেন। কথনও ডিনি বলেন, "বাধ পুই

কৃষ বাহিল নি কেন, ভাত ?" ক্লমৰ বা ডিৰি বলেন, "ডোর সুগণানি দিনে দিনে বেন ভবিবে বাছে; নিজের শাওচা-বাওচার-बिटक कृष्टे ट्याटोर्ड यह क्लिन् ना, व ट्रांब ৰড় দোৰ। বউকে নিয়ে আসতত বলিস্ ডে। अपन विहे। छ। त्म भावांत वाफीयत्र छाएके वा कि कटर जामूटर है जो नहीं निविधी जामात है তুৰি নিজের প্রতি একটু বিশেষ বন্ধ কোরো ৷" গোপীনাথ মনে মনে জানিতেন, ঠাছার ছা মোহিনী ৰড় আৰ্থপ্ৰায়ণা, বড় মুখৱা একং বড়ই ধৰ্মিতা ৷ তাহার বল্ল ঘোণীনাথ এক-पिरनत बस्थ अक्ट्रे भावि भान नाहे। खाहारक কৃবনেশ্বরীয় নিকটে আনা কোনও মতে সক্রম নহে। বাভা হউক, সংহাৰবের সাক্ষা 📽 থেহে ভূবনেশ্বী খনেক ভৃত্তি লাভ করিছ। তৰে বালে বখন বাদা ব্যাইভেন, খোকা पुनानेक, कथन लोगांधिक पश्चीत व्यूयायाः সুষ্টি পরিমাধ্য ক্রিয়া কুমনেধরীর প্রাপ্ত প্রায়

ীয় কৰিছ। তথন ভূবনেপ্রী চুক্তকরে াকিত, হৈ ভগবন, তাঁকে ভাব রাখ , ভিনি ভাগ আছেন, সেই মুখ্যাদ আমার দাও।"

ভুবনেখরীর এই রুক্ম কাভ্রতার আরও একটা বিশেব কারণ ছিল। তাহ। কলিতেতি ।

अभाकाळ लाबाट वार्डवांत भूकंपित বিপ্রকৃতে নীচের তলাব বৈঠক্বানার বসিলা হৈৰেছণি¹-মাগৰ পড়িতেছিলেন ও সমৰ দংগা कृतिहा दाधिश पाटवान बावरीय नाएक বেকির উপরে গুলাইভেছিল। রুহাকার স্কুলা মন্ত্ৰ্যাপ্ৰমন অন্তওৰ ক্রিয়া মুখ ফিরা-ইয়া বেখিলেন, পারে একজন লোক ব্যক্তাইয়া 無抗医1

র্মাকান্ত দেখিলেন, আগভাকের বর্দ মধীন, আঞ্জাত স্থানত, গলার ফলাক-মাগা, মুখে মিশুদ ও পরিধানে গৈরিক বস্তু। বিশিত चारव त्रभाकाश कांदारक जिल्लामा कविरमम, "কে আগনি ?" আগৰুত বলিল, "ন্ধানালদ শামী া

ভিত্ত বা অভিথি পাইলে ৰমাকান্ত काष्ट्राहेट। विटलन ना : यथारपांधा मधावकाव করিখেন। ভিনি নবীনানকবে বিভাগ कतिरहान, "कि छान् काश मि ?"

নবীন্যন্ত উত্তর করিলেন, "আগতিত: विकृष्टे नम् ।"

त्रमाका स शक्तित्वत, "वश्व ।"

মধীনানৰ খলিকেন না; ধ্যাকাজের अंध-मार्च हारिया बिमाणन, "दाव्यी कारारम

चीटव चीटच सबीजानक विकटणक "কোবাও ভনি নাই: আপনার অন্ট্রিনি रमध्यक्ति।"

এ রক্ষ ভাগাগণনাম ব্লিও ব্যাকীভের ৰড় বিশ্বাদ ছিল না ; তথাপি ভিনি বলিলেন; "আবার কিবে আন্ত করে, বলুন দেখি গ" -

সে-কলায় কৰ্ণপাত বা কৰিয়া ব**ী**নাৰৰ বলিনেন, "আপনায় গড়ী পতিব্ৰহণ সভীএ তাহার একটা শিতপুত্র আছে :*

ৰমাকার চহৎকত চইবেন।

মবীনামশ পুরুষণি খলিগেন, 'ডাজাক বাবু! এ পথের বৃহ ছাজিয়া পুঞ্গোজ্বে গিয়া কি চ্ইবে গু---জাপনি ঘাইবেন না i''

द्रधादाच निर्दिश डेडिलन। कि जा कि रुव ? अंडरें। अचल क्षेत्रा अवकें। नरबंद লোকের কথার নিবত কওয়া—ছি : ছি ! छ। कि स्व १

क्षिष्ट क्ल प्रदेशस्य श्रीतय। जातनस्य নবীনানৰ কহিলেন, "বাৰ্জী: না সিলা शांदिरका मां। किया श्री-शूरवंद वक ত্বকোৰত করিয়া বাইবেন।"

জ্ৰ কৃষ্ণিত কৰিয়া ব্যাকার বলিদেন, "(**य**ज ?"

खिनुस्थात्री अव है विकास वितासन, "का তো শীগ্ৰ আনিতে পাবিবেন না । অদুইলিপি শাঠ করা কাহার সাধ্য দু"

্ৰহার বিজপের ভাবে প্রদাবাত বলিকেন, "আপনাৰ বাণ্য আছে হৈ কি ?"

सबीमामण शामिया बनिशमन, "आणि व्यक्ति ভূচে বাজি। আমি ওলংগ্রের নাসাকুলন। ° মুমাকার বিশ্বিত হইবা বলিবেন, "বেগ্রায় 🐪 জিপুলগারীর কথা বে ব্যাকার সম্পূর্ণয়নে

विश्वाम विवासिक्तान, श्राप्ता स्टब्स । श्रेषी विविध

হৰবে ভাবিষা, ভাৰাৰ বাছে ভিনি সে-প্ৰসদ-যাত্র করিলেন না। তবে সেই দিন বন্ধ্যাকালে कुरेंबटन रथन बाह्यानाम विनिधाहितन, स्थन इकाकान क्यांव क्यांव विलिद्यम, "दम्य] नक्षा-कीवन एका सभव। यत्र व्याधारम्य इ'वरमा मर्पा धाकका नक्षा हरन शहे; चरम तर भीविक धान्दम, ज्वीदरम अङ्गड बाइव स्ता जा'त्रहे द्यंशान कर्यवा इदव : अ कांगातह याने दांचा कांग्डक i

পরীরের বেখানে ক্যেনা, সেই ছানে আহাত লাগিলে বাধী দেখন ভাতর চইয়া थए, याबीत क्वा अभिश क्वलवती एउपनि

কাডর কইরা পরিল। সে বলিল, "ভূমি আছে। কথা থোলো না , ভন্তে আখার ভয় করে। चात्रि त्यन कश-अरपाछी श्रव. प्रशेतमा সকল ভার ভোষার ওপরে দিয়ে চলে খাই। শব্দ ব্যাকান্ত সহধ্যিনীকে, হাসিয়া, আখাৰ मिया चामत कतिशा त्म वाशा कुनाहेशाय क्या কৰিয়াছিলেন ওপাশি জিনি চলিয়া পেনো ভূৰনেগৰীৰ খনে শেই ঋণা, সেই "পোড়া কথা" ৰাজবোৰ জাগিত ৷ ভাছার সামীর ফার্ এড অধিক ফাভরতার প্রধান কারণ ভাষাই। (कम्पः)

জীবনে আমার মে-রিন কবে 🗼 💮 व्यक्तित्व विश्वकृत्, नवाद याखादन दर-विन मामि মেখিব কোমার রূপ গু मरनान-भारक निर्द्या ६ जाहे ৰদ গো অন্তর্থানী, কোন্ কৰসিনে ভোমানে প্ৰভ্ ৰুবিতে পাৰিব আমি গু

পাছে মোর কান তব্ত ব্যির ; কিছু না কগনো খনি ৷ কবে গো ভনিব মৰ্গনয়, ভোমার পদ্ভবাদী ব আমানের মাবে ভভাশীন ভব কৰে পো স্বাসিবে নেমে, **७५ सम्ब करन औ जामाद** अविया पैछिटर दक्षरम् । विधानवरमव मृत्यागासाम् ।

ক্লাৰ কতব্য।

(পূৰ্বপ্ৰকানিতের পর)

WHI TO SHARE অবের ধ্যের ভার শহিলের উপর স্কল্ড থাখ। উচিত। কিছ তা বলিয়া যে গৃহৰুলী এ-বিধ্যের অভি উরাসীর পাঞ্চিত্তন, ভাষা मरहत पृष्टकथी रही चन्ना सा राजिस्कर, रहेंगी

ব্দসম্পন্ন হহিছা বাইৰে। প্ৰত্যেক কৰের কটা একজন বাগওয়ালা এবং প্রত্যেক ভিন্তী পাৰের থপ্ত একলন সহিদ নিব্রু থাকা চাই-1 परचंद क्या टेकक्सिर महिमटक विटल स्ट्रेट्स है हरिय पान्ध्रप्रानांच जिल्लाक चित्र

বা। পহিন্দে প্ৰদা বিষয়ে যায়ী প্ৰিলি
ভাষাকৈ প্ৰভোগ বিষয়ই প্ৰায়পুন্তপ্ৰে
কাষ্ট্ৰক কাডোগ বিষয়ই প্ৰায়পুন্তপ্ৰে
কাষ্ট্ৰক কাডোগ বিষয়ই প্ৰায়পুন্তপ্ৰে
কাষ্ট্ৰক কাউতে পাৰে; কিছু কানও কানও
ভাষাকৈ পুনন্তায় ছিলে সে আৰু কুন্ত হইবে
না। ম্থাভি-ভোলনের প্র একবার এবং
লক্ষ্ট্রে প্র একবার সহিল আলিয়া গৃহক্তীর
নিকট ইউটে হকুম লইয়া যাইবে। এরপ্ করিলেনে যে গোড়াকে ক্তিবার পূর্বে ভারাকে
উল্লেখ্যে বাওয়াইবার অবসর পাইবে।

প্রভাবে বাজার বানার বিভি জ্বন্দ বোজাকে থাওয়ান চাই। প্রীম্বলাক মানা
থাওয়ান উচিড। প্রীজ্ঞানে এরণ প্রধা
থাওয়ান পর হাল্কা বালিপের আবলাক।
বাভার পর হাল্কা বালিপের আবলাক।
বোজার পান্ধ্র উল্লাটিড করিরা একটা
কোনে রক্ষা করিবে। ইনার পর বালওয়ালাকে
পরিভার করিবে। ইনার পর বালওয়ালাকে
যান আহরণের জন্ত পাঠাইরা নিবে, কির্বজ্ঞানিক মধ্যাকের প্রেটি প্রস্থান্তর্কন করিতে
আন্তেম্ব দিবে।

আৰাবোহণের পর অথকে ধরিবার কর সহিস অবপাদার খারণেশে দভারমান বাবিবে এবং বোড়ার উপত্র একবানা বর রাবিত্তা ভালকে পাব্চারণা করাইবে। এড-কারা ক্ষের শৈত্য কালিবার সভাবনা গারিবে না।

বোজা দলা হইবে তাহাকে অনু পাওৱা-ইঙা আন পরিমাণে হাল বাইতে নিবে। ইতো-মধ্যে বে ব্যক্ত ঘোটক চকা হয় নাই, তাহা- বিশ্বনে গুলাইবা কাইবা আসিয়া আহানিপের ভন্ধাবর্থনের পর ভাষালিগতে কলপাত্র করাইখে। ভাতঃপর সকল ঘোড়াঞ্জিনিছে ব্যাহ্রেজালনের বস্ত পদ্ধ বাইডে বিশ্বেক বেলা ভিনটার সময় ভাষালিগতে পুনরায় বল বাওরাইবা ১টার সময় ভাষালিগতে পুনরায় বল পর ঘাইতে বিবে। ভানস্বর উভ্যাহ্রেশ বলাক পর ভাষ্যিগতে বাদ্ধা ব্যাহামের বস্ত বাহিলা করিবে। ভাষ্যার প্রভাগিষ্যক করিলে ভাষ্ট্রি বিশ্বনে ব্যাহ্রিকার কল ভোকন করাইরা বাহিলা-রাজিকার।

বোড়াকে সাহার তিনবার দেওৱা উচিত। ইহার কম আহার দেওৱা উচিত নহে। হোগা তথ দেওৱাই বিধি, অধবা ভাহাতে সামাত জলের হিটা দিজে পার। খোড়াকে হোলা খাওৱাইবার অন্তথকী পূর্বো ভাহাতে কল গান করাইবো; কিছ ছোলা থাওনর অবাবহিত কাল গতে থবা বিধে না।

একই সাহার প্রতিদিন বাতরান উচিত নহে। তাহাতে সাত্য বর্লার বাভিতে পালে না। সাহারের পরিবর্তন স্বাহা-রক্ষার একটি কাধান উপার। শক্ত বাওমাইতে হুইনে ভাত্যর স্ক্রিত হব, ফোলা বা কৈ-চুব দিতে পারা বার।

খোড়াৰে সম্ভাৱে একবার চোকর-মঙ্গ বাভগন উচিত। এক বা ছুই সের সাম্পর, বাল জ্ববল ইন্দু মন্ধি প্রতাদ দিন বাঙরান হয়, ভবে বোড়ার বাজ্য অভিনয় উত্তম থাকে। ঘোড়ার কোনরূপ অন্থয় হইলে সহিদ ঘেন গুহক্তারি নিকট গোলন না করে। হনি সম্বে স্মধ্যে সহিদ্যাল লোকন করিবে না।

নীত-স্থাগ্যে অথশালার নিযুক্ত ওত্ত-গণতে একথানা করিয়া কলল দিবে; মতুশা ভালাবা বোড়ার স্থল চুরি করিবে। অর্কের অবক্রণতা থাকিলে কথল ভালানিগত্তে একেয়ারে দান করিবে না; ববং ভালানিগতে বুলাইরা নিবে বে, লাক্রি প্রিভ্যাপ করিবেই কথল ক্ষেত্র সিতে ক্রিবে। গ্রীপ্রশাল ভ্যানকে ধ্যেত করাইরা গৃহে রাবিরা দিবে।

ব্যেকা বৰি উপ্তথনৰ দেশা হয় তথে ভাহাৱা অভান্ধ আৰু হাওৱাই অহুভাবক হব। ক্ত্ৰাং, ঘোড়াই কাপড় বিতে ক্ষমণ কুই ক্ষেত্ৰাং। যদি বোড়াকে ক্ষ্ম নাৰিতে ক্র, উৰে একণ করিতেই হইবে।

प्रशामां द्राय कांठा मृखिकांत्र सहैया थारक, विश्व छांश नम्छन् रक्षा ठाँ । तसून द्राय द्रा

একংশ অধরবীদিগকে কি কি করিতে কাঁবে জাহা সংক্রেশ বলা বহিছেছে।

- (১) ঘোড়াকে আহার ক্যাইবার পুরেঁ ঋণগাঁন স্বরিতে দিলে; পরে নতে ৷
 - (২) শব্য কৰনও আৰ্দ্ৰ দিবে ন।।
- (৩) শাখান্য হোগ হটলে বা অধ্যাত্ত লাগিলে তৎক্ষণাৎ গৃহক্ষীকৈ জানাটবে
- (6) যানকে উত্তমন্ত্ৰণে শিক্ষিয়া খাওহাইবার একদিন পূৰ্বে শুক্ত কবিকে দিখে।
- (e) ধোড়া শব্যিও হইলে ছয়ুজন দলাই বিধি।
- (৩) খোজাৰ পা কথনক গৌত কৰিছে না। যদি কচিৎ গৌত ক্ষা হুই তবে উত্তৰ-ৰূপে ভৰ ক্ষিতে হুইৰে।

সহিব বে কেবলমান বোড়ার ভরারধান
করিয়াই পরিজাপ পাইবে, ভারা নহে;
ভারাকে বোড়ার সাক্ষের প্রতিত দুটি রামিডে
হটবে। কিন্তে সাবান-বরে। কথাকে একবার পৌত করিলেই কবেই। উজ্জালা স্পাদন
করিবার জন্ত রেকার প্রকৃতি পৌত-স্বার্থ
করবার জন্ত রেকার প্রকৃতি পৌত-স্বার্থ
করবার জন্ত রেকার প্রকৃতি গৌত-স্বার্থ
করবার জন্ত রেকার প্রকৃতি হটবে। ক্রি
করে বাল্ বর্ম করিছে ভারবে কর্ম করে।
ক্রিটি প্রবেশ করিছা ভারবে কর্ম করে।
ক্রিটি প্রবেশ করিছা ভারবে উপর ক্রেবের
ক্রিটি বা নিষ্ণাতা বাধিয়া রাখিতে রইবে।

(क्रमण्ड) विस्मयक्षाती (स्पी ।

বড় ও ছোট।

যোটৰ সঞ্জাবি' কছে গজৰ পাড়ীরে "ধিক্ ভোৱে, ৰক্ষৰেগ ধৰিদ্ যে অভি।" বিনমে গৰুর গাড়ী উগুলিল তারে "বিক্স হইলে ভূমি আদি তব গতি।" জীতবভূজি বিয়াবেড ।

ভপসা

(शुक्तं व्यकानिएकत शह 1)

(4)

বাংলা-দেশে মেয়ে দশ বংগরে পভিলেই ভাষার বিধার দিতে কয় । নচেৎ সমাল বড চটের ৷ **আত্তীয় বন্ধুগুণ কন্তার** যাতাপিভাকে क्षा करवत । अफिरविनवर्शत शिनिकि-কারির জালার কলার যাডালিভাকে বাভি-বাত হুইছে হয়। যদি কালারও করা বিভিৎ অধিক ব্যুদ পৰিত্ৰ অবিধানিতা থাকে, ভাগে দইলে চড়াৰ্ডিক চইতে অমন বিজপৰাণ বাৰ্ণিত इट्टेंड बांटक ८६, डीडांच निकटबट्डा विजयानन করা ক্রিন ব্যাপার হটগা দাভার। এ-দিকে প্রচুত্ত অর্থের সংস্থান করিতে না পারিলেও করুরে সংপাতে পড়িবার সন্তাবনা থাকে না। ৰঞ্চাটী বৃত্তই কুন্দৱী বা গল্পান্ত-বংশীৰা হউক্ মা কেন,--মনোমত দক্ষিণা না পাইলে কোনও **छञ्जनामधादी व्यक्ति त्म-क्ला अवन करवन** না। কাৰেই বাংলালেশে কভার বিবাহ দেশবা একটা বিবহ দর্মনাশের ব্যাপার হইডা माजारेबार्छ। अहे बक्रें क्क्रांत विवाद বাজালীর পুরু আনক্ষের পরিবর্গে নিয়ান্ত্রই व्यक्ति महे ह्या छाटे वालाजीय क्छाब क्या-মাজ কি এক অভত আশহার মাতাশিভার প্ৰাণ কাভৱ হয়। যেন একটা ছাৰণ অভিদাপ महेरा क्षाचानाम तमशी चन्ताहरून चंदत । সামাদের বালিকা বিভাও হতভাগিনী বঙ্গবালা। ভাই দশম বংগনে পদার্শণ করিতে ৰা কবিতে ভাষাৰ পিডা এবং মাডা বিভাৰ जिलारको सक्षेत्र गास क्रमेरकन ।

বিভার শিকা সকতিপর ব্যক্তি বক্তেন যাসিক চরিশ টাকা বেডনে জোনও 'মার্চেন্ট'-অধিংস ভিনি কেরানীপিরি করেন: অনেক ওলি পাত্র-করার ভরণগোধণ জারাকে করিতে চয়। আৰু দামাল বলিয়া বাদেৰ বাভীবানিক পর্বাংশ ভাড়া নিজে ইইয়াছে: সপনাধাংশে कारदारण कीश्वा जान करवता खाहारक बाइ ଓ प्रदेश करात विवाद निरुद्ध क्षेत्राहरू। বলা বাহন্য, রীভ্যাত্থারী দক্ষিণালাতে অপক চন্ধার ক্যান্ডলি মনোমত পাত্রে অপিত হয় नात्रे । पृष्ठितक्षे स्थाकरम विक्रीय ७ क्रुक्रीत প্ৰাক্ত মুখ্য পাৰের হতে অপুণ করিছে रुदेशांक । व्यवस भटकर माराज्य भग राष्ट्र छका : দ্যিন্তের সে বান্ধারে প্রবেশ করিবার সাধ্য ৰা অধিকার নাই। বিভাগ বন্তও ভিনি ভাহার অবহার অনুবাদী পাত্র অনুসন্ধান করিতে লাগিলেন (

আতা অনুলয়কের আলো ইক্ছা লাভ তে,
এখন প্রেম্বৃতিত-গোলাগভূলা সর্বা। বালিক্ষ্
ভর্মানিক এখনি বৃদ্ধের হথে অর্পণ করা হয়।
কিন্তু খনের বালনা থাকিলে কি, হইছে গু
ভালার ত অর্থোলাজনের ক্ষরতা নাই। অর্থ বাভীত মনের মত পাত্র কে কোধায় গাইবে র সে হাম ব্র্তভ্রণাধিত অস্কান ব্রকের হথে ভালার এই আদরিশী কনিলা ভরীটিকে প্রান্থ কিনিতে হউলে অর্থের আব্যাক্ষতা।
স্কুলের সে অর্থ কোধার । অনেক ক্রিছা চিৰিখা একদিন সে প্ৰথীক্ষেত্ৰ কাছে বিভাব বিবাহের কথা উত্থাপন কবিল এবং স্থীর বাহাতে বিভাকে বিবাহ'ক্ষে, সে অন্ধ্যোগন

ক্ষীত ভাছাকে বৰিব, "ভাই, ডা'তে আমায় কোনো আগজি নেই; কিছ কাৰাত্ৰ অমতে ড বিয়ে করতে পার্কো না।"

আতৃত সাঞ্জাহে বদিল, 'এই ভ কথা।—

ইদি তাঁৰ মন্ত হয়, ভা'হ'লে তুমি ভ বিনা

ইদিণাই আমায় বোন্দীকে বিয়ে কর্মে গ্"

ইদীর বলিল, "নিশ্চর।—আম্বা ইনিজ

হ'লেও অর্থনোলুগ নই ৷"

হ্বীরের কথার জাহার বিখান হবল।
কারণ, হ্বীরের নহিত নে কথলাপুর দিরা
হরনাধ্বাবৃতে বেবিয়াছিল। জাহার হার
বলাপ্র ব্যক্তি বে হ্ব-পিলা হুইতে পারে
না, ইহা অভুল ব্রিল। ত ল ভাহার
পিজাকে পুলাইয়া ধ্রনাধ্বা এক প্র
বিলিয়া

द्यामधार एन-भटकर केंग्र चानिन।
स्त्रनाथनार् चाल्नाएन महिल कानाहेशाहरून
त्व, जिनिक स्वीरधन विवास नियान नियान
चाल जिनक स्वीरधन विवास नियान
चाल जिनक स्वीरधन विवास नियान
चाल उत्तर होताहरून। द्यापि विवास
चाल इत, जांद्र'रन जीत अ-विवास क्वालन
चाल नाम । भारत व्यालन कांत्र चाल कांत्र कांत्र कांत्र वान्तिक तां। भारत व्यालन कांत्र वान्तिक तां। भारत वालन कांत्र वालन कांत्र वालन कांत्र वालन कांत्र कांत्र वालन वालन कांत्र वालन कांत्र वालन कांत्र वालन वालन कांत्र वालन वालन कांत्र वालन वालन कांत्र वालन वालन वालन कांत्र वालन कांत्र वालन कांत्र वालन वालन कांत्र वालन वालन कांत्र वालन वालन कांत्र वालन कांत

এ-সংসাধের ভূটি শভিস্তি ভূমি এ**খন**ও কিছুই খান না !

পত্ৰ-হথে অভুল একস্থ বাদি কইবা মাভার নিকটে গিয়া বলিল, "মা, বিভার বিবেল লগু লাম ভোগাংশর ভাবতে হবে না। আমি ভা'র বুব ভাল পার ঠিকু কটিছি।" মাভা লাগ্রহে ভাহাকে বিভালা করিলেন,

"কাথায় *cs*,—কোথায় ?"

ष । बहेशास्त्रहे ।

মাঃ কি দিখে বৃত্তে হবে ?

म। हिस्स भूस्त किहू है'रव मा ।— छरव भाषता (बरतव शा नाकिता अक अक भामा शहमा (बरता) छो'ता त्वन कल्लाक किहू (बरतम मा : छा'तरल भामारमत अक्रकारक किहू ना रवस्त्रम कि काम हर ? कि रल मा ? किहू अमन भाषा त्यारक है।का मिरहस्त भाष मा।

যাতা বীৰ্ঘনিঃখান পৱিজ্ঞান কৰিঃ। যদিবেন, "আমানের পোড়া বস্থাতে কি আর এমন ক্ষিয়ে জুটুবে বাবা।"

শতুল বাসিয়া বলিল, "ফুট্বে বি দু কুটেচে ! এখন বাবাকে ক'লে নীগ্লির শীগ্লির বিষ্টো বিয়ে কেল ! কি জানি নাইলে হয় ভ কষে বেভে পারে।"

মা। পাত্ৰটী কে ভনি ?

भ । भागांत्रत व्येषित (यो — स्योत । मांका, "६ — या काहे वन !" विनेश नीवन दरेरन, भकुन वनिन, "वि या, हुन करत वहेरन (व ?"

নাজা মূৰে একটি ছ:খ-খুচক শব্দ করিছা বলিকেন,—"আ আমার কপাল, লে কি হ'বাঞ বো' আছে যাখা !" चर्ग विचित्र हरेग विकास कतिन, "त्कत्र मा, इ'वात एश त्नडे त्वम ह चानि श्रोदंत्र मान्ट किसे निर्माहन्ते। अह त्वम, जिने चामारक निरम्दहन, त्मर्य श्रहम इ'रमहे किनि विदय दमरमन। क्षेत्रा किनि कान्ना। विकास तमस्य कांत्र श्रहम ना

মাতা বলিলেন, "ভার ছতে নয়। ওরা বে বদক কাবেং। ওদের লকে কি আমানের চলিত আছে। ডা ধাক্লে আর ভাবন। বিল কি ।"

हरत ? जरव जाव हरत मां (कब, मां "

अपूर्ण श्रानिता मरन कवित्र अन्यश्रीता कारकत कथारे मह । जारे द्रि र रिनाल, "अ'श्रीत वा वक्त ; जारे द्रि र रिनाल, "अ'श्रीत वा वक्त ; जारे द्रि र रामि क्रानि क्रानिक क्रान

মাতা-পুলে বংগ এই সৰণ কথা-বার্তা ইইতেহিত, তর্থন অতুলের পিত। তথাই আদিয়া উপছিত হইলেন। মাতা-পুলের কথার কিয়সংশ তাঁছার কর্ণগোচর হইছা-ছিল। তিনি পুছে প্রবেশ করিয়াই অতুলকে জিলানা করিকেন, "কি বে অতুল দু"

पहुँच निर्मात कार्य नवत विवस विवस अवः स्थोरतव महिल विकास विवास विवास विभिन्न पहरतां क्षित्र। योगत, "वादा, स्वीरयन मस्य विकास विरास विम्, विका स्था पावस्य हैं। মতুলের পিছা দক্ত কথা মনোবোগী সংকারে ছনিংগন : ছনিয়া ফপেক চুপ করিছা রাইগেন। পরে চিনি বলিলেন, "তা কেমনা করে হ'তে পারে ৮—আম্বা হলুন্ দক্ষিক রাচী, ওয়া হ'ল বল্প : ওয়া তে আমাহের চণ্ঠি ঘর নয়।"

অত্। চক্তি সাম আ চক্তি কি। বাবা।
চলালেই চলে বায়। গুৱাল কায়ক ক বাট।
আর বংশও গং। তবে আর এতে দোক কি ক
সোবটা বে কি ভাষা অতুলের পিতা
কানেন না। ভবু অভুলের পিতা কেন ? কেই
কাষা কানেন না। ভবাপি একটা বার্গ
কাষালি সইয়া সমাজ উৎসম ঘাইছে
বিন্যাহে। বস্ত হাবের বিষয়, ইয়া কেবিয়াও
কেহ দেখেন না। বিয়াও বোকোন না।

শভুৰের পিডা বলিকেন, "ত। কি ৰুয় ? বা কবন হয় নি, তা কেন্দ্ৰ করে করেছি ?"

শত্ল বলিল, "বাবা, এইটেই আমাদের
মহা ভূল। আর এই দলাদলিভেই আমাদের
মেরের বিয়ে দিতে এত বেল পেতে হল।
ভারতে আমাদের শ্বাভির দক্দভোণীর
মধ্যে যতি বিষেপ্ত চক্তি গাক্ত, তা'হলে আর
রম্পলের এত শীভাপীতি হ'ত না। এতে
ত কোন বোম নেই বাবা! শ্বাচরত
কর্লেও পাবেন না।—আর অম্ভ কর্বের
না; কিবে দিন্। মেরেটার এমন ভাল
বিষেপ্ত ক্রেণ ছাড়বেম না।
বিষেপ্ত ক্রেণ ছাড়বেম না।
বিষেপ্ত শ্রেণ ছাড়বেম না।
বিষেপ্ত শ্রেণ ছাড়বেম না।
বিষেপ্ত শ্রেণ ছাড়বেম না।

অভূগের পিতা কিছুপ্তেই সম্বত হইলেন না। অভূগ এজকা মনে মনে ভাষীর ক্ষ द्वारचंत्र क्यामा क्रिक्ट इंग्लेस्ट क्रिक्ट क्रिक्ट व्याम क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र

অত্বেষ কথা ভানিশা অত্বের শিচা অভান্ত কৃত্র কালেন ; বলিবেন, "এগনকার ভেবেবের ধর বাড়াবাছি । কাকেও গ্রাহা নেই : আমাকে না জিজাল। ক'বে চিটা গিগতে গেড্লে কেন । বলবের স্কে বেলের বিয়ে বিশ্ব কি ক্ষাথ-ঠেকে। ক্ষে গাক্কো না-কি ?"

राम ८२, बाजाकियांनी स्थम वामाणि ! वामाम्बर भरनत धरे मधीर्यकारे सामाम्बर धरे स्थानकत्व स्थान । स्थानीत स्थाकि-१८५व स्थि भरनम्बर स्थामास्वत क्रक विद्यम् ! साम्बर्धः स्थान स्थान क्रिक्क, ममास्थर क्रिके बेलिशः क्रिकांत क्रिक्क शामि ! स्थान् एवत सरे सामीरक्ष्य क्रिक्क स्थानित्यस् मिन्न स्थान क्रिकः क्ष्यक स्वित्रः "ममाक्ष" ममास्य भीरता, मस्य स्थमन स्वित्रः स्थानक सामास्य किन्द्र रहेरव मा । शतिक्षारी ववशास वर्षे তীত্র বিধাসকার সম্প্রভাষ মধ্যেই প্রবেশ করিvice acid life minm-neunicus ucuib हेता चलापिक स्थित्क शालका याव । एक किस क कुछापा जीवर जाव भावत कविएक्टका 华岳 明明的第三 有不致者 用使用用 电影印度电影 ভাষার ইয়বা নাই। বলম প্রভাতি সময় শ্ৰেণীর মধ্যেই যদি বিবাহেও আলান-প্রদান প্রচলিত থাকিও, ভাগ্র হইলে বদের গুয়ে পুরে এত হাহাকার উঠিত ন: সর্বা ৰাপিকা অঞ্চলিকা-বৰ্তঃ অকালে আন্মহত্যা-রূপ মহাপাপ করিছা মাতালিভাতে ক্রালয়ে চটাতে মৃক্ত কবিবাৰ প্ৰয়াণ পাইতে না। गुर्ड शुर्ड कलानार, मुद्द शुर्ड हाहासाब ह হতভাগা ভাতিৰ কথাৰি চভৰকীলন চ্টল জ্ব

অভূনের সহল অন্তন্ত-বিনয় সংক্র অভূনের পিতা স্থীবের সাধ বিনার বিবাহ দিতে গীরত বইলেন না। অভূল মার কি করিতে লাবে ? পিতার বর্ত্তনালভায় বৈশানও কার্যো হতকেপ করিবার ভাহার অধিকার নাই। লিতা বাং। করিবেন, তাংটি ইইবে। স্তর্তাং, ভাহার ইচ্ছা কার্যে পরিশ্রত স্থলী না। বিভাগ বিনাহ স্থলা বাহার পাচশত টাকা দিলা বিনার পিতা, বিভার ক্রত একটা পাত্র ক্রম ক্রিকেন। পাত্রনীর ব্যাক্রম প্রব্যান্ত নাক্র; তৃত্তীর প্রক্রের পাত্রা।

ন্মানের এই ব্যেক্ত মত্যানার মন্ত্রণ নীইবে পাড়াইবা দেখিল। স্থারত সে বিবাহে নিমন্ত্রিত কইবাছিল। কৈন্ত বিভার এ বিবাহে মেবিয়া দে স্থা কইতে পারিল না বালিকার স্ক্রী সৃতি ভাষার হুমনে স্থানিত চুইয়া। বিষ্ণাছিল। কিছ করু যে এই বন্ধই নে স্থা ইইতে পারিল মা, ভাষা নার। দশ বংগরের পারী আর হব বংগরের পার। একপ নিলম ভাষার চক্তে কেমন বিষয়ে দৃশু বলিলা মনে করিছে লালিল। যহিন্ত বিভাবে বড় ভালফালিয়া কেনিবাছিল। ভাই ভারে বড়ই ভালফালিয়া কেনিবাছিল। ভাই ভারে বড়ই ভালফালিয়া কেনিবাছিল। ভাই ভারে বড়ই ভালফালিয়া কেনিবাছিল। আই ভারে বড়ই ভালফালিয়া কেনিবাছিল। আই ভারে বড়ই ভালফা কে কেবিল, শেখানে একলামা গোচ ভালফা কে কেবিল, শেখানে একলামা গোচ ভালফা বি এক অব্যক্ত কেনায় ভারের হব্য বিক হইতে ভালিল। ভায় বে, নিচুত্ত সমাজ। কোমার এ কি অভ্যানের।

(b)

वधीत ध्या थि, अ-पृतीकात छेनीर्ग हरेता কমান, পালা প্রিক্টেছিল ও মানিক বন্টাকা বৃদ্ধি পাইতেছিল, তথ্য ক্লবাঁৱেক উপৰ এক বাজিব বোলুগদ্ধী গাঁৱত চইল ৷ ইনি चायरत्व मृट्टांबिचिक चाँवशामहस (एरा) ক্ষবিদ্ধাৰণৰ একজন মধ্যাত ব্যবসাধ हानाव । काशांच कडेटल लिक्ष ए अस्टिकात দিহত শিকা করিবা তিনি ভারতে কার্বার পুলিরাভিন্নে। প্রাহাতে উলোব প্রচর অৰ্থাগ্ৰ হইড। তিনি অভাৱ বিচৰণ ন রন্ধিয়ার ব্যক্তি। কিন্তু এনাস দ্রুগ থাকিলে ্রক চয়।---জাহার একটা বছ বোদ ছিল। ডি'ন কচার অচভাবী ও লাভিব ভিবেন। ভিনি নিকে ধাই। ভাগ ব্যৱহত্তন, ভাগেই ক্ষবিভেম: পৰের সভাত্থার প্রা ব: জালারও প্রাম্প গ্রহণ করা উচ্চাব গ্রান্টতিতে ছিল ন্য। ডিনি মুধীবের দহিত্র ভারার ভক্ত: बीताव विकार तिरुवा, मन्द्र कविद्वन।

"ৰাখাল" বসিয়া গৃহিণী একবাও ব্যক্তিট কুমিত করিছেও, সে আপত্রি টিভিস লাগ पूर्वित विवशिष्ट, अविभाषवाद क्षण्या एएकपी वास्ति : काशदक कवा किंग खालां करप्रम मा : पश्चिमीयक मा ! जावे जिल्ले मुक्ति नीय क व्यापणि चनिरंगम भा । जिस्से चयारी জন্ম বলিয়া উট্টিলেম, "বাবে, তেকে প্রত ডোমার ধাকার ৷ অখন ছেলে কটা আছে, ৰশ দেখি ৷ স্পত্তাকাৰ টাকা দিলেও একল ८६८म अवास्त्र मिन्द्रव मः ! विवास एवं २४६ s পাৰাৰ চেহায়াধানিও ভেমনি কুছুৰ চ কোণাত এমন পাত্র পাও স্থীপার বিভৈত্ত জন্মে আছে এক ব্যস্ত ধরে ভেলে ব'ল ছি..... (काभारत प्रदेशक प्राप्त कर दशक राज त्यामध्य ना । क छ्या हा एडाए। कपट प्रायुक्त का / আমি না মেহে দিই,--কভ লোকে এমৰ तक्षान हरू । भारत रहता व्यास प्रतिक পড়াবে " পৃথিপীৰ আৰু সাধ্য বইল না কঠাৰ कथात जिल्हा कथा कटहन ।

অবিনাশবার্ ঘটকের ধারা অন্তসভ্যন করিবা ধনগাবার্থ ক্রিকের ধারা অন্তসভ্যন করিবা ধনগাবার করিবা করার বিবাধের সম্বাধনা পাক্রেকের মার্কির করিবা করেবার করিবা কেরের এবং অনে করেবার করেব

দীবার হাগোর, হাজার গঠনবারি, কুফিড-রুফ কেবরানি, আবত চক্তর, হিটোজন শামবর্গ, নকবই সরমাধার্ত চক্তে অভুক্তীয় হুল্য ব্রিক্ ফাড্ হইল। ভার্যে দ্র্নাকে ভিনি খেন জন্টা সাধুষ্ট মাধান দেখিলেন ৷ বুঝি, এখনটা আর নাই ।

কৃতিও নিজেত বিবাহের কথা শুনিছা একট্ট আগতি কলিয়াছিল। সে শুনিটা গিলাকের কলিয়াছিল, "বাবা, আমরা সবিব : বাচলোকের থেছে আমালের মরে সাল্থে না। ও বিবেশুক কাল নেই।" কিন্তু হরনাথ-বাবু "না" বলিন্তে পাতিলেন না।। ওকে ত, গুলুলোকের সলে কথাবার্তা ছির হইবা বিয়াছে, ভাগতে উপর বীলার সেই ফেছুমানা ক্রেছিল। গীলাকে শ্রেছা প্রান্ত আহাকে প্রান্ত করিবার কয় জীহার আভান্ত বাসনা ক্রিডেভিল।

বিধাতার ভবিতবাতাই বপুনু, আর দীধার কর্মকাই বপুনু, তীমান্ হ্বীরের সহিত দীদার বিবাহ মালর হইছা সেদ। কলিকাভাতেই উভয়ের বিবাহ মালয় হইল।

বিবাহের পরে ধরনাথবারু পুঞ ও পুরবন্
বসুতে লইনা বাইতে চাহিলেন। অবিনাশবার্
বিশ্ব নানা ওকর আপত্তি উপাপন করিনা
বৈবাহিককে নিরও করিকেন। জিনি বলি-কেন, "লীলা এখন নেহাও ছেলে মাত্র।
আপনার ধরে কেউ নেই; সে কা'র কাছে
থাক্রেণ্ট একটু বস বোল, নিরে থাবেন।
সে ত এখন আপনারই হ'ল; যথন ইচ্ছা নিরে
যাবেন, ভার জাগে আরু কি ই এখন বলি
কেগানে সিয়ে ওল মন না টেকে—জালাকাটা
কর্মে—ভারতি ওল মন না টেকে—জালাকাটা
কর্মে—ভারতি প্রকাশ একটা অস্থ হার যাবার
প্রার্থন। আরু আপ্রিপ্ত ভারতে বিশাদে
পঞ্জানন। আরু আপ্রিপ্ত ভারতো বিশাদে

ধ্বনাথৰাৰু আৰম্ভ পাঞ্চাপীতি কৰিতে

পারিবেন না: ভূরমনে একাকী বৃচ্চে প্রস্তাা-প্ৰায় কবিবেশন । প্ৰায়েখন কোলো বধু বেনি-शास प्रक काशरक छेकारू कविशा कृतिहा, ডিনি ডাহাদের অনেক বলিলা করিয়া পাত कविद्यान वर्षे, किस छोटाव निकास यन वर्षे रहेम ना। काशह जन चानरस स्रोद्धम বৌ, জাহাৰ এক্যাত প্তথ্য, সে বৰু জাহার পুছে আসিল না , এ কি প্রকার বিবাহ হট্যা ! মুখেত অবিমাশবার খুব সৌমন্ত মেণাইলেম 🗸 ভিতৰে কি জাহাত কিছুই নাই ৮ সকলই কি মুখ-সংবাদ ? কেবল খোধা-কৃষি সাও ! স্থানীত क विभिन्नहिन, "यक्तात्मक स्मरम ग्रिस्थ यस्य भाषास्य मा ।" भकारे कि स्थाद स्थीत्यव कथा कार्दा शतियक इंडेट्स १ (क्यांडे वा फरर) তিনি ভূপাবের কথা না ভূমিয়া বড় লোভেছ থেষের সলে বিখাহ বিলেন্ত্ কিছ এপন আব সে চিম্না করা বুখা । কার্ব্যলেকে অঞ্ শোচনায় কোনত দাত নাই।

(2)

বেধিতে বেধিতে নারও তিন বংগর অতীত হইবা গেল। ইংগর মধো হরনাখবার নারও তুইবার দীলাকে আনিতে সিরাছিলেন, কিন্তু এ জুইবারও নানা ওলর আগতি উপা-পন কবিয়া অবিনাশবার্ দীলাকে শাঠান নাই।

এনিকে স্থাবি ধবন এম-এ শ্রীকা নিবার মত প্রতে চইছেছিল, তথ্য বল্পের অক্ষেত্র লইয়া একটা মহা হলুপুল প্রিয়া নিরেছিল। তাহায় মংল কড় নিবীর স্বক্তেও প্রিক্তবাস করিতে ক্রমাছিল। গোলীর সহিত্ত কড় নিকোন ক্রিকেক্ত প্রচ্ছনাত্রণে ক্রিকেট ইইরাছিল।

स्वीय बार रामा थालिया बार-व पवित्त-किन, खाशास दम भूकिनकदारी। स्वत्राह, त्म ८६ **अवस्यत** 'कार्यानिके'न्यव इक्का---हेडा श्रुक्तिम-पूक्तवज्ञ एक विश्वाग करेख : श्रुवित्वज ट्यानम्बद्धक पाँचक दहेवा एकीव कावाकक ইইল ট তাহাকে মুক্ত করিবার জর অবিনাল: कान स्थानाथा ८५की अधिकात, किस छ। छ। नकन (हरें। है शिक्षन इहेन। विश्व दर (हरें। ভবিষাৰ পূৰিৰ ভূগীবংক অণ্যাধী প্ৰয়ান কভিত্ত সুমুখ্ কটল নঃ : পিছদিন কারাবালের পর সমন্ত বিভারগতি স্থীরতে সম্পূর্ণ बिर्द्धात काविदा पुक्तिश्चेत्राम कविटमम । ८६१८६, **ट्याट**ड, प्रशास चुपेश शिक्षणांग वृद्देश अस्तिता । দেবার পরীকাষ পে এম-এতে নিয় স্থান व्यक्तिक क्षित्र, स व्यक्तिम 'तमन' इतेना ভাষ্যর পর মনের করে বে পিতার নিকট **८५८न ठलिया (मन्य**ा

মাছ্যের সহয় হথন মন্দ্র হয়, তথন সকল কিন্তু হঠতেই মণাজি আনিলা দেখা। দেখা। ক্ষমীর গুলে আসিয়া দেখিলা, পিজা প্রীজ্ঞিত। কেই জীবলীর্গ, রোগলিত্ত, জীব দেহে জীবাকে গুলের অনেক কার্যাই সংগ্রে করিছে ক্ষরিজেছে। জাহা দেখিলা ক্ষমীরের যড় কর্তু হঠল। জাহার জীর উপর অভার রাগ ক্ষরিজে সামিল। দে বিষাহ ক্ষমিরাহে তি মন্তু প্র ক্ষেত্র জীব গালে কাবনাজিলাত ক্ষরিরে বলিলা। ক্ষেত্র জীব গালে কাবনাজিলাত ক্ষরিরে বলিলা। ক্ষেত্র জীব গালে কাবনাজিলাত ক্ষরিরে বলিলা। ক্ষেত্র জিলার দেবাজ্ঞারা ক্ষরিরে বলিলা। ক্ষেত্র প্রত্যার ক্ষরিরাহিল জীবলি ভালা আর ক্ষরের ক্ষরিলাছিল জীবলি ভালা না করিলা, ভালে প্রকল ক্ষরিতে প্রচাত ক্ষেত্রত ক্ষামাজন নারী। ম্বাক্তিক নার্বার ব্যাহার क्छा । स्तित्वच भूजवर्-निर्देशक छी छ त्य स्ति । तक त्य एत स्वित्य ज्यवाक न्या क्या प्रतित्व मा । ज्यांच भ्रता प्रति व्यक्तिया क्या प्रतित्व मा । ज्यांच भ्रता प्रति व्यक्तिया क्यामार त्यांप्य । निर्देशक क्यामा । निर्देश । स्टब्र क्यांक क्युएक क्यामा त्यांच मि, ज्यांचि छ । निर्देशक त्यांच । व्यक्तियां मार्गा करि । क्यामारक भ्रत्याः स्वाद अयम् ज्यांच म्या क्युटक शास्त्र । । व्यक्तियां ज्यांच प्रतित्व व्यक्ति । । व्यक्तियां ज्यांच प्रतित्व व्यक्ति । । व्यक्तियां ज्यांच स्वाद । ज्यांच क्रिक्तियां । । व्यक्तियां व्यक्ति । व्यक्तियां व्यक्तियां । । व्यक्तियां व्यक्ति । ।

व्यताभवाद्वा कि त्यहे हैं का वर्ध . भ, প্রবেশ্টী আহিয়া জীহার এ নিজ্ম প্রভাই মনপূর্ণ করিয়া ভেতালে ৷ তীহার বি তালা स्य मा (य, कीवाद कोई दुष्क बगान कुरू_य একঘট ভাত ব'লিয়া উচাতে বা ভাতত কিন্ত কি করিবেন ! সে কুব জীয়ার আটে নাই। তিনি না ব্ৰিয়া এক ফাকু ক্তিয়া কেলিয়াছেন। বিধিনিপি আৰু প্ৰকাত (১১) वेकिक्सिका इक्सल्याय नीर्वामः वार ভাগে কহিয়া বলিকেন, "না, খাবং, কেছ ব ৰউমাকে পাঠাবেদ না। মিতে আন্তঃ ा व्यवस्था मा । अप वक्रमातका स्थाद ° স্থাৰ মনে মনে বলিব, সে ৰক্ষা 🦮 আংগ্রেট বলেছিলায় - তথন ভন্তমন স্বা শিক্ষ প্রকাশের এই বানা যদিও দিয়েও _{এইন} পট লেডফালে ফুলিনালড মনে কালে বাল তাই সে যদিল, "ক্ষেত্ৰ আগতৰ হা সন্তাত ভগ বঁট ব্যামের মেয়ে : পরিবের ষ্ট ভ কুমেনে ব

অংশ এখন সে সিভান্ত ভেলেমাসুষ্টিও নেই ত্ত কলোকাটার পদত কেবাৰে। আপেনি ্লফার থাকু কেবেই আহ্বন না কেন, কি ংলন্য এবংগ যদি নাপাঠান, তা **ল্লে** िश्वाम अवदी दशक्तरमञ्जल मा करने हास्त्र व छिद्रकाल चाट्यत चहे।शिकाय बद्धा ত্থভোগ কৰোঁ, এমন কোনো কেখাপড়া acce र वालानि वामान वित्र उत्तन नि !"

एकनामयानु वृश्विद्यमा प्रशीदवंद अकास হ'ল: প্ৰটাকে লইয়া আলা ৷ ডাই ডিনি আর তোন্দ থিকজি মা কয়িবা একট প্ৰস্থ ভট্না ক্ আনেক্ষে কৰিকাত্যে গেলেন । অবি-

নাশবাৰ বিশ্ব কলা পাঠাইতে এখাখেও অনুস্থতি আমাইলেন ৷ অনিকল্প বৈবাহিত্যক্ত (यण "विटर्र-कड़ा" दुवा पड़े हाक्ति का ওলাইয়ে দিলেন। কর্মাথখার আত্র কোনত কথানা বশিষা নীবৰে এবান করিবেন।

च्योड धरक भूक बहरफरे शकी अ पक्षी বের উপর চটিয়াছিল: এয়ার ভারার জোগ থিপ্তশ বৃদ্ধিত চুইল। সে মনে মনে একটা দুচ্পক্ষে হরিষা খাঁকে আনিতে হতে যান্ধা করিল। ভারপত্র হারা ছটিলাট্রিল, পাঠক-পারিকাপন ভাগে ক্রমত কাছেন। (জনপঃ)

জ্ঞানপূৰ্ণৰ। মিডে ।

काकाका

সকলি দিয়াত প্রস্তু, আর কিছু নাহি বাকি ; उपच कियांची स्ट्र

क-इत्रम् ज्ञाना वर्षा ।

ধ্যার বিকল পড়

शरम शरम चरम काणि :

धगरांका स्य साम :----

চিড দীন কা'ব লাগি !

পাণার সালোক ফুটে :

নিবালা নিভার বাতি।

তেয়ে থাকি কা'র পারে --কৰে গোধাইৰে আছি । আসন্ধি কঠিন পাত্ৰ, দ্বিভিন্ন কাহার বলে স

মান অভিমান প্ৰ,

टिंट्स यहेटर देकान करन १-श्राय भूरण निर्किकात

कर वह हिन्दुक्षी,

বাহিতের এ আকাজা

्रभूतास समदन्या<u>यी १</u>

- কিনেজাবিশী দেখী ৷

সংবাদ-সংগ্রহ।

প্রতিভারত মহামঞ্জের প্রাব্দাধ্র েলেটার । ভিনি পলাব-গ্রপ্রেটকে এই গাস্ত্ৰত কাৰাইলাছেন যে, ভাৰক**লী-মহা**

া গাছত সী-মধ্যেকে — জিম্ভা নৱন্য সভাগের পরে। বছতে প্রতিমিধিক ভাষত দ্যভিষ্ঠে নিকট নিছলিখিত বিষয়প্ততি আৰো-ট্ডেড চণ্ডেন :-- (১) প্রাবের ম্রট্রের निर्देश क्रमांबर ।

- (২) শক্ষাবে বে-গ্ৰুণ নারী বর্গমান শক্ষা বিশ্বা ক্রীয়াজেন, উচ্চালিগের প্রতি বিশেষ অঞ্জন প্রার্থনা।
- (৩) বিধবার সংখ্যা দিন দিন বাজিতেতে বলিং। অভাবতার বিধবাহের জন্ন আলখ-খাপন এবং প্রভোক বিদবদে দান প্রথিত কাবছা।
- (৪) হিন্দ্বিধবাদের স্বার্থী ও পিডার সংগতিতে অধিকার সংরক্ষণের জন্ম নিংশ্য বিধির প্রশাসন :
- (৫) ভারতের বিবাহিতা নার্টান্য স্থান-দংক্রতার লগু ভাইরপ বাবস্থা করা হউত বে, বিবাহিত ভাগতীয় পুরুষ কোন ইংরাজনারীকে বিবাহ করিলে, ভারতের কভিড হইতে হইবে :
- (৬) ভারত-নারী আইন বা সভ যে কোনত বাবদার গ্রহণ করিছে পাবিবেন।
- (1) মিউনিসিপাল বা অভরণ সকব নিকাচনে ভারতনাত্রী অধিকার গাইবেন ঃ
- (৮) প্রতিকা-বিবরে যত অধুনার আনো-কর আছে, ঐ প্রত্তুর মধ্যে ভারত-নারীদিয়কে গ্রহণ করা ১উক :
- (৯) ভারতীয় মহিলাবের খাবা পটিও কমিটিকে বালিকাবিদ্যালয়গুলির তথাব-খানের ভার দেওছা হউক।
- (১০) বিশেশের মহিলাদের স্থান ভার-ভার মহিলাদের দারা পরিবর্ণন একেন্দ্রী গঠিত ভাউর ।
- (১১) প্রীণিক্ষার বন্ধ শিক্ষাবিকাণের ক্ষাইরেক্টরকে উপদেশ দিবার কম্ব মহিলা "এক ভাউসরী বোর্ড গঠিত হউক।
- ্ (১) স্বাৰক্ষণক সভাব সদক্ষণৰ মন্ত ঐ মতিনানোৰ্ডকে পদগৌৱৰ অৰ্পণেৰ ব্যবস্থ। ক্ষাৰ্কীকৃষ

হ। মহিলা প্রতিনিধি—ভারতের মহিলা প্রতিনিধিগণের ৮৮ই জিলেম্বর মালাভ নগরে। ভারত প্রিনের সভিত দেখা কার্যার কথা। গলালাবাদ হউতে শীমতা প্রামালা নেহক শীমতা মোহানি ও যিং সহত্ব আলির কন্মী প্রতিনিধি নিযুক্ত হউপুর্যুক্তন।

ত। সংগ্রেলাল্পক বালিকা-শিকা। — স্থীনি পুর স্বপ্রেলট স্থীসারে বিলাশিক্ষার বিভার করে প্র প্রায়ম্যা করিয়াকেন। সংক্রান্ত এই স্থানে অধ্যানিত প্রসাহত যে, ম্থীপুর অ বালালোর এই ভূট নগ্রের ৭ ক্টান্তে ২০ ব্যালালোর এই ভূট নগ্রের ৭ ক্টান্তে ২০ ব্যালালোর বালিকালের উপরে ২০১৮ সালের ১লা ভূলাই প্রায়ে বাস্তোম্পক নিম্লিকালি

। ইংবেশ মহিলাদের বালালা ও উন্
পরীকা।—পোলেটেড্ অনিসারদের স্থী ও
নিকট আজীরনিগকে দেশী ভাষা শিকা
করিতে উৎসাহিতে করিবার নিমিম্ম বাল্পা
ও উর্গুর পরীকা গ্রহণের রীতি করিতে করা
ইইলাছে। পরীকার্গিনীদের ১০ টাকা কি বিজে
চটবে। উত্তীর্গি হটলে উচ্চেলের নাম করিকাতা গোলেটে প্রকাশ করা হটবেও স্থাটিকিবেট লেওবা হটবে; কিছু উল্লোল করা
কোন্য পুর্যার প্রিবেন না।

ে। বিটেশ মানীধের কর্মশক্তি।—বিউন্নে এবন ০৭২ লক্ষ মানী বৃদ্ধ-সংক্রান্ত মান; কংগ্রে ব্যাপুত আছেন। ইতালের মাধ্য ২২০ লক্ষ্যে অধিক সংক্রারী কার্য্যে নিযুক্ত আছেন। কলক ৭০ হাজার নারী পোলাগুলি নির্দাণ করেন। যুদ্ধারকের পরে মার্যাক্ষেক্ত নারীক্ষ ব্যাহার বৃদ্ধারকের পরে মার্যাক্ষেক্ত নারীক্ষ

७। (मो-रेनक-निकारण मात्री।-- देश्यर अस

(वो-विजाधीत कर्निक अवार्ग कडिलास्त्र (व. हेक्ट, कर है इन राजभारत औं जिल्लाकी जन्म মিউছের ছল উটোরা নাতীন ধার। একটি দল গঠন ক্রিয়াট্ছন +

 । বিশ্ববিদ্যালয়ে মুক্ত প্র।—কলিকার। বিশ্বিদ্যালয় সংপ্রতি ভর্বভগ্রন্থেত্টর অভ্যোদ্ধন প্ৰীকালবুলের ভারাবিবানের ছক একটি বৃত্তন প্রান্তর কৃতি করিয়ারেন। উল্লান্ কাৰ্যা, পৰীকাৰমূহের ভৱাৰবান : গাছ মেটি-কুলেশম, আই এ ভবি,এ প্ৰীকাৰ প্ৰথম अधि व saicre करे भरमत स्वी क्लेशांटक ।

(अटकरे: ही किला। शेष देवर मा**ले**। स. १६८१-राज्य अनुभवित्र नाम्हेल्हें किंगक व्यक्तिकाल be no set him higher betricken i সংকারের দল্পা—কারাপ্সী বার্কক ফিশ্ন হোমের তত্পক জানাইয়াতেন থে, क्रिक्रों अविक्रांकि भाषी श्रीकाल बाबी अनिकासी-নিষ্টা বাৰ পূৰ্বজন মুখ্যের পুতিকে একটি প্রতিগ্র বিশ্বয়েশ্র ক্রালার ২ টাকা এবং

ঐ পুতে একটি যোগী রাধিয়ার আংশিক

ব্যায় বাব্যে ১২০০, টাকা দান করিবাছেন ট

সংক্ষিপ্ত পুস্তক-সমালোচনা।

্রে পিক্তা ৰোচ স্থিন ত্রীবৃত্ত কিচীক্ত নাথ ঠাকৰ ভত্তিদি বিবৃচিত। কলিকাভা ৮০ বারকারণে সাকুষের কেন, (পর্কার) **इ**हेटल लेहिनियहर प्रशासकाम कर्जुक অকাশিত। ইতা ছিলৈবণা অমাবলীর ১১শ-স্থানীয়। ইয়ার মুলার নার :

অধ্যানি বৈদিকত্তের "ওঁ পিতা নোছনি" — (তুমি অংশাদিগের পিডা)—এই মন্ত্র অসম্ভন করিল ক্রিল ক্রিয়াছে ৷ আদিক্সে হৈতে এটার প্রতি ওপ্রপ্রাক্তর স্বাভাবিক অস্তিৰাক পিছভাৰ বৰ্ত্তাম বাবিংগত, আমাদিখের প্রাচীন ক্ষতিগ খে-ভাবকে সর্বাচ্য প্ৰিত। মোহাৰি" —ভূমি আমাদিলের পিচা— এইবংক্য বাক্তরণে প্রকাশিত করিবাছিলেন, ইবরতে সেই পিছভাবে শাহান স্বিবার ভাবপৰ্য্য ও দাৰ্থকজন প্ৰাধ্কাৰ জাহাৰ প্ৰাংখ শতিভাগরহণে প্রাণম্মী ভাষার বিবৃত বলিয়া আমাদিবের পিতা, ইপার কাংপাড়া

বলিহা আমানিপের পিরা, টাবার জানদভো কলিয়া আহমিট্যত পিড়া, আম্বা **সভান**জা-বৃশন্তঃ জীহাত মঞ্চলময় পালাবে উলোকে কল-রুপে দর্শন করিলেও, উব্ধ প্রালয়করি। বলিয়াও আমাহিলের পিতা, উত্ত ধর্মাবর কলিলে আমানিলের পিতা এবং ঈশব ভাইনাত। ধানিয়া আমাদিপের শীন্তা। এতথ্য ঠান্ত ঈশ্বরের भारती वादका, देवस्यत भिन्ना वादका छाङ्खिल প্রান্ত বিশ্ববরূপে প্রদর্শিত কট্যাটে। গ্রন্থখনি भार केप्रिक अनवस्माव यहिन, विकिन व क्षेत्रक বিশানে, ব্ৰুৱা বিচিত্ৰ সামন্ত উপদ্ধি কৰিবা न क्षेत्रपुष्क महणात शिक्तरण व्यवस्थानम कविशा, अक्टर ଓ नाहित्व छीहात नाहित्सा-প্ৰকৃত্তিক ভাষাৰ বাস্ত হয়, ঠাহান্তে ভঞ্জি ৰ বিশ্বাস সচতত হয় এবং উপালোপনেশ্ব <u>চথেট</u> ন্তায়ত। হয়। উপারোপানক, দর্মার্থী, স্কল ন্রনারীর ইকা প্রক্তে উপকার কার্যন করিবে ক বিশাহেন। লিমি সেখাইপ্রাছেম, ঈশার এটা । মন্দের মাট। প্রাড্যেক ব্যক্তিরাবে ইয়া প্রিত ১উক, ৪ শক্সের মিন্ট জ্বাপুদ ইউ চৌ

২১১, বৰ্ণনৱালিন ইটি, বাদ্মহিলন প্ৰেনে উদ্মধিনাশকন্ত স্বতার দায়া মূলিত দ rie mein ein im albeit bieben eine mit im amifflichte.

বামাবোধিনী পত্ৰিকা

No. 655.

March, 1918.

्यायाय न पावनीका क्रिक्षवीकातिकातः .!!

ক্ষাকেও শাসন করিবে ও বরের সহিত শিক্ষা দিখে।

স্বৰ্গীয় মহাস্থা উদ্দেশচন্দ্ৰ দত্ত, বি, এ, কৰ্তৃক প্ৰবৰ্ষিত।

वद वर्ष । ७४४ मध्याः ।

साहित, ५०२८ । मार्क, ५৯५৮ ।

১০শ কয়ে। ২য় ভাগ।

ख्लभागु।

মায়েৰ জামাৰ পশু-চৱৰ
পড়্ব বেখা ধ্ৰাৰ গাঁচ,
চিত্তৰমণ ব্ৰজ্জন্মদ
সেখায় কুটে উঠ্ব বাৰ !

মুগ্ধ প্রদান-মধুপ আমার চন্ত্রপাসজ:-জ্বান-আবেদ, পালক-হারা ভূবে বেডান ক্রপ্যান্ত পালে পাবেদ -

শ্যামদ শভার অকরাবে শ্যামদ জরার শাটার নীতে, ভক্তবাস্থা কর্মকুরুম গাস্কে ওই, নয় বে মিটেছ !

যুঠ্ব সকল কৰের ভাবন,
পুঠ্ন সকল পথা পাবা,
কুকাজুর প্রাণ আমার

১'ল শীক্তল কমন মার :

কিনীবেডকুমার সক।

শিবরাক্রি।

उहे बागट कि फेक्स कि मीह नकन वास्त्रिके हेन्द्र-कहनाव नतीन अधिकाती। অগ্নতীপ্ৰবের কর্ণে আন্তাহকারের প্টর্থানি ক্ষমাত্র পৌছে না, ধর্মকার্য্যের বাছাড়খর জাহার চিত্তকে কিছুমাল অভুকুল করে না, ভানদৃত্ত ভার্কিংকর অবিবাদ-প্রধানিত ধর্ম-বিজ্ঞানায় উচ্চাত্র খন বিভূমাত প্রীতিকাত ৰুৱে না, ধাৰিকখন্য পভিত্ৰিলেৰ আআভি-মানপূৰ্ব ধৃত্বতাত উল্লেখ্য মন কিছুমান चाक्टे दश्या। किंति हान चकियान-विकेट काम नहें स्वद्धत चा उपहरीय गृंत । धनर डे।हाटक बाजिएक पश्चिक बांच जाहे पश्चिक, आमकाई इंडेक, चळामकाई व्डेक, रवि (कर এইছণ নীয়ৰ পূজা উহোকে একবাৰ বাৰান 🕯 শ্বিয়া থাকে, সে বত্ত নীচকুপোত্ৰই ইউক্ ना ८कन, १७ वक्टे शानावांती इवेक् ना বেল, জাহার সম্পর্ণ ক্ষা ও কুপার পাত্র ছুইরা থাকে, সংক্রমাই। বিবরাত্তি-কথা चायानित्रस्य कहे स्थाहे बनिशा विस्तरह !

বারাধনী নগাবে এক ব্যাথ ছিল। তাহার
ধর্ম ও কৃষ্ণকর্প শরীব, শিশ্লচক্ ও শিরণ
কেলকরাপ দেখিরা সকলেরই যান ভীতির
কলার হইত। সে সর্বালই আদিহিংলা করির।
বেড়াইড। শল্য, শাল প্রস্কৃতি আদিহিংলার
উপকরণ-সন্ধ ভারার গৃহ পরিপূর্ণ ছিল।
একবার ফান্ডনমানের ফ্লচতুর্কনী ভিনিতে
সেই বাধে মানক শক্ষম করিরা প্রস্কৃত
মাংসভার বহন করিয়া মানিতেছিল। সম্বদ্ধ
কিন মানলনাহতু ক্ষাহ ও তৃঞ্জার কাত্যর
হইবা হে মার সেই ভারবুর্ন করিছে পারিল

না। প্রথধ্যে এক বিষয়কের ভাষাপ্র আলাৰ লইয়া দে গভীর নিজাম অভিভূত হইয়া পড়িল। নিত্ৰান্তক হউপে সে ধেৰিল, প্ৰ্যা অ্য বিশ্বাহে; অভকাতে চারিদিক সমাজ্য চুট্যাচ্ছে: মিবিল্ল অবলোর পথ মধ্মপোচর ষ্টকেতে লা। তথম উপাধান্তর না বেথিয়া ব্যবস্থা ভবে সেই মান্সভার বভাগাশ-বারা শীয় পথে বছনপূর্বাক সে সেই বিস্কৃত্যের উপর আরোচণ করিল। শীতে ভাহার विवाशपुरिष्टे त्यह केलिएफिन, नीशविष्यु ভাষাৰ পৰীৰ নিক্ত কৰিভেছিল। আৰু নিশ্ৰা আসিল না: ধে সম্ভৱাতি আসর্থ কবিয়া বহিল। সেই বিশ্বক্ষের মৃলদেশে শিবলিক বর্তমান ভিলেন। দৈবক্তমে মাহেণ্ড পার্ডেট अक्री नीशत्रविष् तारे चित्रतिषय छेनद পভিত হুইল, আর দেই পত্নোতুর হিম্বিশ্ব ভাৱে একটা বিষশকও সেই সংগ্ৰই ব্যৱস্থাত हरेगा गज़िया (४०) *द्रा*तिम पासनमात्रमा ক্তকভ্ৰমণী শিবপ্ৰাত্তিৰ ভিৰি। আৰু সেই शिरमहे पहास्त्रक अधिक्रिक्ष विवयस छ বল ব্যাধ-নেহ-সংসর্গে পিবলিব্রোপরি প্রিজ रहेत । प्रक्रमाध्यालुहे **जनाहारी निवास्त** কিছুমান পৌচ ছিল না। সে সম্ভ দিন খান करत माहे, किश्वा आक्षत्रत कश्चिम प्राकटकान वाबारिका द्यालस्थानहाउन वशास्त्रदा नेवा करव माहे। अक्षारम तम देशदानी शक्तिम মহাদেখের অভিক্রিম্বদিনে জাহার অভি-ত্রিয়থত ভাহাৰ মন্তক্ষেত্র উপৰ ফেলিয়ার নিমিত্রমাত্র হট্যাংছ। ভাষাতেই দেবতা প্রীভ व्हेरलय ! च्याहरुमारत जिलाहरू मृत्यूनी

শিবপুৰার কল জনান কাবলেন। নিবাং ভাষা কিছুই কানিতে পারিল না।

শর্মনি বজনীর অবশ্যনে ব্যন্ অকশবিরব দিয়াওল প্রকাশিক করিবং নিবিদ্ধ
অরশ্যের সেই প্রকাদ ভিমিরাখরণ উল্লোচন
করিবা দিল, নিশাচন হিল্লে অস্তর্গুরের
চিত্রে একটা আলোকভীতি জল্লাইবা দিয়া
ভাষানিগের অব্যাধনকাতে বাহাপ্রয়ানপূর্বাক
আরশ্যের বিশীবিদ্যা কিন্তুর প্রিয়াণে অপলাগিক করিবা, তথান উপ্রাণশীড়িত রাজিআগ্রন্তিটি ক্লাব্রুকার নিমান বীরে বীরেবিহার্ক
ইতিক অব্যাহশুপ্রিক ব্যুহ্রপ্রভাগন্যন করিব।

निस्त्यत्र कीयन विश्वचाधी नत्त् । काणकर्ष निस्त्यत्र व्याद्ः त्यद रहेन । नयस कीयन पविष्या त्य व्यादन आनिक्स्ता-भारण निस्न क्षेत्रात्तः भूत्यात भाव विश्वस्त पाव नाहे । कालके कीयशाक्षक व्यादन व्यादिया सम्बद्धित्र व्याद्धात्र नद्धात्र व्याद्धात्त स्था केणिक्स कालात्म नद्धात्र नहेंद्या याद्यात्व स्था केणिक्स क्षेत्रः । रथपुर्क दर्धन स्थाप्त अन् निस्त्य व्यादिक्षात्र हिन् त्यदे नथत्य अन् निस्त्य व्यादिक्षात्र स्थाप्त कार्याः स्थाप्त व्याद्धात्र व्याद्धात्र व्याद्धात्र महिन्दा स्थाप्त व्याद्धात्र व्याद्धात्य व

শমস্ত বলিল, "আমিও এক্ বনের
আন্দেশে ইকাকে লইকে কানিয়াছি।" এইবানে
ভিত্তেই নিয়ানের আহা নইফা বাইবান কছ
কেটা করিতে কালিল। শিক্ত ও ব্যবুতে
বিশ্ব বিবাধ উপস্থিত হটল। অবলেবে
শিক্ষান্তই কটা হটনা কানেবে প্যাপ্তাকে শিবলোকে লইফা পেল।

এরিকে হবরুত লিবরুত-কর্ত্তক অপমানিত बहेदा स्टब्स् जिक्षे जिल्ला भवन कथा मिट्यमा ব্রিব। হমও শিব্যুতের এইরপ প্রথমভারে বিশ্বিত হট্টা কণ্ডিকছ না করিবা একে-बाटव टेकमामधारम छिपामिक इहेरमन, अवश वादरमध्य मनीत्रक स्मित्रेश विकाशः कतिरुद्धः "নন্দিন, আজীংন পাণাচাহী মৃত নিহাছেয়া जापाटक महरूके नहेंचा शहेबात बढ़ ब्यामाह वृत्तक भागेरिकाहिकाम, शिववृत्त द्वार त्व-কার্ব্যে হয়কেপ করিব ে এবং কোন পুৰাৰলেই বা ক্লেবপ্ৰকৃতি নিবালের আৰু যোগিখনবাছিত শিবলোক প্রাপ্ত হউল 🕫 परयद करेंडन अब अभिना सभी देवर ছাত্রপূর্বাক করিলেন, "দেব : আলী**র্বা**ক প্রাণিরবেদ নিবাদ খোব পাণী সন্দের নাই। কিছ যে একহা শিবচভূমিশী বাজিতে সমস্ব দিন উপৰানী থাকিয়া সম্পূৰ্ণ আজাতসাৱেই শিষ্ঠালের উপত্র বিষ্পত্র ও জল প্রয়ান कदिवाहिन। धरेमण्डे महादश्यकृतीय छाशाव আতার এইরূপ সলাতি চইয়াছে " বলিয়া তিনি আন্তপুৰ্বিক দমন্ত বিবরণ স্বান্ত করিবেন। ব্যব মন্দিরাকালারণে পর্যালীক চ্ট্যা খয়ানে প্রভাগিমন করিলেন।

দিবরাতির এতকবা হবতে উপরি উক্ষা গলটা দিপিত হবল। ঐ এতকবার দেশিছে গাট্:—মহানের শ্বহুং পার্মভীকে বলিতেতেন, গলাকনমানের কুঞাচভূজিই অন্যান অতি-ক্রিয়া তিখি। এই তিবিজে বলি কেই উপনাদী থাকিরা আমান পূলা করে, চেবে আমি অভ্যন্ত শ্রীক্ত হবলা থাকি। কেবলমান উপন্যানেই আমার কেরপ শ্রীতিসাধন করা হয়, পূজান ভাজ-কর লা। এই তিখিতে উপনাদপুর্কক আমান

ব্রেটজে এডটা মদীর সংক্রে আদিল বেশিকা

গুলাপুলালের কেবারেবাঙে ভারাপ্রিংশ শ্বান েও এই ব্রুতের বিহরণ পাওয়া নাম। ভারতেও জিভিত ব্যাদের পর্বন্ধী ভাতকংগাল পর এইতে তির ভিন্ন ভারতে উক্ত আছে বে, মাঘনাদীর ভক্ষতভূমিই ভিষিতে ৮ চল নাথে এক ছবাপা হারে সম্ভ দিন মুগরার্থ পরিভাগন করিছা লাহিকালে কুপোলালার একার পীড়িত ক্টরা कातपाद अवने विकास का छेनत सारवाहन ক্ষতিক। সেত্রে হতক কইয়া সময় থাতি নিনিবিদন্তনে আধিয়া বহিল এবং সুগ্ৰাৰ্থ अद्यानाक्टनक अस मन्त्रक भाषानगृहरूद विच-🐃 ভিডিয়া ফেলিল। সেই বিবৰক্ষণে এক লিবলিল ভিল ৷ ভুটালভাববশক্তঃ ব্যাধ ভাচপত্তি এক : এয় ক্ল নিকেপ করিল। **দৈবজা**ম নেই ৰুৱ ও ছিৱ বিৰণ্ডান্তলি, সংই বিৰোপৰি পতিত হটগ। ভাত্যে সংপূর্ণ শ্রেরজনারে ব্যবিষ্ণা নিশার ক্রা। প্রভাত হইলে ব্যাধ विषयुक्त स्टेट्ड व्यवस्था कृतिया निक्रिक्टी প্রসাম্প মুখ্য হরিছে লাখিল। এবিকে ভাষার পদী গনোববী, স্মলব্যক্তি অভিবাহিত ৰ্টন, ভৰাগৈ পদি স্তৱে আমিল না, দেশিয়া উৎকর্মার বিনহাজি উপ্রাথিনী থাকিয়া ক্রাণেট পড়ির ছক্ত কিছু ছার বাইকা জাহার অংক্ষেপ্র বর্ণিনিত হটক। সে হাইতে

হে, ভাষার পাতি কাপ্যক বহু মংক্র কইয়া তগভিগ্ৰে আগমন কবিভেলে ৷ পাছি ২০১৪ নিবট উপস্থিত কুটলে লে নাগল, "পাৰ্থি উৎষ্ঠান ব্যন্ত দিন উপ্রামিনী আইমা তোলার মন্ত এই অর আনিহাতি। এন, তথা কবিখা ভক্ষৰ কবি।" এই বলিখা উভাগে খান কৰিছে গেল। ইভাৰনত্তে একটা কুকুছ আহিয়া সেই বাজত আন সমত বাইয়াই ফেলিক। ভেক্তানে ব্যাধপত্নী কুপিড়া হটরা সেই কুলাবকৈ মান্তিতে গোল : কিন্তু অভ্যান্তৰ্থ সাবে শিবার্জনা করিয়া ব্যাধ দিবারুক नार्देशक्तिः, त्मरेवस त्म भवीत्व वित्तन कवित्रा বলিল--"কুতুরতে মারিও নাঃ কুতুর আছে ধাইসাছে, বেশ করিবাতে : আম্বাং দ্বত মুট পাট্টা পরিব, মনে কবিছেছ ? জীবন ছ हित्रकृष्ट्री नय । असे नयद द्वरद्ध अस मुद्रवर्ष কি মা কবিষা বাকে ৷ ভাই বলি, প্ৰিচে গ যান, অভিযান, জেশ্ব পরিস্তাপ বরিয়া বিলেকভাৰে আছে হন্ত এবং কেলুবোটাৰ উদ্ধান ष्ट्रिय करेंबा भागा" को दल उन्हारसाइमा করিতে করিতে ভালায়া সমগ্র দিবস কটোইকু 🕻 প্রদিন অমাবভার বিতীয় প্রচর অতীত চটকে শিবপ্রেরিভ একগণ ভারাদের স্থীপে অল্ডেন্ কবিং।, শিবচত্ৰ্বশী রাজিন্তে, স্বস্তু নির্মা উপধানী থাকিয়া, যায়ে যে অঞ্চাতসাহে প্রস্ত 🕯 বিষপতে শিবপুষা কচিয়ানিল এবং ভালুক পত্ৰী তে পতিচিয়াৰ জ বিচ্ছ উপৰান কৰিছা-चित्र, काराव कनश्यम पुरेकारश्रद्ध विद्यार कड़ोरीर प्रमारीरवर्षे शिवरसार**क महे**र। दशक

এই শিব্চকুৰ্ম্মী ভিৰি মধ্যমেকের অভি-

Str. fale : arneth umbegen

[া] সভন্ত থা জনজন মানের উল্লেখ আছে। জনতে ভারতে কর্মনাম্পান ভাৰত ভূমনী ও অক্সুলাবেক নাম্ভানীত ভূহত কুমিলী ভিন্ন চিলি নরে। সভ্রতঃ নাম্ভানীত ভূহত কুমিলী ভিন্ন চিলি নরে। সভ্রতঃ নাম্ভানীত বিবাহে প্রস্থিত হৈ জানুন হল আহে, নাম্ভানীত বিবাহে প্রস্থান কর্মনাম্ভানী বিবাহিনার, নাম্ভানীত বিবাহিনা বাসাস কর্মনার, হল্পানীকনার, বিবাহিনা প্রস্থান সংস্কৃতিক। বহু ভালা ভাল্যান

च्हारक त्व. शत्ररमधी दावा वयन करे कपर-शृहे ক্ষ্যেন, তথৰ ব্যশি-নম্বিত কাৰ্চক্ৰও উংগছ **इटेशांकिन । वानित मध्यता काम्म : अक**् মপ্রবিধ্বভিসংখ্যক। এই ত্রাবি-নথকের মাহায়ে কাশচক্রাছিত কলে অবলীলাক্রমে এট कार-एडि करदमा कामहे अहे चारचलप সময় ভূবনের ক্টি-ছিভি ও বিনাশক্র।। শোক-সকল এই কাহেবই আছড়ীভূত। এই ফপতে কাৰ্ট একদাত্ৰ বলবান এবং সমন্তই কালাক্ষত। প্ৰথমে কাল মৰ্ভ্যান ছিলেন। ভাষার পর লোক-স্কলের উৎগাঁর হয় এবং ভারনায় ক্ষী প্রথমি ঘটে। ক্ষীয় পর क्यम: नर, कन, मिथिर, भन, चारशताल, भक, মান ও বংগরের উৎপত্তি ঘটিয়াতে : প্রতিপৎ क्ट्रेंटफ क्या रका भवाब विन्ही दिखडे भवा-কলেক্সা। ইতালের মধ্যে আবার বিশেষদ খাছে। পুৰিমাজিপ দেবভানিগেব প্রিয়। অধাবত। পিতৃগণের বিষয়, প্রথমী পুড়ার ভিয়া, **उन्ने धार्यपत शिका. भवकी माध्यास्त्र** शिया, वती कार्किटकदवत शिवा, मश्रमी करवीब किया, नवसी दुनीय जिला, मनभी उन्हास बिया, अकारने करवार शिया, बावने विकास खिया, ब्रासायने शत्यत्र खिता धावर हकु**र्व**ने শিবের প্রিয়া।

ক্ষপুরাণে আবও উক্ত আছে বে, এই শিবরাজির দিনে শিবলাগ্রের আলোচনা ক্ষিয়ার চঞালপুর তুর্ব্য তুংস্চ প্রকার বিচিত্রবীরায়ণে তাকতুণে ক্ষর্থাচ্প ক্রিয়ারিক এবং বিচিত্রবীর্যারণে শিবরাজির উপবাস-ভারতী শিবসামৃত্যা মৃত্যি কাল সহিবাছিল। ভরতালি বিখ্যাত নুগগণ শিবরাজির দলেই শিহিলাত করেন। এই প্রতের ফলেই ম্যোভার মহুমারি ও হয়িকজাবি-নরপ্রতিরণ বিভিন্নত করিমাজিলেন। এই সম্বত্ত আলোচনা করিলে বেখা বার যে, শিবচভূষণীরাক্ত অভিপ্রতিশিক্ত ভাল ইউভেই লারভবর্ষে বাচলিত করিছাতে।

উপসংহারে ব্যাপের কথা ভূলিয়া এই কথাটা বলি বে, যোও লাপলবায়ণ অন্তালকাতীয় নিয়াৰ সম্পূৰ্ব অঞ্চাতসাহত হৈ হহাবেবের অভি-প্রির পূজোপনার আদানপূর্বাক জীয়ার সংস্থাম উৎপাদন করিয়া ছুল্ড লিবল্যেক লাপ্ত' रदेशांकित । देश काराव अस्टिंग कन क्षेट्रफ পাবে। কিছু বে ইবর এইরপ আভিগ্রহ-নিৰ্বিশেষে কক্ষণা কৰিছা থাকেন, আঞ্চৰত্তীন भूषाटक्ष विकेत मुख्ये, जानवा तकन निर्देशक অনেগৰ্ম ও কাছাংগাবের চন্ধা বাধাইনা, बाक्षांक्रश्रद्धव व्यक्त कृतिका विक विक মহিমার হোষণার কর পরক্ষার ধর্মকারত মার থাকিয়া, সেই ঈশবংক এক দুৰে বাতিয়া হলত কৰিয়া কেলি ৷ বাহাবৰ দীৰ আৰৱা মানাচকে পড়িয়া বুল পথ মাবাইয়া বিষয় থাকি। উপরক্ষে দূরে রাধিরা আম্বরা আল্লয় निविधित प्रोहराष्ट्रिक प्रत्य कति । विव-হাতির কথা আমালিগকে তৈতের প্রদান 中央等工

জীভবভৃতি বিশার্থ।

গানের শ্বরলিপি।

केंद्रवादा विका--- कामदा ! •

(আমি) মন মজাতে শ্বিতা রব জান্তে দেব না,

ভালং গেকে বাস্ব ভাল ভূতি ধেব না।

বুর্ব জোমার কাছে কাছে (গুণো) বল্বে ভূমি কোপার আছে, ধরা ধরি করতে পেলে

थर्दा (पद ना ।

দূরে দূরে ঝাজিতে বাঁশী ভোমার প্রাণে ছোঁবে আসি, 'লাসি আসি' বলুব শুধু,

কাছে যবি না ৷

বুকের কাতে টেনে নোধ, প্রাণে প্রাণে মিশিয়ে দোব, চুমুডে স্বরিলে দেব,

চুযুখাৰ না— লুকিংৰ খেলা খেলাৰ আমি— খেলার ভুকাৰ না ঃ

441--- t--

প্রবাধ স্ববলিপি—**নীমতী মোরিনী** সেমগুরা।

> [कान्त] । H শ নানা সালনা হা I বাপা পা। साना का I • পাণি ম নম লা যে লুকি হোর ব

ें । इ.का बना बना। ना ना ना ने हैं वह न्या व्या द को व

এই পানটি "নামাহণ"এর প্র ১৩২০ সংকর মাধ-সংখ্যা হইছে সৃষ্টিত ৷ বেশু -

```
Section 1
                     भारतद चहाँकींच ।
 I नामा मा! या मा भा I भा भा -11
                                       था था सः ।
   के का ६ रन रक वा गुरु ।
                                       등] 등
 I 에 - 이 에 : 이 이 이 이 기
   63
      · (9
              조 귀 +
                          5
             मा मा था 1 शा भा नार शा भएना ना 1
 [ या या या ।
      明 4
             रथ रक दह
                          श्य + ऋा व्य∗
  5
 1 का न का
             भी भी सो I मानानुः। यात्रशाका ।
                           • পাদি যুন্দ কা
     * EW
  হৈ
              व ना
 5"
I का शा शा। या या का I
                         का बना बना। नामा- मी
 इस
      मु कि रह
                게 기
                          का नरक •रक व ना चानि "चानि"
II of - of of
              शा भा - भा 1 भा भा बाबा
                                       41 -1 -1 E
(:) A
         ্ব
              F 1923
                    育
                           本: [夏 *辛!
      3
                                       (1739) + 35
        Y
(4) R
      183
              বের বা
                    far
                           44
                              বা
                                 9.6
                    रहे
                           त्न स्था 👀
                                        ŧ
(a) 4
      हक व
              事1 【集
 5"
     प्रशास्त्र का का ना I
                           পা রগা খা।
F 91
                                        मा न न I
               ভূমি খো
                            41
                               4 B 84
(5) व
      ०स दन्
                                        EUF.
(২)ভো
               ला ल सी
                            3 44
                                   100
                                        (A
      •মা ব•
               ংগ গৈ পি
(P) df!
                            इच
                                  197
      +(4 ±11-
                           5"
ा मा ना ना।
             भान मा ह
                           -ধা ধা ধা।
                                      PIT
              विष ।
                                 PJ.
(b) R 31
                   平
                           虱
                              ভ
                                       (4)
(২) আ: বি আ
              图 *
                  ৰ
                           쩅
                              ব
                                 늏
                                       벁
              ভ - বি
                           95 + 35
(a) E d (a)
```

The same of	100 2 3 1 1 1	and the state of t	
092	राभारत	দিনী শক্তিক।	[५५च क-३३ जोगे।
8		5'	
स्याना वस	शो न श	मा -1 -11	ফা বা পাণ্ I
(S) H + 31	ER + R	뭐! - +	* * ** .
(t) ⊕1 → CE	वर्ष + व	ৰা + +	4 42
(a) E • H	भा रेप	程 + +	
5		5'	
ाशासना हो।	রা পা -পা	ी वा का छा।	জা রুগা বণা I
सू -कि इव	रथ भा रव	কুৰ আল	লি -চে কা-
		5	
5 mm mm max (-		সাসসাহা I
] ना ना ना	मान्।	<u>।</u> -: নানা। • খামি	म अम मा
ब पू न्	1 1	4 41 14	7 77 71
37		5"	,
I वा भा भा।	मा मा सन	। का दमा देश	া সাম: -1 II
টেগ বু কি	ER W W	ভা ন্তে ∙ লে	ৰ না আদি "আৰি"
manifestar dans .			
पाचारेदाव कंचा			
5		5"	
है जिल्ला है।	ना ना ना] या शा धा	
क्षा दाव पाक ।	লে যাৰ বাকু।		
म स धन् कार्	খা ভিন্তাক্।	ধা ধিনু ভাক	গ পাডিন্ডাঞ্চ

মুদ্ধ উপলক্ষে নারীর কর্মাকেরের প্রসার।

পুথিবীবাংশী মহাসমনের লোভে পঞ্চিত্রা তথা-कांत्र अधिकारक शूक्षव गृथ विश्वा उश्मागृक्ष कार्यः नियुक्त बाजाय, पुरवादनम नाजीवन মিলিড টেডা পুৰুষ্টিমের অনেক কারা ত্তাক্ষণে নিয়াত্ কবিভেন্নে। নারীশাণ ন্দ্ৰে স্থিতি আধন করিয়া কিবল ভাবে শিক্ষা গাইলে খেলেছ ও মার্ছাপ্রের

दर्कमान नवतः प्रतारम धरे कनका पत्रम वह, लाहाह बाक्या कविरखाह्य।-বিলাতে এই কাৰ্য জ্বলার কবিষার অভিstitu Land Council of National Political League नाइय नाडीनविधि वाशिक-इडेशास्त्र ।

> ক্ৰিকাৰ্য্যে নাৰীপজি-নিয়োগ কৰিবাৰ मानता कुमानी माणीरतहे काकु कान म, बाम, ब क क्रमधी जनशहें यक्षा, यक क्षीवनविक्रि

শাপন করিখাছেন : ইকারা বিরপে বেশের শালাদি ক্রমণনুহর উৎপত্তি, বৃধি ও উপতে ইউনে, দে-বিলাল চেটা করিতেছেন তবং বিভিন্ন কার্যালাত ও ক্রিকেরে ব্যানিবিগতে পাঠাবীলা শিকামানের ব্যবসা ক্রিডেছেন।

এই মারী সমিতত পৃথিত সরকারী কবি-বিভালের (Board of Agriculture) ও নেশের সম্পত্ন কৃতি-বিদ্যালয়ের ও কৃতিসমিতিত অভান্ত সভান্তকৃতি আছে। পুরপ্রানিত পশ্চি-বাস্কৃতির পালনের বায় সমিতি একটা কার্থানে। (Poultry isrue) নিশাপ করিয়াছেন। এই কার্যধানায় রম্প্রীনিপ্রতে ঐ বিষয় শিক্ষা

মণক্ষেত্ৰ সহল সংল নামী আহত

বৈশিক্ষিণিয়ের সেবার আজ্বসমর্থন করিয়াছের।

থে-ছানে অনিহাত গোলাগুলি হবিত চটাতেতে

নে-ছানে হংগীগল নিজনৈ বিচয়ন করিছা

দৈনিক্ষিণ্ডের আন্যান্ডের অব্যান্ড্রাই দেন। ও

চিকিৎসার কার এইন করিচেইছেন : সাক্ষ্
পাতারণ জীচনকারদণ আহুত্তিকের চিকিৎ-শার নিমেজিত কইচাছেন : ব্যধ্যের চিকিৎ-শার নিমেজিত কইচাছেন : ব্যধ্যের চিকিৎ-শার নিমেজিত কইচাছেন : ব্যধ্যের করের সিয়া-ভাবের কার্যা প্রথমিত করের সিয়া-আপ্রার ক্রিডেলেন : পুলিন্সিভার্যে নারী, বেল বিভাগে নারী, ক্রক্ষ্রপানার নারী, নারীয়ার সমুদ্ধ ক্রেটার এখন অভিকারী একং উপ্রক্ত ক্রিয়া গার্ডা (সংস্কৃত্তিক).

श्रीपड़ो---

ক্ৰীৰ কন্ত বা।

(প্রৱানাশিক্তর ধর)

ো ও মহিব :

পাতী শাসন কৰিতে চইবে উন্ধন্ধতীয়া বাতী পাসন কৰাই উচিত। সভুবা হুছ আৰু হুইয়া থাকে। কুছোনন্দন্ধান দেখা বিবাহে হৈ, উভয়নভাতীয়া গাড়ী নিহনাতীয় মুলনের সংস্পর্যে আছিল সভাত স্থাতি নাড়ার ভারত স্থাতি নাড়ার ভারত স্থাতি নাড়ার ভারত উল্লেখ্য নাড় উল্লেখ্য নাড় অভ্যাহ স্থাতি উল্লেখ্যনি

ভারতের সংখ্য স্থান্ধ হিসাব, হালি নগন এবং সাম্ভিত্তরাল (পঞ্চার) গাতী প্রতি উত্তর-জাতীয় বলিছা প্রিচিত্ত। তাহারা সভার কুম্বেকী। সাধিক্রান্ত-নামক ভানের গাতী- ভূলি প্রথম প্রথম হান্দিহিন্তের স্থানীর ভূপা মুখ কের বাট, কিছ ভারানিগের সোম এই যে, ভারানিগের মুখ্য নীজই শুরু হটায় যার। প্রভাবের অন্টোলোমারী কেলানিও সান্ধি-ভ্যান-নামক স্থান হটাছে সাজী কর করাই উচ্চিত। করেব, ক্রানে গ্রেটার উম্কর্মন্য করিবার আক্ষাস করেব।

প্রীকার ব'বা দেশ বিবাহে হে, বাজি-হিলাবের গাড়ী প্রভাব ২ করতে ৩ প্রাক্তর কিলাব ২০ দের ৭ হনীক এইছে ২৩ দের ২০ চট্টাক / এবং সম্বেবিন্যালের স্থাতী ২ ংইক্তে তিন গ্যালন (ক্ষমিং / পুনর ব্যক্তে ২৫ দেব / প্রার হ্য দেব। উক্স গাড়ীর মুল্য ৫০, ক্ষমিত ২২০, টাকাং ধাৰে। হালি হিনাগের গানী বলি কবেলপুরে
বাখা যায়, তথে জাইটে ছাও কম চইবে , কিন্তু
বলি নিলীতে বাখা বহু, তবে জাইটে ছাঙাৰ
ক্ষিতিত বাখা বহু, তবে জাইটে ছাঙাৰ
ক্ষিতিত বাখা বহু, তবে জাইটে ছাঙাৰ
ক্ষিতিত বাখা কছু পরিছা ভাইছেল
ক্ষিতিবে বকুনা জন্ত পরিছা ভাইছিলকে
ক্ষাত দেশে রাগিন। ভালাখার কবেবে বিহা
করান উচিত। সমতল প্রতেশ হুইতে যদি
শাব্যতা প্রকেশে প্রতী প্রইন্ধা নাওয়া হুম, তবে
ভাইটে ছ্না কমিনা হান্ধ, কিন্তু ক্ষিত্র ভাইছেক
বীতিমত ক্ষেট্র ক্ষেত্র। হুলা, তবে ভাইটেক
ছুলা আচক হুট্রা থাকে।

মহিবের মন্যে মৃত্র-জাতীয় মহিবই
উত্তয়। ইংগদিগতে হংলিহিলার, রোহতক,
বীত এবং নাজা হইছে পাওলা হয়। এখানবার মহিবকলি উত্তম হয় বজিলা কলিকাতা,
বারে, কোনেটা এবং পেশোনার হইতে লোক
ইংগদিগকে জয় করিতে আলে। মৃত্রা
মহিনের শৃক্ত লাভাত্ত ২০ হইতে ২৬
কোলাই পর্বাল প্রতাহে ব্যালাই স্ক্রাল
কালাই প্রাল ব্যালাই ১০ হইতে ২৬
কোলাই প্রাল ব্যালাই স্ক্রাল কালাই হয় দেবা ন

श्रवाडमहर्ता बीलमानियाम अवः देवनाशं बार्य परिच-विक्रवार्थ अविदि द्रामा एवः छ्याः करेट्डिट ल्यादक महित्र क्रव करद्र । श्रीस्परी-बारमद महित्र केरुम वरते, क्रिक्क कृष्टिक निवस्न कार्मिर्याय केरुमकाश देवशकाश परिवारकः द्रदाकत्व, विक्री अवर शिमात द्रामानी स्पृत्तः परच्यतः महित्र भिद्रा शांद्रकः । श्रवारकेत्र परिच्छ केरुम बांचवा श्रवित्रशिकः।

আৰ্হাভঃ থেমন গাভীর ছবের উপর

আদিপতা করে, মহিষের উপরও **অভ্র**ক্ কবিলাধাকে। মূর্গ মহিষের **মন্ত প্রচুর** লগ ও উত্তয় চরাই আবস্তান।

খণি ভূথবতী গাড়ী বা মাংবী করু করিছে হম, তাৰে কেচ যেন প্ৰশাৰ জিল্পে দৃষ্টি না मदस्मा अ-विषय कार्यमा कांद्रक, शहर छाडाएँ ক্ষা কোপ ক্ষিতে হুইবে। মনেক সোক নতার দিকে দৃষ্টি ব্রাভিয়া নিজুইজাতীয়া লো বর্ণ भहिनी क्रम करना देश राहा मिला सम् कुछरडी वाक्षी वीम जिल्लाका देश करव মহাৰ্যতা ভাষাৰ সময়ক অভিভাৱ কয় ৷ এখট গাড়ী প্রভাঙ ২৮ খোলাই (২৫দের) ভূম লেহা খদি অভিযোগটের (১ দেয় इंडे(क) मुला उदे च्याना श्राप्त थान, उदय स्म প্ৰত্যিক আগ্নেই টাকার ভ্ৰন্ত হিল্লা খাল্কে , আর ভাহার পালনে খদি প্রভাহ এক টাকা বহচ হয়, ভাষে প্রভাক পভাবেশ সেড় টাকা, অর্থার মানে ৪৫, টাকা পড়ে। এইবাপে চারিয়ালে ME मसारन : b . हेरकात श्रेकार : युख्यार, এৰণ হলে পাতীৰ মুলা ২০০১ টাকা দিছে ইডখতঃ করা উচিত্র নংখঃ কিন্তু কেছ খলি শ্বনার প্রতি দৃটি রাবিয়া সন্তার গাভী ক্রম भरत, उरव खाशांव कि एक श्रेट्स खाशान्त বিবৃত্ত ক্ষিত্তেছি । একব্যক্তি ও বের ভূমনাত্রী একটা গান্ডীর প্রতি ৪৮২ টাক্ ধর্ম ধবিল। ভাগার হুরের মূল্য প্রভাগ আট আনা হয় ৷ এই আই আনা তালার পালনেই नानिवा घाँदेव ; कुछवाः नाह किन्द्र वाकित्व ना । बदर ८५ डीका विशे शाकीकी ज्ञान करिया-ছিল ভাষা উটিন মা বলিয়া লে টাৰাটা क कि श्रेष .

शाली सहे पूरी क्रेंटनरे त्य इंडरती क्रेंटक

ভাষা নতে। সাজীর অনও মুছ বিষয়ে অমান্ত । সভান নিধাৰ অনাভিপুত্তি বা পৰে ধৰি গাভীত অন সুস্বাকাৰ হয়, তথাপি ভালাকে হয়বভী বিষয়া বিবেচনা কৰিও নান বিভাগৰ হয় অভীত হইলে, গাভী হুয়-মুছী কি না, ভাগৰ নিৰ্দ্য গ্ৰহীতে প্ৰৱেশ।

কাণ্ডীৰ অন বৃহদাকার হওয়া চাই , কিছু
সক্ষে নাজিত বিকে ভাব অধিক হওৱা
উচিত : পক্ষাথ কইছে দেখিলো বোধ হঠবে ৰে গান্ধী অভয়েষকতী, কিছু সন্মুখন দিকে দেখিলো গোৰ চঠবে যে অন্তী একটা থলিত মত ও গুছপূৰ্ণ। ইহাই উত্তম সাজীর নিধানি।

গ্রাটেম চারিটি ভাটের क्षा भन्न महिन्छ अकृति महिन्दे बख्या छेडिछ नहर , क्रमण्डल कार्रेडी हालिया अवस्था श्रवस টাভড, তল্পধ্য কোন ক্ষিন পদাৰ্থ বা পটে आहरू कि मा । श्रीम गीति आहरू, प्रदेव दश প্রাম্বী ক্রের করা কথনও ইতিত নতে। কারণ, শরবর্ত্তা প্রসংক হয়ত, জাগার ভূমনিংশবর কর হুইছা বাইবে: বাটে খোড়া বা ভাছাত ल्हेशित्म वेश्वडेच घटमा कात्रिया वा शीहे बद्धा। कालिट्स (प्रविद्ध द्यान शहेदन दय, नेरांके दकाय दमाय नहीं , किन्ह वीति है। शिक्तिर (लोशनि पहा প্ৰভিবে। অন্ধ ৰাই অৱাত বাই আপেন্দা কীৰ্ব क कक रहेश बादक। जाकी दक्षि बावक শহিত ক্রম করা হয়, তথে চারিটা বাই থেকেন ক্ষিয়া স্টকে। দেল্টার বাঁটে হুও স্থানধারে चित्रं रहेटर , किन कार्श माध्युक वर्टेटन, us बिरु कारेश वाहित सरेश चार क.

থাতী কড ধুর দিবে, ভাহা হুও দিবার ক্লানেই নিশ্রভাইতে দাবে। গাতীকে এক ধিন লোহন কার্মা কাষ্ট্রত সুয়ের দামা বিশ্ন কবিও না, কিন্তু জিন মারি দিন শোংন কবিয়া কুন্তু নিক্ষর করিবে। একবার সোহন কবিয়া কুন্তু নিক্ষর করিবের কক্ষ ২৪ ঘটা না ভূতিয়া রাখিয়া পেন, অখন। অভানিকপে ১৯-৫বি করিবার কন্তু গাড়ীকে ফেন বাভর্যা। এপ্রচন্ত্রী বহুই গাড়ীই ওলের মারার প্রস্তুট্ট প্রিন্তাহক। শহনক বিচক্ষর যারার প্রান্ত্রী প্রত্যাহক।

গভীব ভয় নিৰ্দি কৰিবাত যে নিবল, মহিবেরও ডাংটো তবে কভক্টা পাৰকা আছে। স্থিতিত ছাও কেবল্যাত অব্যাত প্রাস্তির করু বাবছত্ত হয় , মুক্তরাশ্ স্কুত্ উত্তৰতা পাৰভাগ। ছেপীয় লোকমাত্ৰই SOR PERS WEIGH FOR I WORK AND পাৰ্থকা ভাগাৰা সহব্ৰাই **ৰা**নিজে প্ৰতিত মুলিয়ারে ক্রিক্স কুল্ল বিবে, ভাই। ১৯৮৯ জাল্য ৰবাৰ পৰই জানিতে পায়া হাধ্য জিন সম্ভাচ शहर प्रथम भवित पूर्वभाषात स्वय विदा शहरू व्हेरा (पड़े जोदध बाहिएक भाष, अबबड़े हुस নিত্রপ্রের প্রকাজ কময়। মহিত্রত ভয়-লিতা धालीत ७६-मिला वालका तुरु । हेश विक অধিয়া বাহিলা ভাষে প্রবেশ করে, ভবে ভালা অধিক ভ্ৰেৰ প্ৰিচাধক। ম্কিবেয় অন্ত বটে গাতীৰ অন্ত বটে অংশকা রংখ। এহিবের পশ্চাক্তের ভূইনী ইটি শৃত্ লের ভূইটা বাট অপেকা কর। এতিব ক্রেছ ক্রিটেড চট্টলে সম্ভান প্রথম করার পরাই ক্রম ৰৱা বৃদ্ধিবাদের কাল।

विमकी सम्बद्धानी सबी।

আসরা কেমন করে বেঁড়ে থাকি !

(প্ৰৱন্ধাণিডেব পৰ)

নিশ্বকভান

পূৰ্ব্যের আলোধ ব্যক্তীত বেনুন প্রকার सीय वा देशिय देश्वर ना वर्ते, विश्व अकश्चरत উদ্দি আছে যাহা পুৰ্যাভাগ ও আলোকে प्रविधा शाव : बाहे भगार्थ चाउनुप्र अवः वाष्ट्र সংক্র মিশিয়া থাকে। কৌজ এ সমগ্র নট করে। আম্বা দেখিতে পাই, কোন খাৰ্ট্যা এক স্থানে ফেলিয়া ব্লাখিলে, ভাষ উপৰ সাধা দালা काका भरता कहें कालाई के कब बेहिए। খবেও নানাপ্রকার প্রবেশ ছাত্র পঞ্ছে ৷ কভিচ दालाजवा वहें करता दाला व्यस्त तकस्वत शांक : बाल सम्मरण्य प्रशाहे छ।'त वरण-मुख् दर । शकाय बीक घरतत मृतात मरन मिरन श्रात: विश्वन! अवर कार्यक टांगरक नाटण। अधिकित दव बांगेहित चार बहेटर, कारफ स বিভাষা ছৌত্তে দেবে এবা খাল্যৱখা-সকল कास करव हार्किश वास्तित ।

কার্ডা বাডীত আর মনেক প্রকার মনিরীকর বীক হাডালে থাকে। ধেওকি মাধ্য ইড্যালি নানাপ্রকাপ গাল্য নট করে। বসস্তু, বান, ওলাউনি প্রভৃতি নানাপ্রকার সংক্রামক বোলার বীক্ষণ আমাদের শনীরে ও পুরু প্রবেশ করে। এই সমন্ত বিপদ্ সুইডে নিজে নিজেপের রক্ষা করিবার চেটা করিবে। সক্ষা প্রকারে পরিকার থাতিকে, বলারীতি ধার্দেবন করিবে, রপেট পরিমাণে প্রিকার ও প্রথক বাদ্য থাইতে এবং ক্যানিগ্রেম পরিন্তান করিকো বে পাল্য কার্ড হয়, সেট পাছাই আমাদের কর্মকাক। প্রকৃত হয় বান্ধির হন্ত সক্ষা থানানী ও কৌশন কে বুরিয়ে পারে।
কিন্তু জিনি আমানের একটা বুনি ও বঞ্জি
বিশ্বক্রেন, ষভারা উচ্চার নিহম বুরিয়ে। চনিক্রে
আমার কর, সুষর ও কুলী আকিয়া দীর্ঘনীকর
ভোগ করিতে পারি এবং মহপের সবহ বিনা
করে মরিকে পারি। কিন্তু ভানা করিয়া
আলমা, লোভ এবং রিপুর্ণের দাস ক্রিয়া
বাকিয়া ক্পানের বিধাতার বা অভ্যানের দোহ
বিরা বুক চাপ্র্যার ক্ষেক্ত কাপুর্ণভ্যানা।

मनत्त्र मरणारे बामारतः कीवम । माना-হোগৰীৰ অংশিশ শ্ৰুম শ্ৰামে চলিতেতে। এক্দিলে দেখিতে গেলে আক্রতি भाषात्मर विस्तारी। उत्था, अङ्, दुवे, श्रद्धा, বিছান, ভূমিকম্প, স্বায়ের বিদ্বিত মহিনটালীকা नमृत्यम जेवहान, नक्त्रे बामहायन स्ट्रम कविरक निश्च केरमानी। बाद शस्त्रीय মীচপ্রকৃতি আমারের মহাপক্ষ। ভিন্ন: cup. ছণা, লেভে, নামাপ্রকার নীচ প্রবৃত্তির বশবর্তী ত্ট্যা মাছৰ প্ৰস্পৱের কি অনিইই না কৰে চ अरे नपण विश्वािभागतम सम दवारे आवास বরবাদ : বিধাত। মাত্রখে এ দক্তি বিরাজের । सम्बद्धित महस्य काशाद्यक महत्ता अकृषि अविक বৰ্জনীয় মৃঢ় মধলপক্তি চলিচেছে ; গেই পঞ্জি বিশাভার ইন্ধা (Divine Will) ৷ সেই শক্তি আড হও, ভারবৈ অখুণরণ কর, কেই ইচ্ছার मृदक् व्यापनाच देवता विमानेदा पान, त्वित्य कृषि कृष्णेय अध-मताम व्हेश कृष्य थाक्रिय ও শব্দ প্রকৃতি ভোষার শেষা করিবে। "লামার পিতার রাজ্য ও বিশ্ববংশার বৰা বাই তথা পাই লেখা-উপচার দ

मीमा ।

তিকু-পাথে দিখিত আছে বে, কলিও (ষ্ট্ৰান সক্ষ) ছীৰের অৱগত্ত প্ৰাণ ; কথাট भव मधा ।

बाना भाषात्मत्र महीत्वत्र बानावि कारे । चलका, धरे कारे वालीत सामाहत देशहक শ্বহি কিবলে প্ৰজা প্ৰথম গুণাৰ অনুবাই সা কেমন করিলা বাঁচিত ?

भाग-ध्यापन बाजिश्य महोदवन मध्या কি কয়, ভাহাই একটু **ৰলি। আ**ঞ্চালের व्यापय काम कर्माण । यानाक्षणाटक दिवाहिया अवः मान्ति मध्य विभावेश हेत्या प्रश्नात यखन कविष्ण गरेरण करा। (यह अंत्रा उदा (stomach) जैन्द्रक अ। शृक्षाल्य वात , भारभन्न (Bowel) चंद्र (Intestine) ना ভূতিতে যাব। এই ছুট ছালে বিহা নাম।-প্ৰকাৰ ৰূপের সহিত মিপ্ৰিড হইয়া বাদান্তব্যেত श्रतिशहक हव । उद्ये ८५१४ ८१४, श्रह्मारहरू শাল্য ভিনবাৰ কাষা হয় : এবংবাৰ কাহিছে, व्यात प्रवर्गाय केन्द्र । यहेन्न वदन प्रदेश बारकार साम्राध्य बामारण्य (Blood Vessel) बटल्ड बनी ह बंधा वर । कार्याद अमहा इंदेव। बाहित क्टेर दाव। धामः बरक पत्रिश्क कर धरा आहर, माध्यरमधी (muscles), शंक, हाँका, चन, व चनात्र स्त्र প্রায়াত করে : এখন (এবে গ্রেখ, অনুসভ্রনাত্র বলা কর বড়া 1

অংশহা খদি এক দিনবাস উপবংশ কৰি, करन व्याप्तास्त्र रमाहर करन शक्त करन याद । wine, muggenit meite minites Gefor করি ভাষেধ্যের ক্যা ক্র কংগ বৃদ্ধীয়া

কোল। উপথান কৰিলে চকু ও হাজুলা কো জাল্য করে, ভাছার কায়ণ—ঐতপ্রহর । দীর্জ উপৰালে মাতৃৰ মহিলা যাত। বিষ্টিভারতে युवांपरिकारन शाहेरण व्यावका अप व स्वता বাক্তিত পার।

किंद्रभ भागा शाही के इध् खाद्य १५० व्यक्त विका शहर विकार के, रामा वातार हात. वात, वाक इंडानि भक्तरे करता कुरुत्रा बानास्था व्यक्त व्यक्षिकीय উপদৌৰ পাৰ। চাই। কচবাম্য বিধানা আমালের বত বিপুল पार्यायम विशिध्यक्त । समय कार, हिन्दि । की बक्षत्र महीना चामांत्र व वाहाहवा अव ह districts !

্ৰত্য প্ৰকাশ উপাদান একট প্ৰভাৱ সংখ্য প্রথম্ভা হাছ না। শেছন্ত প্রয়োগের বিধিদ-अन्तरं वर्गमा बाहेटल हर । विश्व हुई धकाव थाना आह्य गाना उ मनक देलकथन अ, तथा যাহ : -- ভুছ ও পদীব ভিগ : ভুছ বক্ষ ভটাতে कृत्या कारी इत्तर कारण केलक वर्गी केंगा छ আছে ৷ মার তহ মান্তাবত ও নানা-জানীর প্র-প্রবাধন রাখন বাধ্য--বিশ্ব বাধ্য — ব্যৱহা আভিজ্ঞাল : ৬০০ চা চইছে সাধেই কল জৈমানি হয় ; পারে পদার ভাগ । ১০ ভাগ মত, পার বাদি করেব ভাগ मातः पुर्व अक्ट्रे स्थल बिहार १६ वस् দুট মুদ্ধিল আৰম সাহিত হয়। স্থিন উসাইধা महित्य काता थारत, जावकी द्रशासा । असीद्रवय । नरक ट्यान तक छेनकादो । हेहात बाता करमक दशक्षको स सदै कड़ । इत्थान नहे भदलका आदि । (महेक्फ (प्रदे-क्रिक्ट्राक्ट्राक हेर्न क्रिक्न नवार. बहुबाद पुर काम शिए दिएक छाहाटक अल्ली ছোল *ব*া নট দিলে ক্ষমেকটা ভানে; কুইবা উপাত্র ভালে : জাৰ ভঙ্গান খনেষ্টা কলের

ব্জন হৈ জিনিব থাকে, দা'ব নাম Whey
বা ভানাৰ ৰাজ। ছানাৰ সঞ্জে কতকটা
বাখন বিশে বাব, ভাব কতকটা মাধন
ভানাৰ কৰের সঙ্গে খোকে বায়। ছানার
ভানে ভারত ভানেক প্লার্থ থাকে। ছাল বিশে
ইগা হইছে চিনি বাহিব বয়। কেবল ভারাই

নত। পুৰ কাল বিধে ধল্ঞাগ উড়াইবা বিধে একপ্ৰণাধ বাদা সাধা গুড়া পাওৱা যায়। ভোহা হাট বা একপ্ৰকাৰ লবৰ। এখন কানা গোল, ছবে এই কবেকটা ক্ৰয়া গুড়ো বাহ চ—ব্ৰা, জন, চিলি, গুৰুব, প্ৰেছপ্ৰাৰ্থ (fat) এখং হানা। (জনস্পঃ)

विदायस्थाप्त रह ।

ভপস্যা ৷

(भूजंबकानिरहद श्व)

(Nr.)

अब्राक्टन चनीय (अभी दर्शनाः तर्थः ভুটতে ফিরিফেছে, এছণ সমূহর প্রিপারের अकरें। कुछ बाही हदेएक अकरें। प्रशासनी আৰুণ আইন্দ ও কাড্ডুজন্মৰ ভাষাৰ কৰে প্রথেশ করিল। ভাষা ভনিত্রাই ত্থীরের क्षांत्व महन्। त्यान न्यान महार करेंग । त्य প্রকৃত্ত ভাগ নির্বছ-তেতু জাপনার সহিস্কৃত্ত উক্ত বাহীতে পঠোইখা দিল। স্হিন্ আগিরা मध्याव निम, त्यारश्यक्त वयु मायक करेमक *(दन-क्ष*कानोत्र (शरण पुरु। स्टेरास्ट अवर তাহার স্বী ঐইছপ কাদিকেছেন। বারীতে অপত আত্মীয়ত কেহ নাই। এই কৰা ছনিয়া স্থীর তাবিল, গুংসানী মৃত; কার্যোপ-লক্ষে বেশি ধন্ন, পাঁৱবার লইয়া ভিনি এখানে फिरमन। अपन अहे दिस्सम अका दालामीद বেৰে আমৃত ৰাজিকে পট্য। কি কৰিবে । ৰ্ম ভাষাৰ কেনেও উপভাব ভৱিকে পাৰে, এট নোদলে জ্ববীর তারার গাড়ী হইডে নামিয়া বাটার সংগ্র প্রবেশ করিছ। কিছ অগনিচিত প্রথ একখন অগনিচিতঃ
বীলোকের সক্ষে ঘাইবেই বা বিশ্বশে ;
কাবিল চিতিয়া ক্ষীর তীহার সমিস্কে অলগ্ন
মধ্যে সিয়া এই প্রথ বিতে বলিগ বে,
বিশ্বে যা, ভারোরসাকের এক্ষার ক্রেড

সহিন্ ভিতরে দিয়া সংবাদ দিলে সৃহ-বামিনীর দানী আদিয়া শিবে করাঘাত করিয়া ক্ষীরকে বলিল, "নাহেব, আউন ক্যা বেশে লা শোহনী ত বহু দিয়া!"

হুবীর বলিল, "তা সামি গুনিছি। সৃক্ষ-বেহের সংখারের ভোমতা কি কর্ছ ; গুরুবুদ্ধ, ভোমারের বাজীতে সার বেউ নেই! বছি। ভোমারের কোন উপকার হয়, ডাই এসেছি।"

দাসী স্বৰীবের বংকা শুনিমা বাটীর সংখ্যা এই সংবাদ বিশ, এবং অনভিবিদ্যান স্বীবংক সংক্ ক্রিয়া বাটীর মধ্যে কইছা গেল।

স্থান কলে প্রবেশ করিবাই কেবিল, একটা প্রেট্ড ইহানিস্থায় নিমন্ত। সংগারা বক্তির বেশমায়াও ভাষাতে প্রকিত হইচেন।

মাতু সে ভাল নিৰ্মিকার। নিখন নিভাল ক্যোডিহীন কেছখানি আৰু গ্ৰেয়াপুৰি নিলাছ-ভাবে পভিত বহিষ্যাদে। প্ৰীর ভাবিদ, কি देविताह । क्रमभुदर्क प्रकार कर प्राप्ता, प्रक উৎসাহ, কজ পুধবরুমা, কড উদায়, বৃত্যা ছ্নিবার ধ্বমিকা আদিলা মুচুর্ত-হাধা ভাচার নে-সমন্তই পূকামিত কবিবা⁶ কেলে। কি चान्त्रपंत्र निरम्पा स्थीत्यत वृष्टि चनावध्-বেণীকা, শোকে মুক্যানা, অসংব্তরাগা, चनाहाद- । बाविकाश्वत्य-क्रिके, बल्जियहा-विकथा, कुम्हिका, दि:क्स्प्रमाना, खाक्ना-रतीवर्यारणाञ्चिका, बारगीत बारि चानुने बहेश। মুখীর মেখিল খোলেলের পত্নী যোভপ্রতীয়ায় অধিক হটবে না—নে ভক্ৰী : ভাষায় অবস্থা ক্রণ করিবা কথীবের চক্ষে জন আদিক। সে নিকলভাবে ইডোইয়া বৃহত্তি।

चाचीवरकम बक्रमाध्य (क्रव्हे निक्टें মটি। ৰাজিকা যুভ্যামীকে দুইয়া বিপ্ৰসাপৰে পদ্ভিত বুটবারে ৷ বোলাকেই বা বজা করে কেণু স্বামীর সংকারই বা কিন্তবে হয় গ भरमाजानिक कथ देशके आहम शहिरमारक কান্তরা, ভাষার উপর এই স্কল ভূলিয়ার, লে কি করিবে, বিভুট ভিত্ত করিতে পারিধ না | একমাত্র জন্ম ও চিদ্যানী গাসী ভাচার বরার। এইমণ ডিয়াভারে ব্যন্তে শীভিতা, ভখন সকলা অধীয় ভখার উপস্থিত। চ্ছালেন্ত হুধীবৃদ্ধে দেখিছা শোক্ষাক্ষত কৰা ব্যাই চকু মৃতিয়া উঠিয়া প্রিয়া, মক্তরণর কংগড় केंत्रकेश किल । अव्यान्त्रभावत प्रशीपत्र महम-**प्रम वांदरण अम्बीत प्रमानम त्मांत्रा महेन**् **স্থানি ভবন্দিন বিশিত ১**ইল: সামান মনে **্টিডে নারি**ল, বেন এ মূব ভাচার অভি-

পরিচিত । ধেন কমনীকে সে জোপার্ছ কেথিয়েক। ভিত্ত কেথাত কেথিয়াছে, বি-ভুক্তে প্রতিয়াহে, ভালা সে ভালা করিছিট পারিক মান্ত

रांग क्लेक, मध्यक क्लोक्ट्स भाग शमन কবিবা সভার ভাগীর লোগেলচজের সংকারের ৰ্বেশা করিহা দিল, এবং ভাষায় পর কমনীয় बश्च दम विरम्परकारम हिक्किय हरेग । अखारका काहाय वरे कियान केना हरेन, विकास नवाती ৰমণী একাকিনী কাল্যৰ কাছে থাকিছে 🗈 ভালার আভীবনত্ব কে কোথায় আছেল, स्थीत ए खादा किंदुके आंदय मा । किंदय ईसा-বিষ্ণু স্থাত সংভগাঁচ ভাৰিবা ব্যক্তীকে বিভালা কৰিল-"বাদনি আগনাঃ বাদীয় সংখ এবানে ডিলেম। কিন্তু ডিমি জ এবছ নংসারের সকল মুহতা পরিঞ্চাণ করে চলে গিৰেছেন; আপনি একা কিছপে এখানে বাদ কোন্বেম) আপনার আনীয়বদ্ধ কে ्वाथाव भारतम्, बनुय, कारमद मध्याव विदे <u>।</u> ভারা এনে আপনাকে মিরে যাবেম।"

ব্যক্তী নীৰ্থনিংখাল প্ৰিছণাগ কাইছা বলিপেন, "ছবন বাজীতে ত প্ৰামাৰ এমন কেই নেই হে, আমাকে নিংভ হাবে ৷ আমাৰ ভালেৰ বাজীলে মন্ত্ৰাল ক'বে আমাৰ পালতে গ্ৰহ দিন।"

"ৱিকামা ৰদুই" ব্ৰিছা প্ৰেট চ্টাড়ে 'নোটুৰুক' বাহিয় কৰিলা প্ৰবিভ টোকানা লিখিলা কইতে কাৰ্নিক।

त्रस्थी विनन, "बाकुनक्षक विश्व --- ७५ क्ष्र ८५:बदावास १"

প্ৰণীৰ বিভাগৰকাৰে বলিন উটোপন, "পানুধ নিমিৰ : চোনবাগান !" কম্পী বিনীতভাবে বলিব, "এংলে ইা"। ক্ষীর পুনক উচ্চকতে বলিবা উঠিব, তান কি বিভা হ"

চুক্তী বিভিন্ত চেইজ। বিভাগ-বিজ্ঞালিত-লোচনে স্থানের মুখের বিজে চাহিলা সে বলিজ, "আগনি অংযার নংফ ভান্তেন কি করে গুল

পুৰীৰ উদ্ধান্ত ভাবে বলিবা উটিল, "বিভা, বিভা, পাবাদে প্ৰাণ বেঁচা ভোষাৰ বিবাহ হোগছিলুন ৷ আবাদ ঘটনাচকে চক্ষের উপায় ভোষার বৈধ্যাও আয়াকে কৰিন কৰ্মে হল !"

এই খোকের ঘদেও বিভার মনে বিল-কণ কৌতৃংল কমিল ৷ লে পবিসংগ বিজ্ঞানা কবিল, "কে আপলি ৷ আমি ত আশ্নাকে চিন্তে পাছিল বা !"

পুণীর। আমি বিশ্বুদিন কোমানের
পাড়ায় ছিলাম। অত্বের সংগ আমার পুর
ভাগ চিলা ভূমি ভগন খুব চেলে বাছব।
বোধ হয়, ভোমার মনে নেই—আমার নাম
ভ্রমীয়।

বিচা। (আবদ্ধ ভাবে) ক-আগনি এবানে) বোধ হব, ভগবান্ সমা কৰে আহাদ এ বিপ্ৰেক সময় আগ্নাকৈ লাঠিকেছেন।

স্থাতি বলিল, "বিভা, ধণন ভোষার পরিচণ পৈনুথ, তথন আর ভোষাকে ত একুলা এখানে তেখে ভোক পারি না। এখন আবার বাসাহ চল। কারণর অনুলকে টেলিপ্রায় করে। বিভিন্ন লে এলে ভোমার নিয়ে যাবে।"

ও প্রভাবে বিজ্ঞা স্থাতা হর্ত্তা। স্থাত না ইবলা মে করে ভিঞ্জ বিলেশে স্ক্রেক্সাভিনী বালিকা মহাবিপদেই পজিত হটগাছে ; জনসাই বাজি যোন প্রোতের মুখে কাঠবত প্রেকেট প্রথমতান জীবনবাল করিতে বাহাল পাছ। বিভাগে ভাজন স্থীবংশ শাইষা ভাষার স্থান্তর্গ বাহা

(52)

একৰিন চুইনিন কৰিবা স্থাকের প্র স্থাহ অভীত হট্যা গেল, তথাপি অভুল আসিয়া পৌতিল না; কিবা ভাষার কোনও স্বোষত পাওছা গেল না! অধীয় আশ্চর্যাধিত চুটল। গেভাগিল, এ ব্যাপায় কি। এক্স সংবাদ পাইয়া আন্তীত-বন্ধু কি চুপ কৰিয়া থাকিতে পারে ৮

বিভা প্রভাই স্থানিক বিজ্ঞাসা করে,
"লালার কোনও পত্র এসেছে কি ?" স্থাবিত্র
প্রভাইই ভালার উত্তর দেন, "কাল আস্তে !"
বলিও স্থাবি বিভাকে "কাল আস্তে" বলিছা
আগোস প্রালান করিতে, বিজ্ঞ নিম্মে সে
অভুলের করে বড়াই চিতিকে হুটার।

স্থীর অভিন্যতেই বিভাকে সগৃহে শান্দ দিয়াছিল। তাহার এক একসন দানী এবং একটা কভাও নিশিষ্ট করিয়া দিয়াছিল। নিজে অবসর পাইসেই বিভার কাছে বনিয়া ভাহার শোকাপনোমনের অন্ত গে গর করিছা, কথনও বা সংবাদপত্র পাঠ করিছা বিভাকে ভানিত, এবং কথনও বা ইউছোপ পাছছি বে সকল মেশ বে দেখিয়াছে, সেই সকল হেশের বন্ধী করিছা।

উভরের এইরপ একরে অবস্থান উভরেরই, বিশেষত: বিভার পথে বে ককটা অনিট্রুছ চইতে নামিক, ভাষা উভরের কেন্ট্র উপশক্তি করিতে পারিল না। বিভার বিশাধ কটা

क्रिल महार क्षेत्र एमयदम्यत्र भाजीव ६० বংসত্তের পাত্রের সভিড বিবাহে কণ্মভ ছাত্ৰতাপ্তৰ স্বাহিত পাৰে মা । বিবাহত ব পর করেক বংসর বিভা আধীর সভিত বাস करिहाकिन बाहै, बिक्क खादा करेंद्रल कि अब ह আকৃত কোম যে বয়, তাল বালিকা ভাষাৰ স্বামীর রাজি কোনও বিদ পর্যন করিতে शाद्य नाहे वा लिटब अपरे। अहस्यम विल्हाहे যোগেৰকে যে প্ৰহা কৰিছ, বুফাৰ্ডা, ছবিয়াট মুখ ও সেবা ছবিজ, কিছু হোগ্য পৰী ninica aen, wini en bate nite mit : বোলাপৰী কাহাতে ৰূপে, ছাছা বিভাৱ থবি-मिक्ट किन। फाटे विका ख्लीदरक मर्वनमाज সম্পূৰ্ণ কল্পাতকাৰেট আপন অন্তৰ্গত নৱস্থায়ি আলিতে আরম্ম করিব। বিভা জনীবের তথ্ क्ष्म, क्षेत्रका क्ष्मींक वृत्र इतेश । तर गरम মনে ভাৰিত, থাব। বৃদ্ধি ছখন পুথীবের সঞ্জ আমার বিচ্ছ বিচ্ছে আপতি না করতেন, का रहन वह क्षत्र, वृक्ष, की ब बार्य व श्रांत्रवर्ष बाधन एक्ट आयी, 'प बाध वृथ देशका, अनवारे আখার হটত (*

বিধবা বৃহতীর এরণ চিবা মনে আনাও বে পাপ, ভাষা বিভাগ অধ্যকে উন্নর চরত লাঃ বেভেলবনীলা ভরণী দংলাকের ভূটিক পাতি-বিধিয় আনেই যা কি ৷ সংলাকের ভোগ-লালনার সাসনা ভালার ভ কিছুই নিবৃত্তি হব লাই ৷ অভালে সনাবেশ বেভালোর এরণ রুম্পীকে ধরিয়া বাঁগিয়া ব্যক্তবেঁরে মর্লান ক্রিলে, শে মন্ত্র ভালার অনুরুপ্পর্ণ ক্রিছে নারে কি ৷ অনেকের হব ভ মণিবেন, "গোল নাহরের মেন্তে নেতাং ভঙ্গি খুকিট বহু ৷ ভালার বৃত্তিয়া চলা আবক্তক।" কিছ এ নাবজন কছেনে বুনো । কড প্রকাশী বংগাটের প্রভাগ অন্তর্ভিত ভোগানিগালেছ লোভ প্রথানিত । আর বোল বংগাটের ভর্মনী বুবজীর প্রাণে হয় নাবানা উদয় হইংব, ইয়া আভার্যার বিষয় নবে। প্রভাগনানা শ্রী-পুরুষ সকলেনই অবস্থাকর্তবা। কিল্পান কর্মনা পালন করিলে, বেশের আলে এ ছর্মনা কেন্দ্র

प्रदीत वालाकात इकेटलडे विकारक शहर মন্মে মুগাৰ্থ ভালবালিক। ছিলাৰ বন্ধ পিতভুকা ব্যৱস্থ সভিত বিবাচ চৰ্চাই ভাটাৰ ব্যস্তার সংক্ষণ আবোত সংগিলাছিল। এবাক বিভার বৈবৰ্ণসৰ্গন প্রাচার প্রাণ অভাত ব্যাকুল ছট্ড পঞ্চিল। সে মনে গলে প্রিক ছরিল যে, স্থাপনি কিল্লান্ত মতে বিভাকে বিবাচ ভবিধা বিভার এ ভবেলালা দর ক্ৰিকা মিৰে এবং ডাহাতে ভাষাত নিজেৱক অভিটান্দি বটিব। কিছ অভানত সং লালা লবান্ধ সে এ এলোর বিভাগ নি**কটে** উল্পিন ক্রিছে স্থান্তম কবিল না। সে উচ্ছিকাম শিক্তি, বিধনা-বিধাহে কোনৰ বেল মনে কৰিল মাৰ কবিধাৰ-স্তিতীয় বুৰক স্মানেৰ ব্ৰীক্তিনীতি কানিয়াও এ इयांना करा है किन किन त्यांच्य क्षिण ।

নীপার কথাটা হে প্রথীর একেবগুরাই বিশক হটগানিক, তাহা নবে। প্রথীর প্রাভিষান অবশ করিবা ভাবিল, "নীলা। দীলা আমার কে চুকেট কর। ভার বাপ, আমার বক অগমান ক'রেছে। কার একটা বছ ভবন প্রভিশাধ নেরভা চাটই। বিভাকে বিল কর্লেট ভার উভিড প্রভিবিধান হ'বে। এত কর্পেট বেশ্বে না। কার নীলা। নীলারট কি বছমাছবের মেরে নকে মনে অংকরে নেই গুইা, আছে বই কি ৷ না হ'লে করে বাণ্ কি এতটা বাংল কর্ত ৷ থাকুক্সে ভার বছমাছৰ বাণ নিবে ;—আমি ভাষে চাই ম: ৷ সে ভাক পথ চিনেচে, আমিও আমার পথ বেচে নেব !"

বাদ বাধানী বৃষক। ভোষাবের বিদ্যাবৃদ্ধিকে বিকৃ। ছোমানের দেশবিতৈবিভাকেও
বিকৃ। ভোমবং গৃহের জীয়কখন্ত পরিভাগি
করিতা বাধিরের চাক্তবাম্য কাচপ্রের
অলেন্দ্র সাম (দশতিকৈরশার ভান করিতা
ভারির আশার নালান্তিক হব।

একদিন গ্রাম কারে মর্টার ন্যর, ত্রীর ভালার বিজ্ঞান-ক্ষে একখানি 'কৌচের' উপর প্যন করিয়াছিল এবং বিভা পা ওড়াইরা ভিত্তিগারে পূচ হাপন করিয়া নেই কক্ষতকে বসিয়াছিল। ত্রীর গল করিভেছিল, বিভা একাঞ্জিতে ভালা প্রবং করিভেছিল, অথবা ত্রীরেণ রুপছ্যা পান করিভেছিল কি না, ভালা সেই বানে।

ত্রপ দশ্য একবাজি দেই কথ-মবো চাবেশ করিল। আগ্রহণতে বেবিরা উভরেই চমকিত হইবা উরিল। বল-কহা নাই, একেবারে ভাজার-সাহেবের বিপ্রাম-কল্পে প্রবেশ ! কি সাহস ! গোকটা কে। একেবারে স্বায়ভার সীমা অভিন্তান করিবা কে ক্রিবা মাজাইল, বিভা ভাগার মুধ গোবিতে পাইল না। জ্বীরের এবংবির ভার মেবিয়া আগ্রহণ বলিল, শ্রমীর, আয়ার চিন্তে পালে না। শ

তথন স্থানি উটিব দাগন্তকের হন্ত ধারণ করিবা সধয়ে ভারেকে 'কৌচের' উপত্র ক্যাইল। এডজন পরে বিভা বিলয়েশ। বলিল কারিয়া জেকেন।

পাশন্তক অন্তর। সে বংশন্যমে ক্রীরেছ টেলিঞ্জন পাধ নাই। স্থাীর মধন টেলিঞ্জা ৰ্বিহাছিল, অন্তপ তথ্য বাটীতে ছিল ন।। মাজুবের বিপদ্ধবন আলে, ভবন ভাগী উপৰ্বিপরিই আনে। বিপদ্ কমনত একাকী चारन यो । ८२ नवटन व्यक्तिचानक पाना योगे. টিক ঐ সময়েই অভুগের জার একটা ভগ্নী-পতি মাবা লাব। অতুল সেই দৰোদ পাইয়া ভাড়াভাড়ি সেইবানে ৪লিছা যায়। প্রেই মলিয়াদি, অৰ্থান্তাৰ-মেডু অত্যানৰ শিক্ষা কোন বভাবেট উপযুক্ত প্রচন অর্পণ করিতে পাৰেন নাট ৷ সকলেই খিতীয় তৃতীয় পক্ষেত্ৰ वृद्ध वः क्लोरसव शक्ष अधिकादिन । अञ्चलक এই ভারীপভিটিও বিভীয় পক্ষে বার্থক্যের খালান ভনিতে ভনিতে অভুলের চরীটাকে বিবাচ করিয়াভিবেন। তাঁহার প্রথম পশ্বেম অনেকভালি ব্যাপ্তা**র্থা** ভেলে-যেবে ছিল। উচ্চার হা কিছু বিজ্ঞ য'পবি ছিল, ডিনি মার: যাইবামানট, জাঁচার পূর্বাপক্ষের পুরোরা ভাচা দইবা ঠাংগৰ এ প্ৰেক্ত স্থাত সংগ্ৰহা विवास साथाँदेश विका अपूर्ण आध्य नाडमन ওয়নোৰ ভাৰাইয়া ভাহামের সম্পত্তি-ভাগ ক্ষিয়া বিলঃ এই বুকল কার্মণে লতুলের Multer करवंक मिन विकास करेंगा। खारा হইতে কিরিয়া আলিয়া অতল প্রথারেয়া টেলিপ্রাম পাইদ। ভবন দু:বের উপর করে, विशाधन जेगन विशास कामिया, शाबीया কাছাকেও কিছু না বলিয়া প্রবীবের টেকি-প্রায়ধানি খোপনে রাধিয়া, অভস বিভারে দুইবা বাইবার মিজিল গাড়োবে ভাসিলেন।

ৰতুদ ৰদিদ, "হুধীর, তুমি এত বড়াধাৰ इत्पन्त द्य श्वीदयद जेनार त्यामाच क्षक प्रश्न, এত ব্যেহ-এইটেই ছোমার বথার্ব মহতা। ভূমি ৰে উপকার করেছ, ভোষার দে খব অম্বে জীবনে পরিচলাধ করতে প্রেন্দ্র মান্ত

रूपीय बाधा निया वांचन, "मास्ट्रस्य दिलाह প্রাক্তবকে দেখা, মাতৃষ্মালেকই কর্ম্বর । একে অ্র মংকুই ধা কোন্ধান্টার, ন্যার বা শোন্ধান্টার দেখুলে ভূমি ?"

স্বধীরের অভবোগে অত্যা করেক্সিন नारकाटर शांकिन। यह बद्धाल भागति यह আবার একতে আহার, একতে বিহার ৬ এক भटक नहान करिया व कामभाषत मध्यान रह ঠীতি অভ্যত্তৰ করিতে লাগিল। জনীয়েরত ইন্ধা হইজেছিল না বে, অনুলবে ঘাইডে বেখ। ক্ষিত্ৰ অতুল আনিমের কেরানী। ভা**রা**র निष्ठे हुटि प्रशहेश चानिन। छाराव भाव থাকিবাৰ উপায় নাই। ও বিকে বোগেশ-इत्यव बाषावित्र व नवष निक्षेत्रको । कारवरे, च्युज्यस्य गुन्तः इट्टेश श्वशीदश्च मिन्नटहे नियान লটকে তইল।

ल्पीब विज्ञाक विश्वत कवियात अक अधास नामादिए इरेग्नाहिन। किस चलतन কাছে একথা "বলি" "বলি" করিয়াও সে বলিতে পারে মাই। কেমন একটা সংখ্যাত, अकता काला छातात विकास बढका चानिता দিভেছিল। একদিন কিছ অবস্ব মবিয়া বে অভানের নিকট নৈজের খনের ভাব প্রকাশ কছিল কেলিল। অভগ বিচৰণের ভার ছুখীবের সকল ক্বা মলোবোগ সহকারে ভূমিল এবং ভারার পর ধীয় ও সংব্রভ্রাবে বলিব, ভাই, ভূমি এ বাসনা পরিভাগে কর।

ভোগার মত মুখ্যের বিবাহেণ ভাগনা 🐠 🕏 একটা কেন, ভেয়োর যদি ইকা খন সমায় হৰত দশটা মেনে ভোমার প্রদাং দিতে প্রস্থা ন্দে । বাক বে-কথা। তুবি নিকেই ভেলে দেব ভাই, ভোমায় গলাধ মালা দিয়েও পাছেলেই ৰত সুমাতী কভাৰ হাবে। জোমার হাজে বেৰে দিতে পাব্যৰ কত এলাভ বাভিত আশনাকে দৌভাগাৰণে মনে করবেন 🛊 ভূমি क्व छाँहे, विश्वारक विद्य भेटर नथाटक्क কাছে গাছিত, খগ্ৰামিত ও খণ্ডত হ'বে 💅

ত্ৰীৰ সমৰ্কে বলিক, "সমান্ধ। তে স্মান্তের আটন তক্ষণ সম্পানিকার, তেমন-नवास्तर चावि आकरे कवि मा।"

व्यक्ता एवि मां क्ष्रांस्ट चार्यास्ट, जाहे, आक् कवाल द्या। विश्वति विश्व मिट्या त्म अक्वासिक साम कांगवां नगरम नगरकाः कारह मठभवाक थाक्र, छएते। महन्त्र प्रम আমাদের তথনও নেই।"

অভ্যান্ত কথা ভানিয়া স্থান বিভার্থ উঠিল। বি নিউরের মত কথ:। ৪:---অভাসিনী বাল-বিধবাদের দুগ চাহিত্তে ভি এবেশে কেউ মেই? সে প্রকালে বলিক, "কেন শতুল, এতে লোগটা কি চ ছিল-শালেও ত বাল-বিধবরে বিবাধের বিধি আছে। करें नव क्षिपे क्षिपे क्षिप्रकार क्षेत्र विश्व मा करत,---रहारतत शुनकात विवाद (१७४) किः উচিত নয় ? ইবোলোপ প্রভৃতি সুকল দেশেই মের, বিধবা-বিবাহতের চলিত আছে। আহাদের (भारत क करवम विवाह ए स्टब्स १४८% !" .

মতুল। ভাই, ইয়োরোলে বাদ কলে ভোষার খন বত উল্লভ ও বাংগী ল্যেছে, *** আম্বা পরিব বালালী, আমারের ভারতী

ব্যক্ত নেই। সার বিশ্বারীধ চ'ব্য টাই জামানের কাছে অভিমূহৎ কাষা বলে স্মে বর : আখাদের এই কলিযুগে বর্তমান विवास श्रीकृत (भरण) या ध्वक हे पहचा, या একট উদারাতা, বা একটু পরিক্তা ও থা একট ধাৰ্মজাৰ নেগ তে গাই, ভাত কেবল चाबाध्यक व्यक्त अच्छाविकी विस्कृ विश्वाद्यक মাণ্যে। বাছবিক পুশুচরিতা এই রক্ম বিবৰ দেখালে আমার প্রাণে বড় আনন্দ ট্র। আমি বিভাকে সেই ভাবে পঠিত ट्यांटकी ; छ। एक विश्व विश्वात चापने वृत्वाद মধ্যে বদু কোৰ্কো। ছাত্ৰ জাৰাৰ বিবাছ যিৰে সমধ্যে পভিত হতে পাহৰ না, কাই ৷ ভূমি খামার ক্ষম; কর।

কুনীয় দীৰ্ঘনিঃখাদ পরিভাগন ক্ষায়া নীগ্ৰহ হাইল। আৰু ভাষাৰ ৰশিবাৰ কি আছে ৷ ভাষাৰ আশালভা অছুৰেই নিৰ্মুল **ঘট্যা গেল। একটা নিত্রাপার- গঙীর** হালাকার প্রবর-মধ্যে প্রবেশ করিছা দীর্ঘবানে পরিগত চইবা গীরে গীরে তারায় মধ্যেক কৰিয়া বহিৰ্ণত চট্টতে সাধিস।

অভন আৰহে বলিতে সালিল, "ভুটাৰ ! বিভা এখন 💝 ভণগা করেছে যে, বে ভোষার মতন স্বামী কাভ করবে 🔭 ভোষার কি মনে ধেই, আহি গোড়াডেট জোমার সংক ভাতি বিচে দেবার অভে মাবাকে কর বলে-ছিল্ম : তুমিও ও ভাকে বিবাহ বরুতে চেবেছিলে। কিন্ত ভোষনা বল্ল আৰু আমন্ত্ৰা বাচ়ী, শুধু এইটকুমার আপত্তির মতে-শ্বাভের ভারে বাধা ভাষন ভোমার স্কে বিষয়ে বিবাহ বিতে পারেম নি : মুদি ভা

ভগন দিভেন, ভা হ'লে বৃথ হোগোলবাৰ্থ হিষাধ্যে চেত্রে হিন্দ্বিধবার ভ্রম্ভল্য পালন- প্রিনটে ভোমার মত স্বাভগানিত গুরকেন পদী ৰচ্চে বিজ্ঞা আন্ধ অপার ক্রমান্তার কর্তা 🖟 কিন্তু অভাগিনীর কথালে দে জুগ নাটা বিধাভার ইচ্ছা অনুপ্রকার। তার ইচ্ছাই। পূর্ব হয়ে । এখন সারে ক্রেক্সবা চনগো আজেপিন করা বুখা গ

> অতুল শেইদিনেই তাড়াভাড়ি বিভাগে শ্ৰীৰা চলিয়া গোলা। ভাষাৰ পাশবা হউল, পাচে বিভার হনে কোন রক্ষ বিকৃত ভাব चक्रिया भारतः।

ত্তীর টেশন পথ্য পিয়া জাত্য-ভরীকে (द्वेदन कृषिक' क्षिण। (द्वेस क्र-१-भ.क् असुबा মানে চলিয়া গোল ৷ অধীর একটা নিবংলাক এক বেছনা বন্ধে দট্টয়া বাসাং ক্রির্ডা আৰিল।

(++)

चामातार त्याम अक्षेत्र त्यावनि जामहत्व भारत (व, "कालवान (क्यून ह मा, कालवान) ব্যেন।" পৰ্বাৎ ভালবাদা ভালবাদাকে আক্-বৰ্ কৰে। কিছু সকল ভালে সে কথাটা বাটো না। যাতা পুরুগভঞাকা; কিছ কভ কুমন্তাৰ আছে, যে মাডার সে-সেহের বিশ্বসাঞ্চ ক্ৰতিধান কৰে মা ৷ কড পতিপ্ৰাণা নম্ৰী প্রিক হানে জীবন্পাত স্থানিভাচ, কিছ নিউর পত্তি নেট সাধ্যীর প্রতি ক্রিইছাও চারে না তভ ভগিনীত জন্ম প্রাক্তমতে পরিপূর্ণ, किन आला ६६ क, क्योरक दर्शना चलाव मुख किहाहेश हरिया श्राप्त । नामाद असम मुद्राप्त विश्रम नदह।

স্থীর প্রমেও ভারার পরিক্রতা ভারা। नीमाद क्या बरम करत हा, कियू नीमान আগ ক্ষী হমর। কীলা বর্মে বগনে, ভিছা-কাগরকে, খানে ভানে প্রাণে ক্ষীর বাজীর কার বিশ্বই কানে না। অবর্নিশ ক্ষীরের প্রতিস্থিতিই দে পুঞা কবে।

भागा का निकारियांनी ध्रक विकृत्यं दे वृत्तिक ना द्या, भवित द्यान कर्ता द्रकशानि क्षण द्यानक्या कानवामा क इन्द्रवह मध्य भारतम नदेश कावानों क इन्द्रवह मध्य भारतम नदेश कावाने ध्रश्निका स्था कृषिया व्यक्तिकरक्षा निर्द्या मान्याद्वत सक-व्यादक भविता व्यक्तिक ध्रामद चाक्रत व्यक्तिक भूकिता प्रविद्याक्ष । व्यक्तित भूद्रविद्या विभव क्षण क्षणक चानामद्व प्रभावित व्यक्तिक हरेशः व्याद्य कानामद्व क्षणाद्व विताद हरेशः

কৰ্মনাপুর হইছে কিবিয়া মাসিছা লীকা অক্টোটের শ্যা-গ্রহণ করিয়াছে। তাহার উপানশক্তি আর নাই ব্লিকেট হয়। গ্রহণ, মার্মবেদনাহ, হতালতায়, ভাষার ক্লিয় একে-বাবে চূর্য-কিচুর্য হটয়া গিয়াছে।

वीवाय अरे व्यवशा सिवधा करियानगर् वसरे वाधक। वाद्यिकरे, जिनि वीवारक व्यापारणका काम वाशिएका। जाराव वस्र जिनि के करिएका, किहुरे दिश करिएक भावित्यम मा। किवाजाश स्टिहं विविध्यक अपरक बीवाय विकित्यार्थ नियुक्त करिएका, वर्षो, किस किश्रे किहु करिशा विशिष्ट भावित्यम, वर्षो, किस किश्रे किहु करिशा विशिष्ट भावित्यम, वर्षो, किस किश्रे किहु करिशा विशिष्ट भावित्यम, वर्षो करिएका मा। स्थाप महर्गाई अठ-प्रकाद-व्याप रहेश मानाक्षकार करएका व्यवस्थ करिएका स्टेश मानाक्षकार करएका व्यवस्थ কোনও উপৰয় হইল না। আৰু সে উজ পেয়নও কবিত না। কাহার হালনা, ব্যা ক্থীবেৰ গবিত কাহার মিদনই না এইল, কর্ম বেরপে হউক দেহ ক্টডে কীব্যান বছিল। হইছা যাউক।

বিখ্যাত বিখ্যাত উদ্ধানত হইছে ছিন্তুৰ্
পূল্য বিহা লীলার কন্ত ধে-শব শুন্ধ আনিছে,
লীলা ভাষা আনৌ বাইড না। ভ্রমণ্ডনিবাভাগনপুথ দিরা কার্নিস, গান্ধগ্রেষ, অবহা
পিক্যানীতে খান পাইড। লোকে কিলাসা করিলে সে বলিড, গাইডাছি। কেই যান উদ্ধান থানগ্রিতে আসিত, জীলা ভাষাতে বন্ধ বিশ্বজ হইছে, বলিত, গোক, আমি নিজেই থান এখন।

ু চিকিৎসক্ষণ বখন দীয়ার জিড়ার কিছু উপ্তম হইতে হেখিলেন মা, তখন দকলে এক মত হইয়া বাধু-প্রিকটনের উপত্রেশ দিলেন।

চিকিৎসকাপ ধনন জীবাই চিকিৎলঃ ছাজিল "চেজের" ধাৰতা করিলেন, তথন কবিনালবার দীলার শীবনসমঙ্গে একেবারে ওজাশ চ্টালেন। বাহা ইউক্, "বা করেন ভগরান্" এই ব্যিচা ডিনি বাযুগ্রিকর্মনে মাইবার উদ্যোগ কবিতে লাগিলেন।

কিছুদিন উইল খানিনীকার বল্পীবারে বার্ছিনিংয়ে বেড়াইছে গিলাছেন। অংবনাশ-বুংবু নীলাকে কইল কেইখানেট বাইছে নন্দ্র করিকেন। কারণ, শীলা ভাকার কাকাকে বজ ভাকরাগে। কাকার সাবে বুড়াইডে, কাকার কাছে গল্প করিছে শীলার বড় আনত হয়। নীলার খাহাতে যন ভাল থাকে, ভাহাই কলা কর্তন্য। তাই অবিনাশেবাৰু যামিনীবাৰুছ, আৰ স্থান্তময় । সীলা শহনে বপনে, চিছা-আগন্তৰে স্থানে কানে আন্ত স্থীন কতীত আন কিছুই আনে না। অংশিশ স্থীনের ক্রিক্টিবই শে পুঞা করে।

কমলাপুর হইতে হিবিরা আগিয়া লীলা এক্টেরারে প্রা-গ্রহণ করিয়াছে। তারার উভারশক্তি আর মাই বলিকেই হল। ভংগো, মর্দ্রবেদনার, হতাশভার, ভারার ক্ষয় একে-বাবে চুর্গ-বিচুর্গ হর্মী গ্রিয়েছে।

कीमात वहें भरवा भिवा कविमानगात् वस्ट वाविछ। दाविकहें, जिम कीनाम आवारणका काम वामिरकम । जहात क्य जिम कि कविरवम, किहु है दिव कविरक भातिकम मा। किन्नाकाद स्टिह विकिश्तक भवरक बीमात किन्दिरार्थ मिनुक कदिलम, वर्छ, किस क्टरे किहू कोत्रश केत्रिक भाति-कम मा। अपम कि क्टियार्थ मिनुक कदिलम, वर्ष, किस क्टरे किहू कोत्रश केत्रिक भावि-कम मा। अपम कि क्टर्स कर्मा कर्मा क्टरेस मामाक्षकात सेवर्थन साव्या कविरवम मा। स्टिश महरकार क्टरेस साव्या कविरवम । क्षर । महम्म विकास सेवर्थ कि

কোনও উপশ্ব হট্য না। আর কে উন্ধ দেবনও কৃতিত না। তাতার বাসনা, ছবি স্থীবের সহিত ভারার মিধানই ন, ০ইল, ভবে ধেরণে চ্ট্রক, দেহ ধ্রতে জীবনটা বহিশত হবা ঘাউৰু।

বিগ্যান্ত বিখ্যান্ত ইনধালয় হইতে দিওপ মূল্য দিরা দীলার কল্প থে শব ওখধ আলিত, নীলা ভাষা আমৌ ধাইত না। প্রবংশনি বাহারমণন দিয়া কার্নিসে, একেপথে, অবলা শিক্ষানীতে ছান পাইত। নোকে কিলাসা করিলে দে বলিত, 'গাইমাহি।' কেং ঘটন প্রবং পাও্যাইতে আলিত, কীলা ভাষাতে বঙ্ বিরক্ত কটত , বলিত, 'থাক্, আমি নিজেই খার এখন।"

ু চিকিৎসক্ষণ বথম লীলার জিচার বিশ্ব উপল্য ইউডে লেখিলেন না, তথন গ্রুত এক মতে ইউলা বার্-পরিবর্তনের উপরেশ দিলেন চ

চিকিৎসকলে ধ্বন জীবার চিকিৎসা ছাজিয়। "চেলেগুল ব্যবস্থা করিবেন, দেশন অনিমালবার লীকার জীবনসকলে একেবারে হতাব কইকেন। বাজা কউক্, শ্বা করেন ভগবানু" এই ব্যবস্থা তিনি বাহ্পরিবর্তনে হাইবার উল্লেখ্য কবিতে লাগিকেন।

ি চ্ছুদিন উট্ল থামিনীধাৰ প্ৰথিবাহে
দানিলৈংহে বেডাইডে বিষাছেন। আনিলালকুলু নীলাকে লইন সেইখামেই বাইডে ননম্ব
করিবেন। কারণ, নীলা ভাষার কালাকে বজ্
ভাতবাদে। কাৰার সলে ব্রেডাইডে, কালার
করে দার কবিডে নীলার বজ আনল হয়।
নীলার খাহাতে মন ভাল খাকে, ভালাই
করা কওিবা। ভাই অবিমালবাহ্ যামিনী বার্ত্ত
কাছে বাওবাই গুডিস্কা মনে করিবেন।

নিৰ্দিটে দিনে অধিনাশবাৰু শীলাকে লইয়া কাৰ্জিলিং থান্তা কৰিলেন। কাকা শেপানে আছেন জানিকা সীলা ঘাইছে কোনৰ আপতি ক্ষিত্ৰ না। কাকাকে আৰু একবাৰ কৰ্মশোৰ কেনিকে, বাকাৰ বৃত্তি মুখ সুকাৰীয়া কামিছে, বোৱাৰ বহু সাধ চইয়াছিল।

ধানিনীবাৰ অপ্তলেগ আগমন-সংবাদ
পাইবা উহার অভ্যথন-বৈত্ পুঞ্জলা-সং,
কোটেশনে ইাড়াইগাছিলেন । টেন আনিয়া
পেটিছলে নীলা নেথিতে পাইল, ভাতার কাকা
কডকজনি ভেলে-মেনে সইয়া 'গ্লাটকটে'ব
উপর ইাড়াইলা আছেন । অবিনাশবার্ নীলার
হাজগানি গরিহা থাকেন গাঁহের টেন হইতে অবতরন বরিভেছেন বেথিয়া, যামিনী বার উহার
কিনটে তাসিলেন । লীলাকে কেথিয়া প্রান্থ ভিনি চিনিভেই পারেন নাই। ইহার পূর্বে ভিনি চিনিভেই পারেন নাই। ইহার পূর্বে ভিনি নীলাকে বেরপ বেথিয়াছিলেন নীলা
ভবংশকা বহু পার্নি ও বিবর্গ হইয়া সিলাছে।

শীলা। ও কি হয়ে সেছিন্ মা।" বলিরা মিনি সংগ্রহে লীলার হাতথানি ধরিকেন। সে সেক-সভাবনে নীলার হাতথান করিব। সে কোনও উত্তর কিতে সমর্থ হইল না। ভাষার আর্ল চক্ষ্মিই ও কথার উত্তর প্রধান করিব। অধিককা কাছাইয়া থাকিবার ক্ষমতাও লীলার ছিল না। ধীলে ধীরে ভাষার স্তক্ষী হেলিয়া বামিনীবারর ক্ষমের উল্বর পদ্ধিন।

निक्रांने यान श्रमाण हिन । रामिनीदान् भनत्व जीवांदक गृविद्या नक्टो छेठोडेबा व्हिन्त । छ।धान नका निक्रमा फेलाटक क विद्यस् जाशंका कवित्र । वामिनीयानुत दामा कविक मूच नहर । १०१४ कथा-वार्ता कविएक कविएक क्यिनीयानुत समात्र विदय कविएकत । পথে বাইতে বাইতে গড়িকা নীলাকে বছ কথা বলিতে সাধিন; নানা ছালে দক্ষিনিং-বের দৃশ্যাবনি-সকল দেখাইতে নাগিল; নড়িকা নীলারই সমব্যায়। নীলাকে পাইরা ভালার অভার আনক তইব।

গৃহত উপস্থিত হইবে মামিনীবাহুর পদ্ধী
অভিবল্প অভিবিশ্বশেশ প্রব্ধ করিবেন।
অধিনাপবারু বামিনীবারুর বাসিতে পার
কথনও আনেন নাই। এই তাঁহার প্রথম
আসমন। ধামিনীবারুর বার বীতিনীতি,
আচার-ব্যবহার, হয় ও কর্তবা-প্রায়ণতা
কেথিয়া তিনি গিলিত হুইবেন। কোথায়
উল্লেখ্য সর্বিতি প্রীয় আর কোথায় এই
শিক্ষিতা হাত্যধ্যু উত্তরের চরিত্রের বতই
তিনি মনে মনে তুলনা করিতে লালিলেন,
ততই ভাহাদের মধ্যে আকান পাতাল প্রতেদ
দেখিতে লালিলেন। মধ্যে কানি প্রতিত্র
বাহিনীবার্ব সংসারে মেন মৃত্রিয়তী শাহি
বিরাধ করিতেছিল।

হৃহিণী দীলাকে অত্যন্ত বন্ধ কৰিছে লাগিলেন। আৰু লভিকান ও কথাই নাই। সে নীলাকে আইয়া কেন হাতে কৰ্ম লাইয়াছে, ভাবিল। সে একমণ্ডল লীলার কাছ হাজা হাইত না; সর্বাধাই লীলার পার্যে বলিয়া বাকিড; কথান বা লীলার কঠ কেইন করিয়া লীলার পার্যে লীলার শ্যাম কইয়া পড়িড; কত কথা, কত প্রা বলিক। ভাষার লেই প্রকারণাবা ছানিই কথান্তলি বাগুবিকই শীলার প্রাণে ভ্রিটান করিছে। কভিকান ব্যামি ক্ষম্প নালিয়া মাকে মাধ্যে ভারাকের গালে বোগ্রান ক্ষিত।

লীলাৰ উটিয়া বেড়াইবার ক্ষতা ভিল

হা। প্রাচ অইয়া- বাভাবনপথ দিরা দে क्षाबिक्षितात्रत् काकामहृष्टि-निधेत्रशामा d श्रायन हिम बर्छ, किस वीवियान मेका खानान विक्रिय द्यमा धकन्द्रे कार्रिश कार्रिश दम्बिल । ক্ষান্ত বা মেচের ক্ষারাশি পুর্প্রবিধ হইয়া কৃষ্ণতদ বিক্ত করিয়া বিস্ত। দীলা ভাগা দেবিশ্ব হালিত। এখন আকর্যা ধ্যালার বে আর কথনও সেখে নাই। পাছাড় হইছে লামপ্রেকার রঞ্জিত পুরুপত্রবস্থল চয়ন করিছা ব্ৰহ গীলাকে আনিবা বিড। দীনা নেই श्वक चलुकी बच्चत्र देवित्वा स्थानका वृत्त हहेदा शहेख !

े भीताब यनवादित सङ मकालहे व्यवानी ভিশার ক্রিকাড়া ভ্যাম করিয়া এবানে আসিতা দে আনেকটা শাহিলাভ করিটন त्यारहेंचे हिन ना। तन विवासिन व्यादना ক্ষিত, "ঐ মেবের ভল্গে, 🖨 পর্বতের **डेशरब भाषांत्र औ शर्भ त्वर क्योंकृष** দ্উত্; এই শান্তিমঃ খানে সামি ধেন চিয়নিতার মর বাকি ৷ আমার সকল বরণাক ক্ৰমান হউ**ক্। হে ঠাবুব**় আমাৰ **ভোৰাছ** চুৰুণভাৰে দ্বান হাও। স্বাব খেন স্বাধাকে সংসাবে ঠেপিয়া কেলিয়া মিল না।" কিছ ঠাকুর ভাষার দে প্রার্থনা ভবিবেদ না।

> (3688) ইচারণীলং বিত্র।

ラコー

(१४२ क्नाम)

ব্ৰন্থ ঐ কাপ্লো মনে द्रामा अस, क्लाबन-इंडिझे व श्रमा यस ভোষা ভবে ! খন-কোকিল উঠ্নো ফাকি मुक्तिका कुक मार्थी, গোলাপ-কৃষ্ণ উঠ্নো ভাগি दङ्गम्। उत्तर

ক্রব্রিল, **워마-프레짐** 对甲司 证券 ম্লবিদ, গোপন তথা একাহিল (क्रांचा खरन | উঠলো সুটি ভারার শাভি, মাৰ্লো এেমের গংন বর্তি, দিকে বিকে অণ্যাে বাভি ভোষা ভাৰে গ্ৰ वैभिन्नामस चढ़ान, विन्त

অক্টানক্ৰপীতা।

(পূর্বাপ্তকাশিক্ষের পর)

আত্মা সাখী মিতুঃ পূর্ব একে। মুক্তাভিনক্তিয় । অস্কো নিস্পৃত্য নাডো ত্রমাৎ সংসাধবানিক। ৪১৮৪

নেহাদিতে আত্মধ হব বলিবা আয়া সংসারী বলিবা অতীতে হ'ন ; কিন্ধ বছতঃ আখা কেবল দেহ-মন-প্রকৃতির এটা, বর্ম-বাালী, পূর্ব, একমপ, মহাবতঃ মৃক্ত, চৈত্তভ-মাত্র, নিজিব, নিলিবা, নিংশুহ ও শাব ।>>। কুটকং বোধমহৈতমাত্মানং পরিভাবের। আভাবোহতং প্রমং মৃক্ত্যু বাঞ্জাব্যখাত্ত্বম্

যাহাকে 'আমি' যদিয়া মনে কর সেই 'আমি' শ্রম ৷ "এই দেয়ানি আমান" এই বাছভাব ও "মামি স্থাী বা ছাখী" ইভাানি আন্তঃকরপের ভাব বর্জন করিয়া নির্কিকার একরপ বোশফালাকে আখ্যা কলিয়া আন ।১২। দেশভিমানপালেন চিরং বাজাকনি পুরুক। বোগোছং জ্ঞানগজ্যেন ভং নিক্তা সুখী ভব

হে বংগ, ভূমি চিরকাল সেহাখাখোগবণ সম্ভ্রারা খাবন হটিয়াছ। "আমি (দেহাদি মহি) বোগ খাত্র" এই জানত্রণ গড়েশর বারা দেই পাশ হেমসপূর্ণক স্থী হল ।১৫। বিংশকো নিজিবোহনি কং গঞ্জাশো নিবন্ধনা। অবহার হি তে বহুং মনাধ্যমন্তিট্নি ॥১৪।

মুখি প্রাক্তঃ নিশিল্প, নিশিল্প, স্থান্ধান্দ এবং নিশাল । ইয়াই ডোগার বন্ধন বে, সুনি ঘোরাস্থান ক্ষিতেছ (১৪) প্রা সালেখিক নিশা ক্ষি প্রোক্তঃ বধার্থকঃ । তাল্পুড্রান্দ্রনাধ্য স্থান্ধ্য ক্ষতিক্তাম্ ১৯৫৪ এই পৰিদ্ভাগান কৰা ভোনাৰ কৰে।
বাধে; ইয়া বাজবিকট কোমাতেই অধিত
স্থিয়াছে। তুমি করপড়া নিক্স এবং
লানম্ব , ক্জুজৰ কুছচিন্ত ইইও ন। ১৪।
নিরপেকো নির্কিকানো নির্তর্গ শীতলাবছা।
অপাধ্যুক্তকুলো তব চিন্তাভ্যাননা ১৯৬৪

ভূমি ভোজনানি-নিরণেক, ক্রানিবিকারবভিত, দেবাদিভাগশুল, শালকরণ, জগাধর্থি,
আবিনাদিলোভপুল। অভন্তর ক্রেম্ম বোধমান্ত্রে অর্থিত হও। ১৬।
সাকার্যসূত্রং বিভি নিরাকারং তু নিভাগ্য ।
নাভার্যসূত্রং বিভি নিরাকারং তু নিভাগ্য ।

সাধার শরীবাদিকে মিখাকুত নবিয়া

আম (শতএব বিষয়-স্বল বিষয় কার
প্রিয়োগ করিবে), এক নিরাকার আখভগ্তেই একমান ভিয়বত বলিয়া লান ঃ

এই তব উপদিই চইলে এবং ভল্বা আয়তকে

শবস্থান ঘটিলে, পুনবাহ সংগাবে আসিতে ব্য
না ১১৭।

ববৈধাননিধানে জনেচ্ছা পৰিক্ষ সং। ভবৈধানিদ্ শ্রীরেণ্ডঃ প্রিক্ত প্রক্রেশ্রঃ

নগগৈ প্রতিবিধিত শরীরের ভিতরে,
বাহিবে চারিদিকে বেচন ধর্ণনিই বিরামান,
শেইরণ অস্থানির শরীরের ভিতরে বাহিরে
চারিদিকে পর্যোগ্র মহিরাকেন চল একং স্ক্রিতং ব্যাস বহিরত্তিশা হটে।
নিজ্যানিস্করণ এক ক্রিভূতপাশ তথা হচ্যা ব্যাস হটের ভিত্তি বাহিকে চারিদিকে এক সর্কব্যাণী আকাশ বর্ষমান, দেইকণ সক্ষ জীবের ভিজনে বাহিছে চারিদিনে নিজ্য আবিভিন্ন স্কান কর্মান বহিছেছের চনা ইতি অধীবন্ধভান আস্থান্ত্রব-নাম্ব্য গ্রথম প্রকরণ।

বিভীয় প্রাকরণ :

ইশং শুশ্র কিপীব্ধায়াগাছ চন্দান্তন: ।
আবিক্তকার সংকর্ষাং বিষ্ণো নিজন্ধক: এডিগ্রু
এইরূপ ওজনাকান্ত্রেজ আয়াগন করিয়া
শিল্প আক্রান্ত্রিত ক্রিয়া খীয় প্রকর উপেত্রে
নিজের অধ্যন বর্গনা ক্রিলেন ।>।
আহে নিরশ্ধন: শাস্ত্রো ব্যবেষ্টিং প্রকৃতেঃ
পর: ।

এতাহত মহাকাল খোহেলৈৰ বিড়পিত: যান খহো, আমি দৰ্মপ্ৰকাৰ মনিবছা-বিষ্ণিত, নকাপ্ৰকাৰ বিকালেৰ অভীত: আমি প্ৰস্থাতিৰ অভীত, ব্যাহান-নৈতক্লাল। আমি এই স্থাবিকাল মোহক্ষত: (মুখড়গোদি-বাং!) বিভাগত ১ইডেছি ৷>:

यथा क्षाक्ष्मशास्त्राहरू सहस्थान छए। कश्चर । च्याकः सम्बद्धाः अर्थस्य चलता ह न किश्चर । १३॥

ব্যরণ এই দেহতে আমি প্রকাশিত ক্রিতেছি, সেইত্রণ সমন্তব্যব্যক্ত প্রকাশিত ক্রিতেছি। অভএব (যদি দেহ আমার, তবে) সম্বা ক্রুই আমার, অববা বিচুই আমার মহে। কেন বা আমি প্রধাশ-তৈত্তমান ; সেহত আমার নহে, অবং ও আহার নহে।)বং

শশরীব্যবিদং বিশং পরিভাষ্ট মহাধুনা ৷ কুডকিং কৌশলাদের পর্যাত্ম! বিলোকাতে

দেত-দক্তি সম্বন্ধ বিবাধে আতা ভইতে পুথৰ বিবেচনা কাৰ্য্যা আমি এখন প্ৰস্কৃতিই পৌশলক্ষম প্রমান্তাকে অংগোৰস ক্ষিত্তি (৩)

বথ: ন কোগতো কিল্লান্তবহণ কেনবৃদ্ধুখা। । আন্তনো ন তথা ভিন্ন বিশ্বমান্তবিনিগতি দ্বাংলা তরণ, কেন এবং বৃদ্ধুব বেরণ কল হইতে ভিন্ন নহে, সেইকণ আলোপানাবে বিনিশ্বিত বিশাও আলো চইতে ভিন্ন নহে ।। ভ্ৰমানো ভ্ৰেম্বেৰ পটো মধ্বিচাণ্ডিত: ।

ৰণি অন্ধানে বিভাৱ করা বাগ, ভাৰে বহু বেৰণ প্ৰযাত্মই হয়, পেইন্নপ খণি প্ৰ-ভাবে বিভাগ কৰা বাগ, ভাৰে ক্ৰমণ্ড আন্তা ৰলিয়াই বিবেচিত চ্ইৰে।ধা

मानाज्यातारम्ध्यमः जन्मिनः विकाशिक्य स्था

মধ্যেক ক্রা তেন ব্যার্থের পর্কতঃ : তথা বিধাং মার ক্রাং ম্যাব্যাথ্য নির্ভাবন কল

ধেতপ ইক্ষমে অগজিত শৰ্মধা ভাছার বামাই বাাল, সেইতপ আমাতে অবধিত (অধান্ত) বিশ্বত আমাত বারাই শবিক্তমে ব্যাস্থা ল

আন্তান্ধানাত্ লগৰ্তাতি আয়জানারভানতেঃ গুলুজানাগ্রিচাতি তথ্জানাধানতে নাই ৮০০

আত্মার কান না থাকিবে লগত প্রতিকাক হয় ; আক্সান চইলে তাও প্রথম ক্রাভিকাক হয় না ! বৃশ্ব হথার্থ ক্রান না ইইলো, ভালাকে পূর্ব বিদ্যা আন হয় ; বিভা বুলুর হথার্থ ক্রান হইলে নূপ আর ক্রাভিকাত হয় না গ্র

প্রকাশে। যে নিজং রগ্য নাতিরিংকাস্থাহং

ভয়ঃ। সনা প্ৰকৰ্ণতে বিধঃ ভইছেডেডে এং বি ক্লো

নিজাবোধই আমার সাপন সক্ষণ ; আমি নিজাবোধয়াত কইতে অভিনিত বিস্তৃতি নজিও কমৰ যে প্রকাশিত হয়, তাহা আমার চৈতঞ্জ ক্টাডেট , (অক্সা আত্তিক্তক না লাকিবে জগং ৰ থাকিত না) চে অহা বিক্লিডং বিশ্বমজ্ঞানকাছি ভাসকেশ ক্ৰাম গুৱেলা কৰি মজেটা বাবি ব্ৰথ্যকাৰ

यथी (अ)

পংখা, এই জগত অন্তাসবৰ্ণতঃ আহাত নিকট প্ৰতিদাত বয়। বেছন (অন্তা-বেশতঃ) ভাজতে বৌপা-ব্ৰম, বজাতে সৰ্প-ব্ৰম অধবা ক্ষাভিত্তৰে (ম্বীচিক্সর) অধ-ব্ৰম কৃষ্ণ। মধ্যে। বিশ্ববিভাগতিখা মধ্যেৰ সম্বাহ্যবিভাগত । মুদ্দি কুলো যাকে বীচিঃ সমধ্যে কটকং ব্যান্ত ।

এই লগং লামা হইজেই বিকল্পিড (উংগল্ল) এবং লামাজেই লগ্নপ্লাপ্ত হউবে; হেমন দ্বিকাজেই কিন্তুল মৃত্তিকাজেই কিন্তুল কলন মৃত্তিকাজেই কিন্তুল কলন মৃত্তিকাজেই কিন্তুল কলন মৃত্তিকাজেই কিন্তুল কলন কলেই কিন্তুল হৈমন কৰ্ণ কহৈছে বিনিক্তিত বলাহ কৰেই লব লাভ (১০) আহোকাংগ নামা মছাং বিনালো কানা নাজি কে। ব্যানিজ্বপ্রাক্ত কলালেক লি ভিকত: ৪১১।

भारतः। स्वामात्रं सहिमा। सामास्करे नवकावः रहरहसू स्वात्कस्य स्वतं विनदे करेरकस्य सामाद नाम नारे १८५। भारता सक्ष भारता सहस्यादकाहः राष्ट्रवास्ति। स्वति त्रका नाजना सत्तार्थस्यस्वस्थितः १२२॥

কুৰো! আমার মহিনা! আমাৰেই নগৰাব! থেছেতু (মানাবিধ হৰ-ছাৰাল্ডঃ) কেবানে কবিলেও আমি একই। আমি কোবানত মানিও না, আনিও না। সকল জ্বত ন্যাণিয়া কহিছাছে। ১২।

मारा चन्द्र नामा नक्षः प्रामा नामीत महत्त्रः। सन्दर्भगत्त्रीत्वत तान विष्यः विद्यः गृष्टम् ॥५०॥ भारत स्थापाद सहिमा । सामात्करे नमकातः। যে-হেতৃ আমার স্থায় সক্ষাতা আর পাহারও। নাই; আমি স্পর্ণ না করিছা তির্থাল এই সগং ধারণ করিয়া বহিয়াছি।

भरतः भरूर भरमा मक्र करा रम भावि किक्स। भर्षका समा रम भर्कः वर्ग वास्त्रसम्हात्वम् १५०० ।

লাভা আমার মহিমা, সামাকেই নমন্বার । বে-হেন্তু আমার বিছুই নাই জন্মা বাহা বিছু বাকামনের পোচর, বোহা সম্প্রই আমার। (ফেহেন্তু জামি আছি বলিগাই সমত আছে, আমি না গাকিলে কিছুই খাকে না)।

কানং ক্রেবং তথা ক্রাড। ত্রিবরং দান্তি বাক্তরমূ অক্তানাস্তাতি মকেনং গোহ্বম্থি নিরক্তন ১৮০।

ফান, জেহবছ এবং প্রিজ্ঞাতা এই
জিতঃ বাত্তবিকশক্ষে নাই। এ-সকল অঞ্চানবশতঃ যে আমাতে প্রকাশিত হয়, সেই
আমি নির্মন (সর্প্রধার মলিনতাস্ত)
পুরুষ: ১৫।

देवसम्बद्धाः इत्थः नाक्षणनाचि दक्षणम् । वृत्तासम्बद्धाः नव स्मान्यस्य विकासम्बद्धाः ॥५०

मारहा ! मकन इत्रयंत्र पून माभारत देवल-कानकण आणि । वाध्यिक श्राम और श्रीत्रकं-भाग स्थार भरतार प्रिशाह्ल, स्थाप स्थितीय नियान देवलगाराज---और कान गाविद्युष्क देवलगारिककृष्णाविस्थाद्यावर स्थाप दकामक स्वस् मार्ग् । ५०।

ৰোধয়াকোৰ্হসঞ্চানাত্পাথিঃ করিছে। মধা। এবং বিষ্ণাতেঃ নিভাগনিবিকিকে ছিভিয়াৰ

8597

আৰি বোধনাত্ৰ (চিমেকপ্ৰত্ৰণ)। আমিই অজ্ঞানবৰ্ণতঃ বৃদ্ধি, অংহার, মন প্ৰঞ্ছি উপাধিয় কয়ন। কৰিবাছি (গুদ্ধানাই কুৰং অভিভাত হয়)। এই সভ্য নিজ বিচার করিলে বৈভত্তানি বিদ্বিত ধইবে ও চিৎ-বরণে অবস্থান ঘটিবে ১২গ

আহো মনি স্থিতঃ বিশ্বং বগুড়ো ন মণি ক্তিন্। স্থাৰ ক্ৰেছিলি মোন্দেং বা জাকিঃ শাৰা

নিংগ্রা। ১৮।

অহা । এই মধং আঘাতেই অবস্থিত
(অধ্যন্ত)। শাহাহিক শগকে অধার ইয়া
আমাতে নাই (কেন না আমি বর্মপ্তঃ
বিশ্বক হৈতেজ্বার)। আমার বর্ম নাই
(অভ্যাব) মোলও নাই। হালি নির্বাহ
চইয়া নাই হইন। (অভ্যান উল্লাখ্যাতে ছিন,
কিন্তু তথ্যিসারের ছারা আমার কান ক্রমিনে,
উল্লাহ্য কোমার থাকিবে ?)। ১৮।
স্পতীর্মিনং বিশ্বং ম কিন্তিখিতি নিন্তিত্য ।
ভ্রতিয়াত্র আয়োচ তথ্য ক্রিন্ ক্রনার্না

। ১৯ ৫

আবাৰ সমীয়ানি সমগ্ৰ অগথ কিছুই নহে

—ইহা পিন কৰিয়াছি; আমিও বিভৰ্টেডভমাজ; তবে এখন বৈত্তপ্ৰান্তিখপ কল্পা কোৰায়

থাকিবে ৮ (১৯)।

সমীয়া প্ৰতিক্ৰান্তিখন কৰ্মাণ্ডী তবং তথা।

भवीतः वर्धनद्रत्यो तष्ट्यात्यो हदः छथा । कक्षनामाज्यस्टर्दरकः विर त्य वाद्याः विनाचनः

শরীর, বর্গ, নরক, সংসাধ্যক্ষন ও তার।
ক্রীর, বর্গ, নরক, সংসাধ্যক্ষন ও তার।
ক্রীর স্থানি এবং অনিটের ভর এ সম্প্রই
ক্রীরারার। ভিংক্তপ আমার কর্ত্তর কিছুই
নার। (অবিদ্যাবশতঃ বারারা থৈত সীকার
করেন, উলোগেরই বিকিনিবের সানিতে হয়:
ক্রেন না উপ্যাধের অক্তর প্রতি ক্রীরা পালন
ক্রিতে হয়। ধারার প্রক্রে অতি ক্রীরা ক্রিয়ের
ক্রিতে হয়। ধারার প্রক্রে অতি ক্রীরার ক্রিয়ের
ক্রিয়ে ক্রেনার সানিক্রের ক্রিতি ক্রীরার
নারী। ক্রেন্ন না, নিক্রেরিবিলার ক্রিতর্থনি।

चारक्ष अन्तरम्हरूक्षेत्र व देवत्वर भभारका यस । चत्रशक्षिय नःजुल्हर क विविध कर्त्याशीक्ष्म ॥२३४

অংকা : অবৈত্যকী আনোর নিকট এই স্তানসমূহের মধ্যের বেন সমস্ত অববাসাহ করিয়াছে : (নিলাকুডবস-সমূহের মধ্যে) কোবাল শ্রীভিবন্ধন করিব ৮ (২১)

माहर त्रदश म त्यात्राका कोर्या माहण्या हि हिर । व्यथ्यसम्बद्धित सम्बद्धानीमा कोर्यिए ज्यान

আমি বেছ নই, আদারও বেছ নছে, আমি ভীব নই, আমি কেংল চৈতক , ইতাই আমার বছন হয়, আমায় জীবনে প্রভা ছিল। ২২ ।

च्हा ज्वनक्रातिकवितिहेशसम् अस्थिएक्। यथानसम्बद्धारको विस्तवास्य अनुमारक ॥ १०४

আমি হৈতক্রমচ্যাবি। ইহাতে চিডেল বাষ্
বেহন বহিতে লাগিল, অননি নানাট্রিং বিচিত্রভূমনত্রপ ভারথসক্স প্রকাশ গাইল। ২৩।
মহানস্মহাজোধী চিন্নবাতে প্রশাস্তি।
অভাগ্যাক্ষীবর্ষাতে। অগধ্যেতে বিনধ্বঃ

মজন হৈতে সমহাৰ্থবৈ খান চিকাৰ প্ৰপায় হয়, ভাৰে ভাগাহীন জীবৰণিকের অগ্নান্তৰ বিনাল পাছ। ২৪। ব্যানস্থান্ত ভোগাহীল জীবনীচন: ।
উল্লেখ্য ক্ষি প্ৰতিক্ষি আবিশ্যান্ত প্ৰভাৱতঃ ১২৫।

আন্ম কৈতন্যবংগিব , ইবাতে জীবৰণ ভাৰত্যক উলিড ইইতেছে, প্ৰশাস্থ আন্ত কলিতেছে, শেশা কলিতেছে ও বিদীন হইতেছে।—ইহাই জীবৰণ ভাৰত্য কাৰা ২০।

উদ্ভি এইবেজগীকার শিক্ষোধান-নামশ বিভীয় একরণ। (ক্রমশঃ) শ্রীবীবেশ্যক শামী।

ঈশ্বরের অভিত্র।

ক্ষেত্র কি আছে ভাব ?' নাজিকেতে কর,
পদে পদে বার নবে পার পরিচয় !
আকাশ অবনী বারে করিছে বিকাশ,
নাজিকের কাছে ডিনি হন্ অপ্রকাশ !
ক্ষে ক্ষা তাহগণ ভারা-সমূহর,
এইডানে মহেশের নাম সহা কর !
মধ ন্দী বছাকর উন্নত ক্ষর,
চুল-ক্ষা-ডক্ষাত্রি প্রকৃতি ক্ষ্মর,

পশু পদ্দী কীট বত পশুল-নিচ্ব.
কেইট উলোৱ গানে বিষয় ত' নয় !
নাৱের প্রত্যেক কার্যে হার অধিয়াল,
কি করে উলোৱ সন্থা মোরা করি আন ;
আই পরি চলি বলি হারার কথার,
কি করে কুডর ইয়ে জুলিব উলোৱ ;

क्षिक्वमध्यक्त त्याव।

नवीमादलाक।

মন্ত্ৰে স্কারেছিল কি মহাসকল !
কাগিল ভূহেলি ভেলি স্বিভা উজ্জল !
আৰু এ ব্যৱহাকালে ঘূচিল ভ্ৰমা,
ভ্ৰান্তম মৃত প্ৰাণ সন্তিস গুৱহা;

পুনিদ নহনে এক নবীন আধ্যেত, হেরিপ্ন ভাষার মাধ্যে অন্তর অপোক দিবাধান পুরী এক মনোহর অভি; করি তুনি আদি ভাহে আনন্দে নসভি। ভীমতী শীরোধকুমারী হোব।

হিল্পুর তীর্থ-নিচর।

(পূর্কপ্রাকাশিকের পর)

टाम्बर्ड (टान्स्ड)~~

ইংং বী ওজাল-প্রলগার 'বেড কোষাটার'।
এগানকার জন-সংখ্যা ৮৮০৮ । ছান্টাডে
২২টা বিবস্থিত আছে। তীর্থ করিবার
কয় কারতের প্রায় সকল হান হইতেই
একানে লোক সমাগত হয়। স্বায়ণকা
প্রাতন মন্দিরটা বৈদ্যনাথ বা বাইজ্নাথমামে থাডে। ভারতে বে সকল বহলুবাতন
প্রতিক আছে, ভর্গো ইহাও একটা। মন্দিরভলি উচ্চপ্রাচীর-যারা পরিবেটিত। সন্ত্রে

বিবাশি অখন। বিজ্ঞাপুরের অনৈক সমুগ্ত সংগালর কথা টাকা বাছ করিরা মন্দিরগুলি প্রেছত করিরা দিবহুরি বাজীত অবলিই সকল মন্দিরেই শিকহুরি আছে। উজা ভিন্তী মন্দিরে পার্কতীয় মূর্তি দৃই গুইয়া থাকে। শিক-মন্দিরের শিবহুরে পের ক্টার মন্দিরের চুড়া পর্যক্ত এই প্রক্রিয়ার বিজ্ঞানি বিশ্বাস্থিত রাজি বাছত করি সমুদ্ধি করিছে বাজি বাছত করিন কাপত, কুলের যালা, ইত্যানি বিজ্ঞানিত থাকে।

পিবলৈ হিন্দা গ্ৰমণ্ডল বলিলা মাজিলা पारक्षा अस्ति। इत् विक प्रश्विकान्यास्य enung i full model, fauntleufers কালাক্ষার অবহানিপুত, খুবত স্থাব্য। ভাষের কোন আবার নাই, আন্ড ভিনি শাহ্মাকার-বিশিত্ত । কালের কোন স্তাপ মাই, অধ্ব ভিনি স্থাত্পৰাৰ : काशह वर्षेष्ठर भीति । यं प्रदेशीयाः । स्वर्थर-मध्यादेशः । স্ট্রের, পালর, মিখ্ম---র্যন্তলি কালের এক প্রকার অবস্থা। অপর কটোত, অবাস্থত, বৰ্তমান, ইয়া- ভৰবভাৰণে পৰিস্থিত हरा। बामा (सोधन, एका-कोब-स्थरक वर्षे তিন অবস্থাকেও কাত্রবন্ধ বলা বার। সানাম, অৱশ চইয়াও ভাল শ্বান্য ও দর্মক্র-दिनिहे। अञ्चित्रान्य, कांग पूत्र क्रोडि पून এক কুম ক্টাতের পুঞ্জারণ স্থাতিকুল পর-भागू क भूमार्कियून कहानि ; (बदार कह बहेरक क्ष्मच्यात्र, प्रश्वत करेटल जिनाएक, वृत्र करेटक बदमन, १८मद्र इहें ए यहन, वहन क्वेट चंडू. পত হইছে মান, খান ক্টাড পৰ, পৰ-इक्ट्रेक्ट किया, चिया वर्षेट्ड श्राप्ता, श्रदेश करेटड शामार्क, नामार्क करेला वहुर्व, बहुर्व करेला भन् मस बहेटल पूर्व, गुरू वहेटल दिनन, विश्व शहरात अञ्चलना, अञ्चलन १६८७ करा, কলা হইতে দিওলা, বিক্রা এইতে ক'ঠা, े काई। इहें। ज मिट्राय, मिट्राय हड़ेटक चन, चन BECB MACON, MARCON FROM MY, MY हेंद्रेर**ए अ**च्यान है सामि ।) खेरे बर्ल हें के रूप-ক্রেপ করেবল অলোক অনুসূত্র। আল ব্য ভূত-कारकार-वर्धभाव-विकासकती, अकारत जिल विरायाहत-बिलिटे - जन्माच कवावनाय निधन-লাম লেখে তত বৰ্ণিয়া লিকসকলে বৃদ্ধবাদা

ৰ্ণিত চট্টা লাকে ৷ কালেজ প্ৰান্তালিকাৰে ফলং প্ৰশাস্ত হয়; ভালনেনিকে লিব কৰা ভূগণ। কালে জীবনিকালের কলাক্যালাটে कतर पश्चिम्मं दश, अक्षत्र भारतमार्गकात्र विशे ক্ষাল্যালী। কালে নতুৰ্বন্ধ্য অভি দুৰুল্ট্ विष्ठाविक वर . अन्यावन लिववर्गन अञ्चलकारी মহকণাল গাছিত ৷ সুক্তিকালে জাদ-সকলো প্রসালা কাল্ডবে পরন করেন, আরু धूनकीय मालर कन ना, क-कारक सिवटक वशक्तिवानव विवश द्याच्या क्या ३४ : ४००-মিন অপানকমিতে মহালেখন কংগ্ৰেক আন্তৰ্ভ কারণ এই খে, কাল্ডপী পর্যন্ত স্কান্ত্রেক টি चाव मुख्याना-शावत्वत वह कावत ता. काटन সক্ষ জীবেরই শিব নিয়ম্ম হয় : এডাছ-দুৰ্শনাৰ্থ ভ্ৰমুৱেল^ট নৱপিৱেল্যাল্য বিভ্ৰম নীলণ্ডভাপে কালের কালিয়ার আকলি করা হুইছাছে। জালের অস্তিভিয়ালা স্থা-স্যাপকা হয় বুটা অক্ষকা শিব দিয়ালা হুটায়াডে ব এই বিশ্বস্থায়ীর ঘতে আৰু ও গতে উপকরণ चारक, त्य शकत व्यक्ति प्रधा व्यक्तिमान व्यक् মহাত্ত্ত ৷ এ-কারণ কালগ্রণ শিবকলেঞ্চ প্ৰকাৰণৰ পাত্ৰে ক্ৰিড আছেও কালেয় অংশাঘ্ৰীৰ্যাতা পাদ পাদ প্ৰপূৰ্ণিত হয়; এড়ালে মাওমাগম-মধ্যম প্রক মির্ছার কারেছ প্রধান প্রিক । দেই নিছতিই লিখের জিল্লা 🖯 ভোগা কোনমভেত বাৰ্থ হয় না : শৰ্মাম নিয়া-, किए व्यक्ता कांग्रहत (कार्य भारत्म मार् मिनि १५ वह छुताबा व दिख्य ५७ व ना ८६मी, with their face on a sixth bearing) কাল নিব্দট অবস্থান করে। এই-কেন্তু শিখ মাজিকাদর। ভূমদক্ষর শালের স্থান্ত *র* ক্রবারৰ লিব সদা *ভূচসাভা*ষ্থ **সানস্বাধ**্

ম্চাঞ্চল শিবরূপ; তারার বাহন বুব। बकारचं देशके द्वा शहेरत्या ६६ आने रक्षन কম ধর্মকেই আরোধ করিবা পাক্ষেম : অভন্য বুবৰণ ধৰ্ম, জান্ত্ৰথ শিবকৈ সঞ্চল বুধন ক্ৰেন : অধ্যৰ স্থান্তল্পালে কল থাজিত তথ-ভাবের সমাক মন্ত্রাভ হয়। কোন কোন মতে শিবকে চড়ড ক কলিয়া বৰ্ণনা কয়া হয়। ভারতে চক্**র্য**র্গই নাকাং প্রমাণ ettere i ব্যা---"প্ৰভাগগৰাতীতি হত্ত-शिष्ठप्राप्ति"। (ए एएए मूथ, त्याहे एकहे न्याम, অর্থাৎ স্কাভিদার-পুরক স্পস্তা। হে करण कुठाव, त्यारे १७३ भर्व : चर्चार विका नक्षमारन बाब्द कि जेवर्डलाड ब्रहेरच शास्त्र मा। त्य-१८७ रह, ताहे १७३ १६। वर्षार किता गार्च विकास भारत किमार्गन हर जा। (व इत्य भक्त, तारे रखरे (माण। वर्षार विना त्यातक कीरनव कश-नाकि दव अह। चल्द्रव कामगुर्के ८६ श्वयाचा निय, फाराटक नत्यह नार्थे। एक एक निवास वसवाह-क्ष्मिल धानि करवन । खन्दर्भ कारमध क्य म्पॅक्टिकरे विकृत चारक । पर्णावश कन्न-शाहरूव वर्ष, बाबा एरेटड काटन कीटवर माटमान-क्षम बाजा पुछा बहेशा बाटक। विकि काल, ভিনিট দলংকর্তা, ভর্তা 🛊 র্যন্ত। হতরাং, বিনি কর্তা ডিনিই ইখর ৷ এ-কারণ দিবকে नारक, बेचन परमञ्जा

देशानात्मत्र प्रमित-नगरम् ध्यमान कहे त्य, देशः (भारतम्य शर्मेष्ट विभागतः भारतः । निद-भूमानं तरनान त्य. भरतमातः कामन सम-जेनका-भारते शहेशा स्वतित्यम त्य, केव्हातः सङ्गीतिहे महोत्मयं मा शांकितम दीवान मध्य सौतिहे भारती व्यक्ति सहिताः कहे कानिशा किन्न विकास अपन एक स्वास्त्रक विकास विकास अपन एक स्वास्त्र क्षा व्यार्थना कारन । प्रशासक काराक क्षित्र मध्य करे-स्वास मा । वारन व्यापक व्यापक व्यापक विकास कारन किस विकास एक स्वास व्यापकाय स्वास किस विकास एक स्वास वानमाय स्व का कारन स्वास वानमाय स्व का कारन स्वास वानमाय स्व का कारन कारक वानमाय कारक वालाम कारक वालाम विकास क्या कारक वालाम कारक वालाम विकास क्या वालामाय कारक वालाम वालाम कारन कारक वालाम कारक वालाम वालाम कारन कारक वालाम कारक वालाम कारक ना का कारक, कारन कारक वालाम क्षाम कारन कारक, कारन कारक वालाम कारक ना का

দেবভাষা ভাবিবেন বে, শক্তপুরে ভোটি-লিক-ছাপনা ধেৰভাবিগেৰ পক্ষে কল্যাপকত **১টবে না। হুডবাং, বাহাডে নেদী না গইডে** शाह फावियाद अवजी छेशाह डेडावन कांब्रहा परुपर्वरक बायरबद् छेव्रद क्यान्य कायरक বলিলেন। বন্ধ ডাহাই ফডিলেন। বন্ধ वावर्शन केश्रत करवन कन्नित्न खावन क्रमा-বের পীয়ার অভান্ত কারত ক্ট্রা প্রতিবের। ভৰ্ম ভিনি প্ৰসাৰ ক্ষিবৰে ক্ষ পুৰিষ্টয়ে শ্বভয়ৰ কৰিলেন। এখন স্থয় বিদ্ধ पुष अध्यानम् द्वन अतिश्रह कद्विशः शायरनय गरिक पार्शनांत चावच कविरामः। प्राथक দেৰজ্ঞানিগেৰ ভূমজিনত্বি বুৰিতে বা পাছিলা বান্দ্ৰকে শিবলিকটা ধাৰণ ক্ষিণায় বস্তু शार्थमा कवित्समा । आवश्य मण्ड स्ट्रेंग्समा উধোৰ হতে শৈষ্ণিকটা প্ৰদান কৰিছা ক্ৰাৰণ ল বালাৰ ক্ৰিচ্ছে গখন কৰিলেন ক্ষিত্ৰ প্ৰজ্ঞান্তৰ্বন

কৰিয়া তিনি ব্ৰাহ্ণ ও খ্যোভিনিগটাকে আৰু দেখিতে পাইলেন না। অংশনং কৰিছে ক্ষবিত্ত ডিটন বেখিলেম বে, কেখানে তিনি অৰতবৰ কবিবাছিলেন ডাহাব বছচুবে নিশ্চী ভাপিত বহিষাহে। দিশ্চী উঠাইবার ঋয় তিনি অনেক চেটা কৰিলেন, কিছ विकृत्स्वरे कृतकारी क्षेत्रेष्ठ भावित्सन मा। অবংশবে হড়াশ হটাঃ বলপ্রয়োগ কবিংল লিকের উপবিভাগ জালিয়া গোল। বাৰণ ভগন প্ৰণত হুইয়া ক্যা প্ৰাৰ্থনা ক্ৰিলেন अवः चक्रीत लाटगर आर्थन्टरस्य वश्च अकार ভিন্তে চইতে প্ৰোধক সইবা অংশিয়া লিখেত অর্চনা করিছে বালিখেন। লালের ভনা প্রত্যত্ত ভিয়ালয়ে কমন করা পঞ্ বিধাননক ভাবিতা হাৰণ দিকের দৃদ্ধি-करते अवसे कृत धनम विद्या काश नवन ভীৰ্ষের জনের বারা পূর্ব করিবেন। বাকা বে-शास्त्र नृषिशीटक चनल्यन करियास्टिनम फाहार नाम "हरमाखुती"। (मन्त्रमद स्टेंट्ड ইচা চাৰিমাটক দূরে অক্সিড। বে ছানে দিল্লী ছাপিত হয়, তাহার নাম ছেওখন (মেৰ रव) । निभन्ने देवसमाय-नार्य याचि ।

প্রপ্রাণের মতে রাহণ আছপের হতে
বিহলিকটা অপনি করিলে আছপ নিহিঅক্সানে ক্ষেণ্ডক-বারং ভাবার পূজা করিবা
ক্রেনে করিকেন। অর্চনাকালে তথায়
ক্রেনে করিকে ইউনে, ভাবা ক্রিনা আলিকে
ক্রিনে করিকে ইউনে, ভাবা ক্রিনা আলিকে
ক্রিনা বারণকে বলে এবং সে ইবা
ক্রেনে নে, আছল ক্রেন্ আর কেই নচেন-ক্রেন্
বিশ্বনা প্রবাদ কর্মন বার্থারা এইটি কুপ সন্ম

ক্রিয়া পূজার জড় নর্জতীর্কের ক্ল-বারা ভাষা পূর্ব করেম :

অভান্ত পুরাণের ফতে বৈভানাথের সন্ধা দ্ভাব্ধ বইতে চলিবা আমিকেছে। সভী বক্ত ৰ্জে প্ৰাৰভাগে ৰভিগে মহাদেৰ ভাষাকে ত্রিপুলোপরি ক্ট্রা উল্পেবং শ্রমণ করিছে লাগিবেৰ ৷ বিষ্ তখন চকৰাৰ৷ স্থীবেছ ৫২ বঙ্গে থানিবা করেন। সূত্রীর বে বে ধন্ त त शान शुक्ति हर, चारा अर अस्त्री শুক্রপুরে বলিয়া গণ্য হইবাছে: বৈল্যনাংগ নতীয় হংশিও পৃতিত হয়। আৰু আৰ্থানিকা धरे ए, महासूत्र प्रशंदन क्यांकितिय-करण বালাটী স্থানে আধিকৃতি হনু। ওয়ালো বৈদা-माथ वस्ती। मछी वहे निय भूषा परिया-ছিলেন। তিনি কেড়ভীপুপারণ পরিবার ক্ষতিহা শিবের উপর বাস করিতেম, এছপ व्यक्तिम क्या यात् । व्यक्तिक 'देशकार्यम আৰু একটা নাম কেডকীবন।

বৈদ্যনাথের যন্তিয়ের প্রতিকে সহকারী
রাজা ও কলিপে নংবতথানা। অধ্যের উত্তরপূর্ব কোবের স্থিকটো একটি কটক আছে।
ইয়ার উপর বনাইনির বাজা পল্লানক একটা
বর্ম তৈরার করিয়া বিধাছেন। উক্ত কটকই
মন্তির-প্রবেশের প্রথম বার। অধ্যনের উপ্রথ প্রান্তে স্থার পান্তার বারী। যে গ্রহে লিকটী
ক্রিক্ত স্থার বিধা ব্যবহার পূর্ব। সৃহাজ্যক্রেক্ত প্রথম করিয়া হঠাও কেছ বিধাই
ব্যবহার পান্ত হা। তুইটা প্রকল্পীপ নিজের
সন্ত্রে ক্রিয়া থাকে।

দিন্দ্রীর প্রবেশবারটা চাননীগুক্ত। সম্মিকটো প্রকাস বল-বৃতি দৃষ্ট হুইবা খাবে। ভাগের ভিতর হুইকে একটা ফ্টা বেরাজ্যাবার লভিচাতে। মনিবে জবেশ করিতে ধইলে
নিক্তারিকার ভাইটো বাজাইচা এবেশ করে।
কিন্তারিকার এই কার্যনী পাথাই করিবা থাকে।
বৈদ্যান্ত্রের মান্তরে জন্মন আগত ১১টা
ক্রাক্ত মনিবে আছে। ভাইটিবের নাম :—
(১) কৈন্যান্তর, (২) কর্মীন্যারাহণ, (৬)
সাবিকী (তরি।), (৪) পার্কারী, (৫) কালী,
(৬) গলেল, (৭) প্রেটার্কি, (৫) কালী,
বাসচল্ড, (১০) ব্যলাবেবী, (১১) অন্তর্শা
বাবং (১২) অন্তর্গান্তরব।

উলিপিত মন্দির বারীত ছুগনাবের মন্দির এবানে দেখা বার । কৈবলানর ওকা-নামক কনৈক বাজি একটি ছৌগানিবিত পঞ্চুমী নিম ধান করেন। মনবাধকরীরও একটা মন্দির এখানে আছে। একবাড়ীত ভিন্নী বৌধসুত্তিও বৃট হইবা খাকে। এই মুর্তিরের হিন্দ্রেগজারেশে পৃঞ্জিত। ভল্পথে লোকনাথটা কার্ভিকেম্প্রাপ্তের কুইলেশে ভ বৃদ্ধৃত্তিটি কান্যভৈরবন্ধণে পৃত্তিত। ভ্রত্তেহে।

দশিবের প্রথান বারের কর্বে একটা মূপ কাছে। ইবা চল্লকুপ-নামে ব্যাক। বাবণ ইরাকেই সমস্ত জীবের অবসার হারা পূর্ণ করিয়াছিলের। মন্দিবের ক্ষরনার মন্দিব-প্রতিম বিকে একটি বিস্কলেট কাছে। ইবা একটি পাকা বাপের উপর ক্ষরনার । বাপটা উল্লেখ্য হব কিট এবং চতুকোণের পরিবর্গী ২০ কিট। বাপের উপর জিন্দী বৃহৎ অভ ক্ষাবম্বান কাছে। অভ্যতিকে মূজীবের মূজি বোহিত। বোধ হব, পুর্মের ব্যাক্ষরার কার্য জীকুল্লকের ক্ষাক্ষে ক্ষাক্ষর। প্রয়ান

এই বে, বাংশাস প্রস্রাধই ফর্মসাশা নহীক্ষণে প্রস্কুত হুইয়াছে চ

नृदां देशक्यक वश, जूको, स्थान खेका | পারবৃত্তপুর । পুরা সমাপ্রাত্তে দেবভাতে টাকা বা কর্ব সাধ্যাপ্রশারে কর্কাটডে ছার। জান ৰেৰভাৱ সংস্পৰ্যে আইসে না। ধনাচা ব্যক্তি-त्र पाकी, (वाका, नाक्ष, क्यानवाद ইত্যাদি দেবতার ভেট্ছিয়া খাকেন। বছি তেহ ভোন বাদ পরে বান করিতে চাবে, তবে मिहे रुप्तम नाम विवनत्व निविधा नकार-कारण करन कानादेश त्रवता हव। अह লেবাই ভার্থকামী ব্যক্তির পক্ষে হথেট। একবার বিষশ্যে লেখা ক্টলে কেচ কেচ-তাকে প্রভারণা করে নাব শিব বিছপ্ত, बन, हम्बम जरुर शूरणाई मधडे क्र'न्। उत्प বিষপ্রকৃতি (ডিউর) পর্বভের इस्टा हारे। कल-नवस्य द्वायन-वनिक-कृत्या-मकह गरवडे । ७६व वर्गातनाथ वा मानव-महाहा-नरमुद्र बाग नर्मार्थमा वापता ।

ভোগিপা বোগমুক কইবার ক্ষ এখান নী কলা বেছ। তাহারা প্রস্থাবে শিবসকা-পুর্বিশিতে পান করিয়া শিবসিবের পূঞা করতঃ বারাক্ষার শরন করে। প্রনিন কলাতে ভারারা গালোকাম করিয়া মুখপূর্ব-ক্ষপথার পান করিয়া পুনরার শধন করে। এইরপে ভিন চারি দিন হভাা বিলে তাহারা করে বৈহানাথের ভাষেশ পার। সেই কালেশগত কর্যা করিলে বোগমুকি কইবা হাকে। বাহাপিশের রোগ অসাধা ভাষা-দিগতে করে ক্যাবর বে, 'কুমি মোগমুক ক্রিমে না' ইত্যাদি।

স্পুত পুওকে বৈধানাগের স্থানক কৰি

च्यारक ;—पन्त, वासकाचीते, द्वासन्त्रम, त्काडकी-श्रम दक्षिककीयम अवः देवश्रमान । यनरावरण च्यामीर देवश्रमान मारको गत्राक ।

(:পূৰ্মবন্ধ ও আসাম)

শোহায়ালয়া :

প্রবাদ ও আসাধন্তি বাকরগরের সাকভিতিস্থার ইয়া একটি প্রাথমার । এখানকার
লোকসংখ্যা এনচ । এখানকার করিয়ার
রায়ক্তর রায় ১৭০৮ খুটাকে মহারাটার সৈত্তবল্পে সুক্তে প্রাক্তিত করেন । এখানে একটি
শিক্ষন্তির আহে । প্রবাদ এইজপ্র যে, এখানে

সভীর নাসিকা গড়িও হয় । স্বজ্ঞান, ইয়াক একটি শীঠকাৰ বলিহা পরিগণিত ।

চাকা-দক্ষিণ

আস্থানের সিলেট (কীছট্ট) কেলার একটা আম্ মানা । বৈক্ষালিখনের ইলা একটা কলিছ কীর্বাছালেন। এবানে তৈকনা-সলারাজু বান করিলাছিলেন। ভৈত্তকানের মন্তিরে অনেক ব্যান্টিই প্রাক্তিবনের স্মাধ্ত হয়। পঞ্চয়কে ক্লাভাল-নামক স্থানে একটি বিক্সালির অর্থাছত। স্থানী বুবই প্রাদিত। (ক্রমশাঃ) বিশ্বস্থান্তরী বেলী।

মমিকা।

(পূর্ববাদাশিকের পর)

(24)

स्वाधार द्यालय रणाया स्थान निर्मेष प्रश्नाव प्रमाण प्रदान प्रमाण प्रमाण

महत्तव दाश महत्त महिया पांकः। हर क्रमधन,
ट्रांचाव क्षत्रम द्यांतिहेत् क्षत्रम केक्क्यन्तीश शाक्त्य, देशके कार्यमाः माश्रावत कार्यम्य वाश्राकाश्याति व्यावाश्यात्र केट्ड, ट्रांचाव शाक्ता-क्षत्रमाति वश्रुक करेटक्टः। कार्या एस्त श्रित कार्य क्षत्रदा क्षत्रिक शाक्षा त्रम्य द्रश्-द्वार्यय काम ट्रांचाव शास्त्र कार्यमा विद्या, त्य द्या ट्रांचाव कार्यमान कार्यमायात्रस्य क्षत्रके माश्रमायक मध् क्षत्रमा अवेटक शासा। हराहे कार्यक्षित करः।

প্রত্তে আহারাদির পর রশীলকে নইছা বিহানার আসিরা নমিন্তা কিন্তক্তার অব-আনে বিশুর সংব্যাখনের স্কিন্দ বৃথিয়া কুনীল স্থাটবার অনেক পরে অক্তিন্দ প্রতিতে সুমাইছা পরিয়াছিল। অনেক রাজে কুরার খুল কাজিরা কেলে লে কুনিল, কে বাছিল হইকে অধিকেছে—শ্রীষণনাৰ, বিষলনাৰ !"

যঠনটা খেন ক্রকমরের বোদ হইল। চট্
করিরা মাধা হইকে নিজারের ছটিয়া গেল,
লাইরণে অগিবা নহিতার মনে হইল সে,
বৃথি বথ হেবিতেছে। কারণ, আন বাজের
গাড়ীকে, এডকণ ক্রহুলর ও বেশে চলিয়া
দিবাছে ৷ কারণ এ চাকে কে দু মন্ত কেই দু

' বাৰায় ভাক ভ্ৰিতে পাওয়া গেল,— "বিমলবাৰু, বিসলবাৰু।" এতার সন্দেহ নহ। --- मिश्मश्या मेखा, क्ष्यक्षत्र वार्ते । महमा নমিতার আলাসময়ক কেম্ম একটা ভয়-**क्ष**क्षार काल्य हरेडा श्रम । ८१ वृत्यप मादह है। है कि को हैं वा आवमान करिक्कि यांचिका निकृष वहेका लिएका बहिन्। ८न नित्म बाका दिस्त भारतम भारत वा भारतीत परव যিহা নিজিত বিষশকে আগাইকের নাচন করিল বা। আৰু চারিছিক হইতে খোঁচা vient, wiele unb: facun mitete-নিভীকড়ার উপর ভীর বিমুধ মইবা উট্টেরছে 🛚नदम रिचारम, अनाक भिष्यम मुस्कितिया, বড় উল্ল আশাৰ অগড়ের সহিত অফণ্ট বৌহার্ছ। স্থাপনে সে অরসর ধইয়াছিল, কিছ পাৰণাৎ যে এমন উপ্ৰ-বিকট-ভূৰ্যভূমত ক্ষিক্তে আপ্টা চোৰে মূৰে লাগিল ভাছাৰ শাভিশাক্ষা ধিনার খবিরা বিরে, ভাল ভ ভাষার জানা ছিল না। বিজ্ঞ, বৰন দে ক্ষমিরাটে ক্ষম কাই বুলোক্স প্রকাশ कत्री नक्षा क

উপর্গিরি ভাক গুলিয়াবিমলের নিজাকত হটল। সে উঠিয়া রাখ্যর থাবের কামালা ব্লিয়া রাজ। দিব। প্রবৃত্তর বলিব, "আমি তেক্সারী কলাউপ্রভান মিন্দ বিধেন কাছ বেকে আৰ্ডি: দিনিকে উঠিছে দেন ; একটা কিলা আছে , যেতে হবে।"

একটা প্রিক্ত আগ্রহ নাম্প্রায় ব্যক্তর
মধ্যে চথকিয়া উটিল। ''জল।'—এফরানো
কিল'!——নিক্তরই পুর গুরুতর আলোমন।
সে নিশেশে শ্যারে উপর উটিয়া বলিল একং
উৎকর্প কইলা গুলিক, বিষক নিজ্ঞানা
করিতেকে, ''এখনট বেতে ক্লেণু' বারি চটা।
ধে বারো।'

উত্তরে আরু এক ব্যক্তি ব্যক্তাবে বলিন,
 "ম'শাই, তবল কি দেওৱা কৰে। আভাবের
 বিপদ্ধ 'কলেয়া কেন' ভার ওপর
 অন্যতে আট্যানে প্রন্য করে প্রতি বৃদ্ধু

করে পাড়েছে, একটি নার্শির বন্ধ নরকার।
 মিনেন্ নতকে আবৃতে কেছুল্ম; পাই নি।
 ভাই আপনালের এবানে আকৃতি। গেডেই
 হবে। আন রামিটা নেধানে আকৃতে করে।
 বা চালি দেব।"

পাছে স্থীপের খুম কাছিয়া বার ধনির্না নাবধানে বাটের উপর হইকে নামিরা প্রভিন্ন, নমিন্তা অঞ্চলারে হাত্য়াইল, আন্দার ফিকে অগ্রস্ক ইইল : অসুমানে গোমান্ডাপড় একা লে আছা পরিতে নাগিল। বিষদ খালো বাতে কৰিলা ভারের কাতে পারিলা ভারিক, *(F) 1*

সঞ্চত চুটুখা নমিতঃ বহিল, চুপ !— ভূমিল উঠে পড়বে। খার্মি ছবেছি ন্য , মাহা কাণড भवंकि ८ छमि वहें बदेश शांध, मह मीत बारक केडिए पाले। ट्रेंकिंक मा : मा'न पुत्र ट्रेंटिक मंदिर ("

'বিমল জিলা লঞ্মীত মাকে উঠাইবা দিল : महायोग मा अधार हरेश व्यक्तिक। त्वने রাজে, বা বুরকত হানে ভাতে বাইডে ভুটলে সভ্মীর মানমি**ডার সংক বাইজ**। কৰে মিলেস্ বিধু গঙ্গ থাকিলে নমিতা কার্যকেশ লইড বা

काश्चिक शाम, मृत्रम नीख नाविराज्यह । ম্মিতা বিষ্ণের পর্য মনিবার চাষ্ত্রানা চাহির। নইন। এডয়াতো ট্রাক বুলিয়া ভাড়া-জাতি লাখের কালত বাতিত কবিবার সংয মাই। লছ্মীর যা বধন ভভাইয়া টিক্ ভট্ডা আদিয়াতিলত ব্যাপ্তৰ সম্ভৱ ভাটারা क्रिकेट्य क्यांनित । विश्वत काटना लहेता तटक

বাহিৰে রাখার প্রস্কর দৈ আর একটি ভছলোৰ বাড়াইয়াছিলেন। লোকটা দেশিবা-মাত্র ধান-বামানী ব্লিছা চিলিতে পালা বায়। किन अंब्रह्मभ्देषको श्रावदक । भूतिहे देवन দৌধা-সামান্তা-শবিচারক। ভাষার বুলে CSTCA केटबर्श-विकर्पजान किक कृतिशास्त्रविकार ।

বিষল স্প্রথারকে বলিব, স্থাপ্রায় कादी वालपा (श्व मा द्या ?"

কুমুক্তৰ বলিক "ন', বাজি পাতে এটাৰ

টানিয়া নামাইয়া, মধানতাই কিলাজার সহিত - সময় সিখেয় সংজ্ঞাতীকের ওখানে সেই সুঁৰ : এখন কিবে আন আবার ঔদব-পর নিবে বাজি: " (নৰিভাব এজি) "নিসু বিত, भागवात शहक बाहिककी भारत व ?"

रविका बिलल, "कांक :"

ত্ৰত্নত মলিল, "লাভে বা আছে বলে খিব মাধ্যমি কৰ্ছিবেন, কিছু মিলেন্ কাইক ব্ধন পেলুম না—"

বাধা বিবা নমিডা বলিব,"আমার ব্যাধেক ত' পুৰ ভাৰ ভ্ৰকমেই বাধা আছে। একটু नायशास कांच कव्य। छ। बटलरे बटवं । हर्नुस् कजनूरत (साज साथ)"

क । अवाद क-नाटक, मानवाकाटक ---সামূনে খাটে নৌকা খাছে।

"বেশ চলুন্"। এই মলিয়া বিমলের লিকে চাহিল সমিতা বলিক, "পুনীপ অক্সা আছে, 🕟 ভূমি জার বিশ্বানার শোওগে বাও। মাতে বোলো যেন না কাবেন্। বাজীৰ ছবাৰ ৰন্ধ THE PUR PUR

ভাষাৰা শীল গদাৰ ঘটে আসিয়া নৌকার উঠিল। নৌকা বুলিয়া দিল। চাহি-क्षत्र वैरक्ति ब्रामनन-बरण वेष्क्र वहिरक मोनिन । त्यांच देशव पूत्र शाक्षः वाक्षः विवाद-किन । जनाम किरे वन माथा जाबार अहेते । লভুমীর মা ভুগুজুবের সঞ্জিত **জালা**প ফুড়িগ ৷ অপ্রিচিক 'কাব্টির' প্রিচয় বিক্লাপ কবিহা সে কানিক ধে, ডিনি একান-কাৰ থাসিকা নছেন ;—ভাগিনেহের শীয়ার নংবাদ প্টিয়া আৰু এবানে আলিবাংছেব; * দলে মাজাও আসিয়াছেন। ভাগিনেইট যাতা निवास्त । अपन करिनी केहाकावा ।--अदन স্লা পুরপোক, ভাহাতে সক্ষাভিক-বাংখি।

ভাষার উপর অন্ধার আদৃৰ (—কেপীর ক্ষরতা) ন্ত্রীপ্র ।

ন্তিও শুমিল শুরুশোক্টির নাম কথানাথ বন্যোগাধ্যার। চন্ত্রবারু সমগ্র পথ
একটিও কথা ফটিলেন না, বিসর্বভাগের চূপ
করিয়া হহিলেন। ক্রমে বেইজা আসিয়া
গুলারে ভিড়িল। সকলে নামিয়া ফুডুপ্রে
চলিলেন।

কিছু দূরে আদিহা, যাকী দেখিতে পাওৱা পেল। ুঁ বৈঠকথানায় আলো অলিভেছিল। ছই তিন অনেয় কথায় সাক্ষাও পাওৱা গোল। ভাষারা আধিয়া সেখানে উঠিকেন।

শবের হুরার জানাকা সধ্যক; তানাকের
পৌরার সম্প্র সম্প্রানা ভর্তি হুইবা
পিয়াছে। ছুইজন হিন্দুগানী ভূতাকেরির লোক
সেধানে উপজিত রবিরাছে। তালাসের একজন
এক কোনে, মেনের উপর পড়িয়া জাপাদমজক কথন সূতি নিয়া ভূমাইডেছে। জ্ঞান
ভাজি নিয়ালন-চক্তে বলিয়া বলিয়া
ভাষাক্র' ভরিষা কলিকা পালাইডেছে।
ধরের মেকেম্ম টিকা, তামাক, চাই-কল
চ্মাকানে ছুড়ান বহিষ্কাছে। এখানে ধে
ক্ষিপ্রাম্ন তামাক, প্রতিরাহিছ্। এখানে ধে
ক্ষিপ্রাম্ন তামাক্ প্রিক্তেছে, সের্ভিন ব্যন্ত্রারাই মাজন্যনান সাক্ষা।

প্রের যাঝ্যানে ওকাপোষের উপর স্থকা ব্যর্কি ও অভোগিক, মধ্যা ভাকিনা কইয়া শুইবন বাহালীবারু বনিয়া আঙ্ম ে একজন

শীৰ্ণাকৃতি, কৰ্মা-কং, প্ৰহাত ,--- অপৰ ব্যক্তি रेतरकी काफ क्षिणान, भागेग-रमाहे। विश्वे ८४व्रविक्षंत्र पूर्वा । कीव्यव वर व्याप्त्रवाता, হাড়ি-প্রেম কামানো, মুখের গঠনে ক্লম্ম ঞ্টিছ"াৰ, কিন্তু স্থ বাজাবিক স্বান্ধভৱিৰাৰ প্ৰ্ **१५न अमिरन निर्केत-कर्मन कारण मृत्रिया** अक्तियादक् :--- दश्विदम्बे मदम् १६, दशाक्ति বানে-খুনে, সক্ষতাতেই সমাৰ সিৰুত।---ভাষাৰ পাৰে উৎকৃষ্ট পিছের কোট ও জাছার উপর অধির টাসিরাদার মুল্যবার লাল। । কিছ প্রটটাই অভান্ধ ময়লা-ধরা। মাধার স্বাত্ত क्षाकृषान इत्त हक्**हरक याचा त्रीन**्— द्वन ৭ত বিছু সৌধীনতা ও পরিচ্ছলতা হণ্ড कृषिता प्रत्मन केथन क्रिके स्थान्त्रेरकरह ! গ্ৰেট্ৰ লোকটির বেশক্তবা ধাধারণ, কবে क्रीशाय मूत-द्वारचय जाय दर्शिया चून मध्यक-চত্তৰ খণ্ডাবের পোৰু ৰবিষ্যা বৃথিতে পাৰা ধার। তিনি স্থিতা ভড়ক্তির বস্ টানিভে-८६२, चाइ मारक मारक शक्ति पुर कर घरत ভড়্বড়ু ৰথিয়া ৰখিতেছেন।

ক্রক্ষর আকৃতি বরে চুকিডেই তিনি বাত সংগ্ হইয়া বলিখেন, "কি হোল, কি বোল গুড়গ্ পেলে গুড়ব লু—বহুং আছে। ; নার্কে কি জীলাল গুমিসেল্ কর একেন্ না ব্'বা লু—"

স্থাহ্নার বলিল, তৈকে গাই নি। ছার একসন এসেছেন।" (ক্রমণঃ)

विदेशनवामा त्यारकाकः।

২০১, কৰিয়ালিক ইটি, আম্মানশন প্ৰেলে জীম্বিমাণচল্ল স্বকাৰ বারা মুখিত ও শীমুক সম্বোধকুমার গৰা কর্মুখ, ৩২ নং এউনী বাগান বেন হইছে প্রকাশিত।

বামাবোধিনী পত্ৰিকা।

No. 1656.

ургіі. 1918,

बन्धार्थं र शावणीया किस्तुवीदानिवद्यः ।

কল্পাক ও পালন করিছে এ ব্যৱহা স্থিত শিক। দিবে -

হগী। মহাকা উমেশচন্দ্র দত্ত, বি, এ, ফর্ড্ক প্রবর্তীত।

क्ष नवे। ५क्छ भएथा।

কৈৰ, ১৩২৪ : এপ্ৰিপ, ১৯১৮ I

27a. 911.

২য় ছবি।

প্ৰাম।

(পুর্থী—জেওরা)

्कारन व'व अर्कशाः— भिवत सामिनी रक्टने याव कर विश्वास वटन निवाला ! श्रमारव याव श्रांक लूकारय गाँव शान, सिन्धिय याद सील, शासिया याव साम, क्रमारय सारम मृत्य, सुन्नारय स्थानवान ने प्रत्य कारण स्थानवान

্ৰক্ত কাৰিক চুক্ৰন এক: বংশ আছি তিৰিৱে— কেই নামি যোৱ স্বাস্থ্য ও **যো**ৱ

বিজন মানগ-কুটারে :
ভৌমাতে অপনিয়ে ভাকিতেছি প্রাদে,
আন্দেকে পুলকে এলে প্রেমে গানে
ভবিষ্যু জীবন প্রয়েন কুমুন্দে
শ্বিষ্যু মুট্টিকন-মান্যু :

এনিক্সকল সভাগ।

নমিতা।

(পুৰ্বাঞ্চাপ্তের প্রা

কট কট , "---এই বলিয়া কিনি বাজকাৰে খাৰেই দিকে চাহিছেন; তারপর
বিষয়ে জ কৃষ্ণিত করিয়া প্রনারনে ননিভাকে
টোনিটে কালিলেন। টেডিওলাসা বাষ্টিও
চাহিছ-নয়নে ধ্যানিকে একবার চাহিছেন;
ভারপর একটু কালিলা, নড়িয়া চড়িয়া বসিকোন। অপপরে মুগ কেন্ডে নিগার নামাইয়া
ভিনি চাই কাভিনা, ভানবিক্ কুইডে
ভানিকটো ভানিতা বাদিকে গ্রাইলেন ভ
ভানিকটো ভানিতা বাদিকে গ্রাইলেন ভ
ভানিকটো ভানিতা বাদিকে চাহিছে আলিতে আভকোনে ক্ষাবে ইনিকে চাহিছে আলিতে আভকোনে ক্ষাবের দিকে চাহিছে আলিতে আভ-

চন্দ্ৰাৰ নলিলেন, "ডাজোরকার্, এখন অবস্থাক্ষণ স

ক্ষেট্ ব্যক্তি বলিলেন, "ভাব,—কিছু ভাগা আনাত সংখ গেলেব মতের মিল হথেছে: অন্নি বা বল্পুন, কেম্ সেই ওক্ষ্ই বিকোন। পরের মিনিট বুম হংয়াছিল। মেম বলেন, কিছু সুবাহা।"—নত তে নৌধ সুশ—

তিনীর'-নামধের কামবর্ণ কার্টি বলিনেন্, তি, আমরা এই কডকণ সেধান থেকে আমার। এই কডকণ সেধান থেকে আমার। ওই কডকণ সেধান থেকে আমার। ওই কডকোনের কোনে কুলিন-আমার অলীতে গাজীবাস্থ পরিভাবেন হালি ভালিয়। গোইবাকু প্রকৃত মনিকেন, তিলির বচবুটুম চল্লবান, স্কীল্ভ করেনে চল্টি দিলে।"—

"ৰড টুম" চল্লগাড় উত্ত প্ৰদান সভা-্পণে ভিচুমাত কিছ গ্ৰুতে পারিকেন না ; উৎকৃষ্টিত ক্ষয়া কলিলেল, "স্কৌপ্ চলে পেল। বাংই ছেন্ডে কলে গেল গুলাকাৰ্য গেল গুলা

ইয়ার কথা শেষ দলিক মা চলৈ প্রেছি বান্টি ভল্বল্ গাল্ডা বলিকেন, প্রত্যাক্ষর পরীরে আক্রেপ্য কিছুই নাই। আনে বাব্ বাকীতে রোগ, পালাপালি কর্নে চল্বে কেন্দ্র এই যে আম্রা—আম্রা কইছি নাই। গ্রু বা ক্যান্তি ক্যান্তিক ক্যান্তি ক্যান্তি ক্যান্তি ক্যান্তিক ক্যান

কুক চিতাইরা উচ্চনুধে শিগারেটের হে'ারা ছাজিয়া, পজীবজাবে পৌরবারু ধনিবেন, "বাবে দতীশটা সাধা, গাধান"

চল্লবাৰ অধিকতত ব্যগ্ৰ হুইছা ক্লিলেন, "সতীল গেল কেংবা ম'শাই স--"

्थोहकान्छ दर-क्या श्रीतर्क गाहेरजन ना ; एक वर्ष कतिशानित्यत क्यारे कहिएल नाजिरणम्,—"एर्ट्स क्यूर्य, त्यागका कर्ष् रकत ; कि कति ? भरवत छेद्कात । श्रामाध्य क्षित्र गास्य गास्यक्, ना मास्यक्—श्राम्य किष्ठम्, जारे त्रिकारे वृक्ष तिर्या भरक् गणाव स्थाय करव । शह्यम् ककल, नाय्यवाद, क्या वर्णन नायकाष्ट्रास्य सम्प्रम्य त्यता वर्ष्य रहक, नरस्य-साक्यात !—कि दर द्यीवा स्थाय-

श्रीत विह रनियात आध्ये क्सवाब

শ্বীর চইচা বহিষেদ্য 'পৌরবার, বসুন্ দ্র'লার, সভীল কি আর আস্থে না, কংল প্রেছে স—"

रशीववाय् व्यविक्ति मृक्षि-व्यानाय गरिक हानि शिनि-पूर्व शहर पर शिन विषय, शा-विशादवार प्रेणी यह पर शिन विषय, शा-हार कविया वाध-हानिय व्यावनिया विशेष कविया प्रशासिक प्रशासिक विश्व त्वान, "वाम्य मा द्वान हे—उद्य अपन कि ना, कैवरक निया वाद्या निर्म क !—अपन हैभानमा, अब माम कि सिद्धा हत्व् । गरुस व्यावाद्य विश्व व्याद्य हिम्स प्रभान व्यावाद्य विश्व विद्या हत्व् । गरुस कामभारक विश्व कि है कि किया, जाशाब देशव है। भा विश्व हैश, व्यावचादय विषय, व्यवनियन नीभाविक-न्यकादय वृद्ध पृत्व भागाविक नाहाहरक पृत्व (क्ष्मी) मृह्यक व्यावक भवन कामि शिनियक सामिरकत ।

ভাষার এই অসাম্ভিক গ্রিকভা নমিভার অভান্ত অসক বোর হইল; কিছ কি বলিবে, —এই অপ্রিটিত ভঙ্গলানকে? কান্তেই সে চূপ করিলা বহিল। চক্রবার্ড বেন শহমত খাইলা হত্যাক হটনা গোলেন। জ্বাস্থ্য বিজ্ঞা ভাবে বলিল, "খ'বাই মাণ্ ক্রম, বোপার আধ্যালট অবদ্যা !—সোলা ক্রাস্

ভাকিয়া ছাড়িয়া, ভীরবেগে দোলা ইইর।
বলিয়া পৌরবাবু হঠাং অবিশ্ব উপত কাষে
ভালন করিয়া ঘোটা গলাহ বলিলেন, ভূমি কে হে বাপু : ভূমি ধাম , এখানে চাগানি কর্তে এস ম.। সুক্তে মোহারে কর্তা শেখাতৈ এসেড ? নং । মাধী তো ধে

সকলে ভবিত নিকাশ্ ক্ষান্থ এ প্রচণ্ড প্রকানের কারণ কি শুক্তবাক্ কর্মা প্রস্থান ও চন্দ্রার্ প্রশান মূগ-চাল্লাচারি করিতে লাগিলেন। নিসভার পর্ম-চাল্লাচারি ব্যম আক্রম হট্যা উঠিপ প্রিকারণা মূলা-মহার্তনে বে, মাছ্য ওত্তলোক হটতে পালে মা,—ইক্ষা ক্ট্রা, সেট্রা স্থিনতে উক্ত খালা-ভলা বাবুকে ব্রাইয়া দেয় প্রকৌ আক্রমম ক্রিয়া চক্রবার্তনে সে বলিল, "মাধাই ফ্রাল দ্রা ক্রেথিকে কিন্ ;—আমানের কাল স্পোনে।"

চন্দ্ৰবাধুৰ চন্দ্ৰ আছিল ; ৰ'ল্ডেন—"এই যে আইন—।"

ভাষার অঞ্চর হট্যা যখন ছারের কাছে
আনিয়া পৌছিবাছেন, তপুন কি ভাবিতা কে
আনে, প্রেট্ড মহেশবাবু বলিবেন, 'সভীল আছেব-ছরে প্রেট। ব্যকীতে সংগ্রে ব্যাহাত হয়, ভাই করানে বর্তন না, সেইখানে

"ভ্ৰম"—হালত, চপ্ৰনাম্বাত হৰ পাও হুইয়া জেতৰম । অসু ব্ৰহণে নিংগণে ছালাত পিছু চলিব।

নানাবারীয় ভাষাত ভাই একটা প্রকাজ লান-বাধা উঠান পাল চইয়া একটা দাশান পাত্যা গোল। ধালানেও গৃহস্কালীর বিশ্বস রক্ষ নত্তপ্রকাশ হড়ান ছিল। সে লাকান পার হুইছা স্বাব একটা জীবনেগতে ভাষানা-গল্পনা দার পাত্যা গোল ন্য হরের ভিড়ার হিয়া পিয়া, স্বাব একটি ছোট প্রকাল পার ইউয়া, ভাষারা বোপীর যতে গ্রহিক।

গুলা ভলাকারে নালাপ্রা ভ্তান, পা বাড়াইবাহ স্থান এই বিক্সাংশ গাড়গুলা মধনা ক্রেণ্ডিন চন্ত্র ভরপুর বালিশ প্রিয়ান জুপকোর কথা লাগেল প্রথম সংখ্য উপন সামাল বিচানে! ও স্থানের সংখ্য উপন একটি ভেইস্কালিক্স নের বিভাগে ক্রিয়ানার নির্মাণ নির্মাণ করেন ক্রিয়ানার নির্মাণ নির্মাণ

ইছারা খনে চুকিছেই, বিশ্ মূপ জুনিয়া চাহিয়া একটু স্থারভাবে স্থানিকা, নিমি এলে :—তেওখানী, ভূমি ন্য নিমিন পেয়েছ ? আছো, ভল্টা চটু করে তৈথী করা। শোম ব্রাম, কিছু থেয়ে এলেছ ব্যব: y—"

পুষ্টিত বিন্ধের ধাদি গাদিরা ত্রত্বার মৃত্যুক্তর বানিক, "চাকর'লা স্বাট মুনিবে প্রকৃতিক — ভটাতে লেগে দেবীকরে বংগ—

ভয়ামনার তথে স্থিত্ বলিবেন, নির্কোধ।
প্র ভিনিস তৈরী ছিল, বলে দিই নি গু
থানার বাড়ী।—তুমি ড' গেপানকার ভাষাই
নও বাবা গু
থান, এখন ক্ষ্য প্রিপাদ কর '
—এখন ক্ষা

স্বস্থার উষ্ধ রেজতের আচলাও ভাছতেনি বাহিনে প্লায়ন করিল। নমিজার ক্ষেত্র চাহিনা ভিগ্রসিকেন, 'হাকটা পুভিজে বেল না কি গ্রাস স্কেলি কার্ডটার্টা

নমিতি: ইংই কেপাউল বিশ্ব বাহে ওজন। ভাল ক্ষিত: প্রাইতা নিকাটনা কেলিলেম ভারপত্র বনিবেশন, 'আন্তেঃ উপ্তে ;--কাভ কল কিব ভোগায় অম্বিক নিতে বিশাষ করার লাক আমার উচিত নর কি চু—ভারী ব চামারস (......আই বে বুড়ী নাইআ সাম আছ েলানটা না নিকিক পাক্ষে চুড়াও লাভ গাঁৱ মানু প্রধান নবে সভ্যক্তি বিভান আছে : গুমান চিকে শ

ভূতকাৰ কথাৰ পৰ, সভ্নীত মা চাৰতা খেলা বিভ চন্দ্ৰবাৰৰ দিকে চাহিলা বলিকেন, "মহলেচ, নিমেন সম কি বলৈ জিনিকে দিলেন ?—"

5% বানু বানিলোন, "ভার দক্ষে বেশা কং নি। ধানার চাকর বক্তে, ভিনি থাকার নিজবানুত দক্ষে কংগা বেশিকেছেন, আক কিবিবেন না !!"——

. (यस् कक्त्रे श्रानदश्यः चरतः विकासस्यः, "कार्याद्यविद्यादश्यः (क्ष्युरवस्य मा १"

দংশ সংল্ উৎকটু বিশাবের স্থিত নিদ্ধি ভার মনের মধ্যেত একটা ভীক সংল্য ক্ষোপ্ত বহিছ পেল। কিছে এখন কোন কথা কহি বার সমস নাই ধান্যা, সে চুণ করিয়া বহিল। মন্ত্রিতা বিধেয় ইলিড মত কাল আরক্ত ভবিল। স্থান্ত্রিত মৃত্যু ক্রিড তৈয়ারী ক্রিডে পার্যের ঘরে চলিয়া থেল। ইন্সালিল ভ্রিডে ক্রেপ্তর স্থানা ব্রন্থাভিল, এখন ভারার দুক্তন ক্রিথ আনা ব্রন্থাভিল, এখন

ত্রস্থান্য উহনের 'মানি' কট্ডা থকে ঢ়াকরেকে, তামন সমগ্র প্রেটাক গৌরবার ত মতেনবার আলিছা উপ্তিত চইকেন। গু নহেনবার বাবের সমূপে আছে হট্ডা সাড়াইডা হলিকেন, "কি এম্য দিক ধে গু"

থালের উপর হাত ছাল: দিয়া স্থাস্থার। ব্যিত, "অস্থাত করে একট্ট সকন, আন্দের একট্টা গাট্যে দিউ, কাঁক উতে মাজে " প্ৰাৰ কৰিব। প্ৰবেশ্ব কৰিব। গাড়াইখ। গ্ৰেমবাৰ একটু ক্লিনের সহিত ব্যৱস্থান, শ্ৰেমবা, বলেই যান না বাসু !"

এবার ক্রক্ষণ চটিল: একক্রে বলিল, শ্রাম এই কণ্ ম'লাই, আমি মে কৈনিয়ত ক্তিত মাধ্য নট ৷ এ-মরে 'প্রেম্কুশস্মান' পড়ে আছে, সুনি হুই সিধ্যে দেখুন শ

সংগ্রাক্তিশা নাজাইবা উপাত কর্মণ কর্মন ক্রু চীংকারে গৌরবার ব্রক্তিমে,—"ইউ আরু ভেরি হাছে, সূত্র বুলি আন, উনি একজন থেডিকেরা ব্রাক্টিশানার।"

्लीवरात् चढणाः ७३ (बाद्य हीयकाः कविद्याद्यम् ६६. शृहण सक्दण्डे । श्रीकदा छेडिया-क्रिया — अभव कि घटहण्यात् प्रशिकः। छिनि छटण घडम्छ थार्थेहः। तथ क्राक्षितः विका विका दशन, "वार, घार, गार्छ।"

পুরক্ষর দীরনেতে মুহুছের কর সৌর বাব্র বিজে চারিল তারগর আখ্যান্তর্বন করিছা মন্ত্রভাবে বলিল, "ব'লাই, রোগার বর গালাস কারগা মন ক্ষরামী করতে কর, বাইরে বান্।"

ক্রকুদ্র ধ্রাসর হইয়া গৌগর কাছে বাসিন। মহিলা ক্রিছে চাধ্চে করিয়া চাচ্চ বিয়া বেলারীর মুখ খুলিনে, স্বস্থানর মুখে শুকার মুখে শুকারাইন বোগী সোক বিলিয়া শুকার দাধ্যক্ষর বাসি সোক বিলিয়া শুকার বাসি সোক বিলিয়া শুকার সাধ্যক্ষর করিব।

মুরজ্ঞার জিবিতা গাড়াইখা শাক্তাবে বলিগ, "ম'শাই, আপনি ভদুলোকের তেতে, আপনার স্থানে আবাক কর্মে আমি চাই না—ভবে এটুক মকে বাগ্ডি, মনে নাগ্রন্-শ্রেটি ১ এবে মানুধ ভারশোক

চতে পাছে না। ভত্তার পরিচয় ব্যবহারেই প্রকাশ পান !

মাহলবাবুর দিকে চাহিন জোবাবু বলিকেন, "ভালু ভছন, ভেলের খণ। ভছন ।" —ছরজ্ববের দিকে কট্মন্ চকে চাহিছা ভিনি কলিকেন, "ভূমি নান, প্লাধাকা দিকে ভোমার এ বাড়ী থেকে প্র করে শেষাক কথভা আমার আছে ?"

াোগৰাৰ মৃহতের কর হতের বহন।

পানেইয়া বহিলেন। তারপর অপনানের কোন

কান্তানা উদ্ধাবন করিতে না গারিনা, নিজন

আন্তানাত হাতেইটা ভারে দু ছিলা পাত কল
মন্ত কার্যা বলিবেন, "আন্তা কেন্দু — আম্বভান্তার আমার হাতে আছে !—" ভিনি

স্থাক প্রাথানে প্রাথান কাপ্টেরা ক্যতেপ্টের

চলিরা বেলেন।

म्दर्भवाद् कर्रविश्वसंघर वांभासम्, "कि मर्समान, कि गुलनाम ! त्वेटा गृष्ट्रक मान ! वावा ! त्योष ! क कि मुझ्क दहरन ! कर्ष हतात, क नावा !"

বিদ প্রিণ_্ ক্রম: চাসিছা বলিংকর

"ভাকারবার্, আপনার গণী ঐ অভ্ত দেবা-ধের কট্বপ্রিণ ন্যাবটির প্রিচর মিক্রাস। করতে পারি ?"

গানবাৰ ভবলোকটির অন্ত্যানের বছর ও গানের দৌক ভাষণা পরিবভিত হইটা উটিভেছে কেপিয়া, সিংগ্ সকৌত্তকে হানিয়া বলিলেন, "করেই ত সাজ্যাতিক। একার বেকে দেখুছি কুলো-পাচলো সরীর্থকী সলে আ থংকলে এ-রালম সব ভবলোকের সংক্ আলাপ-পরিস্থ অক্তর।"

নিজের মধ্যের জিলাক কথা প্রনিধে আনেক ব্যান কোনিয়া উঠেন, মহেশবাবৃত্ত ভেমার থেশিয়া উঠিনেন, মহেশবাবৃত্ত ভেমার থেশিয়া উঠিনেন, মন বন থ্যান ক্ষাইয়া, উত্তেজিত ভাবে বলিলেন, ''কি বলেন গো!—বিজেনা কর্বেন মিনিন্ দম্মকে; সংবশ্য মাকাকতীর হেশে গৌরাল চলোবভীকে জেনেন সে, ভিনি। ক্ষাক্ষাক মাক্ষ্যকে কুন ক'বে কনলাক নাম্বে মেন্ বিধ্বা বোন্ কেনোক্রাছব্য—সে না হয় একটা চুলাই করে একনাক্রাছব্য—সে না হয় একটা চুলাই করে

মিতির কর্মনে আড়াই হামার টাকা ওবে বোট বেঁধে নিয়ে গোল, আড়া মিলিন বড় নগৰ স্বাক্ত-প !—পুলীশের দারোগা ভ্যাকান চ্যাকা মেয়ে বাঁ করে প্রতিষ্কে মুইল !—"

প্ৰেছ সম্বলে গুড়িত নিৰ্মাণ্ড (সমস্ত অবিচলিত হৰিলেন মিদ জিল । বেশ ৰাজ ভাবে, তিমি মতেশ্বাবর কাত ধরিছা নিজের পরিতাক চেবারটির উপর বস্প্রিয়া বিহা, मित्रकर्छ प्रजित्त्व. "शैदन-महानंत्र शैदर । মামার রোগী খড়ার প্রান্ত, একট আতে क्यां रम्ब च्छु धेर् कृत्य ।---वैर, छोरूभेद समय करे अनावे भारम, राज्य ?--की सम्राप्त अस्तरह : সভেত্ৰই কুলাই সেই লাল 'লোইমটেন করবার করে হাঁদ্পাতালে হাব, না ?--কার কাপনি এবং ঐ ভত্তবোক, আর একটি অপরিচিত ব্যক্তি-ভিনন্তন একদিন ভাকাৰ প্ৰস্থ-বাবুর সকে, হালপাভাবেল, আমানের বন্ধার भरत बरमरे ने विकास कथा निरम्हें छन कथ-ছিলেন নয় গ্লাক্টারবার বোধ হয়, এট বিশেষ্টে ৰেখুবার ৰঙট ডিন নালার টাকা াইচিকেন না ?"

অভিক্রেমীর মাধার পুন চাপিবে ভাষার ক্ষেত্রান বাজে না; অভিন্তুপ মাছি-বের যনে কক্ষার বোঁক গোগলৈ অপ্তক্ষা ব্যক্ত করিতে সে ছিল করে না। মহেশবার্ পূর্পে বনিলেন, "ভিন্ন মাজার! পার হালার চেমেছিলেন!—আমি মাধ্যে ভিনুথ, ভাই আড়াই কাজারে পার পেলে! হহন্ত্র স্ত্রন পৌরকে!—"

গঞ্জীরভাবে পিড বাললেন, "বছবাদ বছা-শন গৌরকে বিভাগে নিপ্রয়োশন ; আনি সংগনায় কথা নম্পুর বিধান্তবেদ্যা বিকেচনা কৰি । অহপ্ৰই কৰে ত্ৰাণাৰ মুম্বান্থাক প্ৰমা ককন । এই নিৰ্ আমাৰ খড়ি :—সমো-যোগ দিয়ে গুৰুবেন, পূব মা ১৮ । সামস্তা, আৰোকটা দেখাও । জ্বজন্ম, একবাৰ এ ব্যৱ এব ।

থিয় খিছা, প্ৰস্কাৰণে দুইছা পাৰিব বৈছিল সেবেন। পাৰ্টী জ্ঞাননীয় আক্ৰম আক্ৰম আক্ৰম আক্ৰম আক্ৰম আক্ৰম নিজ্ঞান কৰা সে প্ৰনিক্ত লাগিল। বা ক্ৰমিণা কৰা সে প্ৰনিক্ত লাগিল। বা ক্ৰমিণাই ক্ৰমেন কৰা সে প্ৰনিক্ত ক্ৰমেন কৰা সে প্ৰনিক্ত লাগিল। নিজ্ঞান আৰু ক্ৰমেন কৰা ক্ৰমিণাই লাগিল। নিজ্ঞান আৰু ক্ৰমেন কৰা ক্ৰমিণাই লাগিল। নিজ্ঞান আৰু ক্ৰমেন ক্ৰমিণাই ক্ৰমেন ক্ৰমিণাই ক্ৰমিণাই

ক্ষাৰ-চঞ্চল মহেশবাৰ ভূষ ভিন্নাৰ স্থানাবাৰ্থে সূত্ৰ ক্ষিত্ৰ, অনৈক ক্ষে থিৱ হুইবা, শেহে গণনা পেয় ক্ষিপেন। মনিভাৱে বিকে চাহিয়া বলিলেন, "হাত্ৰেড়া চেট্ছেবিটা ক্ষ্মি ।—এ-ব্ৰুম অৱস্থাৰ এক হু বেলী।— প্ৰই কেনী।"

সংগত হুইয়া নমিতা অপুমোদনের তথ্য ব্লিস, "আডে ইয়া, বেশী বৈ কি :—"

নিজের মত সম্বন চ্বরাই মার্গবার আন্তর্গ থাকালিত চ্ট্রেন : প্রভুল নূর্ব মলিকেন, "বেলী ! কি বহু এটা : — হারণর "কীণেত প্রথম্ম মান্টী ইলোলি বভ্রুছ ক্ষিণা একনিংখাদে ক্তক্ত্রমা কথা বলিব লেবে হঠাৎ বলিবেন, "লা, জাল কলা, ভোষার নামটি কি মা ?—"

"হা '"— নসিভার ছান পুড়াইগ। লোক-টীর এড়ক্থকার সংগ্রন্থ বৃদ্ধকানি ও অভি-ব্যুক্তার হোটে ডাংবিক ভাল যোবাপালা ইইরা বিশাছিল ক্তক্ষণে প্রায়ের মুক্তর ব্যক্ত অবজ্ঞানক্তি মৃদ্ধি, কেনা ক্ষেত্রমূপে স্থিমত্তে কে বলিল, "কালার মান,—কুমারী স্থিতা স্থিম।—"

ভিনি বলিলেন, "নখিতা নিয় গ নামক নিয় ৮—কট, গোলাৰ নাম জ জনি বি । ভূমি আয় কৰানো কৰিকোৰতে আন নি, কি বল ৮— '

ন্মিড়া সংক্রেণ ব্রিজ, **"বালে** মার এটা ক্রব্য মা

জিনি ওংকণাথ বাধ্যেন, 'জি ভাই বধা।

এ জনাটে জান জানি নিশ্চত ভান্তে
পানুত্ব । জনিকে প্ৰই ভ আনাৰ বোটা !—
আমাহ না জানিকে কেট মাতৰ বজা দোককে
আন্তে পাতে না '—আমি যাতৰ বজা দেব,
ভাবেট আন্তে ' নুৱালে মা, মিৰেম্ দ্ৰাক,
—সেন্ত আমি ভাঁৱ এমিকে দ্ৰাহ কৰিছে
পিয়েছি। আছি , মালাস-প্রিচন ভ জোন।
এবার নেবে ভোমারক কক' দেব।"

নমিত। মনে মনে সাধিত, কছুলোকের
ক্ষান্ট বাছ নিশাকার পারিকের পারিকেরেন
বাং গৈলেবীক সোক কটকে ইনার সাকি
সামে পদিনা কেল কোনুক কমাইকে পারে,
কিরু মনিকার কে কেল কথা করিবার কাজি
নাই। বিশান কড়াইবার কল নমিত। গ্রাল
ক্রুত বিশুটিকে সেলাইয়া বলিক," বার অক্সা
বিশ্বন নেখুন্ :—ক্ষানেক্ষণ নাবা ব্য
নি।"

ভিনি উটিজে গাইভোইনেস, এছন সহয় মিন্ ভিন্ন ও ক্ৰম্পন আদিয়া মৰে চুকিল । মহেলবাৰু আৰু উটিলেন না।

क्रमनाथवाद्वत स्टिक्न व्यक्तिक गित्रभ् श्रामीत-मध्यस्य विकासम् । अ. : भारत्य कारकः अनाः अपि स्मरवन नः ।-क्षिकः क्षान्तिः राष्ट्रा श्रम अगराम प्रकृति

च औ छ वृद्ध क्षमर व । व । व व । व व । व व ।

কাজ

अम् करना त्यत्राचे महिकः প্রায় করে? বের সংক : अरदार्शनीते वहना आहि একলা নদীর পারে : টাধ্যুর নেয়ন আস্টে ধীরে ओ (ब मुद्रबंध स्थान शेटन , ंका दर्भ' अडेन किर्म शिक्त जुलीन बादन ह

ভিল হার। শাবের যাণী গ্রেল অপর কারে; কেট আমাধ্যে নেয়নি ভেকে ্ষট চাহে নি ক্ষিরে' ! পারের স্ময় হার যে ভাবে', একা বংশ আছি ভারে, গ্ৰহণ মাৰি, ৰঙা কৰে। হেও গোনলী প্রয়েসী কয়ে। জীনলিনীকুমার চক্রকারী :

অষ্ট্ৰ'বক্তপীত।

্পৃৰ্বাপ্তকালিক্ষের পর)

इस्तीय न्य करन :

শিশাসুভবশীগুহে জাতেঃপি ক্ষুণাবশাং । ক্ষরিক্ষারোধারীক্ষরর্থ্য শিক্ষানার কুরু: পুন: ১১১

শিবা আতাত্তবন্ধণ সমূত্যে আইন महिबाद्ध-हिटा पुविधा । परमावनका अक ভাচাহ কানের কৃতা পদীকার্থ পুনবার হলিলৈন (১)

অবিনাশিনমাজানীমেকং বিভায় ভবতে। ভল্পুজ্জ দীয়ত ক্ষম্প্ৰিল্ম বড়িং মুসা

অহিলাণী অভিতীয় জান্তত্ত্ব ব্যার্থত: ভানিচাত আগ্রহ্ম ও বীর ডোমার অর্থার্কনের वस्त्राध (वस्त्र १

আগোঞ্জান দেৱত প্রীতিবিবরে ভাষাকালের ভাকেরকারতে *লোডে*র বধা বজার্থিভামে মঞ सरता ! **पश्चिमान ना इरेग्लर्ड** क्याबन्दरः দৃষ্ট বিশ্বৰ প্ৰীতি ৰয়ে , খেৰণ স্থাকি বলিপা काम मा प्राकारको सम्बन्धः १हे सम्बद्धाः প্ৰতি লোভ হয় 🖭

বিশ্বং 🐠 মৃতি মহেলং ভরস। ইব সাধ্যে । সোহত্যশ্ৰীতি বিজ্ঞাত কিং দীন ইব ধাবদি, pin

্রমন সাগরে ভরুক উৎপর র্ড, সেইরপ শাস্থাতেই এই কান, প্রকাশিক হয়। সেই আত্রাই আমি---ইনা বৃদ্ধিবাল (পর্যাদির প্ৰতি) কেন কাছেৰ্ডাৰে ধাৰিক ছও ৷এ৷

ক্রম্বা বিশ্বস্থানিত জনা ধানমানিক জনন্। ক্রম্পুত্র ভারস্থানকেন মালিনাম্থিকভৃতি । •

বিশ্ববহৈতভ্যাত্র আত্মানে ক্ষর ব্যবত অভিক্রেকারী জনিয়াও নদীপত ইভিযাবি-বিবহে আসক চুইয়া গোকে কেন মানিত আধ্যাহ্য হয় গ

স্কান্তভম্ চংখানং ধ্যকৃতানি চাহনি। স্নানানত আভ্যাং ম্যুম্বর্ণতি লে।

বিনি প্রতীধে আত্মানে ধ্বংশকের
ভারম ও আত্মানে সর্বাধীর অবলোকন গরেন,
অস্তাদৃশ হিন্তবী ব্যক্তি বিষয়ে মুখন বৌধ
কার্যকেন, ইংগ অভি আক্ষয় (অসম্ভাবা) 'ব।
আত্মিতঃ প্রমাইদক্ত মোক্ষয়ের বিকস্তি বাব্দিকঃ।
আক্রিং কাম্যুক্তা বিকসং বেলিকিন। শ্

প্রমাধৈতভাগে বিষ্ঠিত এক থেকি-বিষয়ে একপ্রকা বাক্তি কাম্বদীকৃত চইছ: কেলিক্ষায় বিষ্ণু চইবেন—ইচা অভিনয় আশ্রেষ্ট্যাপ

উত্তঃ কামভূমিক্সৰধাৰ্থ।ভিচ্^{ত্ৰ}নঃ । আন্তৰ্যাঃ কামসাকাক্ষেত্ৰ, কালমৰ্থকুলিতঃ চথ্য

আনের বৈত্রী কাপ চিত্রে উর্ভুত কইথাছে

—ইহা নিশ্চর করিয়া (প্যারের) অভকারে

অব্রিত জনিবা আন্বলন্তের প্রায়

কামবিষয় খাক্তিক, করিবেন,—ইহা খাতি

অংশ্চরি (অবাধ জানিগরের প্রক কমি
বনীক্ষা হওয়া অস্তব গা)

ইকামুন্ধ বিশ্বজ্ঞক নিভাগনিত।বিবেশিনন। আ**প্তথাং মোক্ষমানত মো**লাদেও বিজী<mark>যিকা</mark>

ইংলোগে ও প্রলোকে সর্বাহ প্রতারের মিন্দুত এবং মিতা আগতের ব্যতিষ্ঠেকে আর মুম্বাই : অমিকা, এইবাশ বিনি অবধারণ

কৰিয়াছেন, চাদৃশ্ নজিনান-দৰ্শভিদাদী বাজিও ভাদৃশ চিংলকং । বিত্তীকিকা কইবেল-ইচা অভিলয় আকৰা। (জ্বাং চিংগকংশ-অবস্থান চাগে কৰিয়া উচ্চায়। বিষয়াছিছে অবস্থান চাগে কৰিয়া উচ্চায়। বিষয়াছিছে অবস্থান চাগে কৰিয়ে পাৰেন না। আৰ্থি অইবঙ্গালীয়া বিধিনিধানের আচীত কইবোক অকাথ্যের অস্থানে করিছে পারেন না)। চা দীব্র চোক্যমানের্গি পীজানানেক্যি নব্লাছি। আক্সানং কেবলং প্রভাত্নাতি ন ব্লাছি। চান

शीवशास्त्रक गर्भमा विषयाक्षण विद्याक्षणे माक चान अर्थमा गीकांचे मान, जिनि द्यानम चानाम्बर्ग करवन : कहत हान् ना, कृष्णिक स् इ'न् ना । हा

চেইমানে প্রতিক স্থা প্রস্থায়খনীত্রক গ্ সংখ্যবে চালি মিকারাং করা ক্রান্তারকালক:

150

আনবান গ্রালাথেবা কথানিকত নিকেত্র শ্বীরকে অভ্নতীয়ের সহিত অবিশেশ কথা করেন: এজত এক শ্বীং অক শ্বীধের তব বা নিক্ষা করিছে, কেন ইংহারা ক্ষম ব্যালেশ গ্রা

মাধ্যমাক্ষমিক বিশ্বং পঞ্জন বেগালক্ষেত্ৰিকুলন্। ক্ৰি ম্যিতিকে মৃত্যুট কথা ক্লোভি গাঁৱলীঃ ১১১॥

এই পরিদুজ্ঞান জগতের হিনি কৌতুক-চীন মানোলা অবলোকন কলেন, একান্য শীরবৃদ্ধি বাজি বৃশ্চিত স্থিতিত স্থীয়া কেন হীত চইবেন ((>>)

নিজ্য সামত হল নৈয়কেংশি স্থাবন। ভলাগ্রস্তানভূপত ভূলনা কেন কাহতে ॥১২৪১

বৈৰয়েজত থে মহাজাৰ মন ক্লিক্ছ সেট সংখ্যকানকৃত্য ব্যক্তিৰ কাহাৰ সহিত্য ভূলনা চইকে পাৰে গুলনা ৰ চৰোনেশ স্থানালে। মূল্লহেকজৰিকন । হল গ্ৰাহ্ণনিত ভাগেল স কিং পঞ্চতি থাবনীঃ

িনি সুন্ধালয়ৰ প্ৰচাৰত ই অকিকিংকর মুলিন জানেন সেই প্ৰমৃতি ধাকি কি শইকা বাংগীন, ইনা প্ৰিচাৰকাশ এইপ্ৰশ অব্যোক্য কলেন ? (১০)

অস্ত্ৰতা ক্ৰেম্মত কিছুৰিকা নিত্তালিকা। ক্ৰেম্মাণ্ডক। ভোগোল সুংখ্যাক লাউটো ৮০৪৪

বংগার আন্তাকরন কইছে রাগ-বেহানি সম্ভ প্রকার মলিনতা দূর দুইয়াকে, বিনি মুখছাবের অভীত এক জীবিভানি-বিষয়েও মিতাকাক, কাছার প্রকারভাবোগনত তেগা ভানকর্মন হল লা, স্থাকরত হয় মা (১৪)

ইতি অইবেজগীকার আক্ষেপ হার। শিয়্যোপদেশ-নামক স্ততীয় প্রকরণ।

চতর্প কাকরণ :

ভূজনৈত্রপাকিস্তা গিছো ফানদণোৱদন্। ফানিসংশ্যনেত্রীবং স্পট্যাচট স্পত্যম্।

ওককর্ক এইরপে ভিতরত লিসং **আগু-**ভানে আর্লানিক হটরা জানিগ্রেব সর্কা-তাক্তির ক্রান্তি বে ব্যোহা পাড, ভালা প্রতি

्काक्ष्मभा भीत्रक इपमाकः इकाराभीक्षः । सार्वे सम्भागतार्थेदैक वृत्तिः भव समासङ्ग्रहः ४४४

আটাবজ বাল্যান, — বিনি আবাজ এবং বাব, ভিনি ধান ভোগলীলায় জীক। কবিতে আলেন, জনাদি দংসাগ-ভারবালী সূচ্যান লাভার সহিলে স্থান ভ্টাতে পারে না হো ব্যাপ্য ক্রেণায়ে দ্বীনাই প্রান্তার স্ক্রেণ্ডাই। অন্তার ক্রিছে বোগী ন্তব্দুলাম্ভ্রিভ ইয়া

আছে:) ইন্দ্ৰ পড়তি সকল নেবভা বে শক্তিগানৰপথ গাইবার করু লাগারিজ, বোগী সেই পাদে অবস্থান কৰিছাও হগৰিছাৰ হ'ব নঃ
(কিংবা হদপ্ৰমে উপিছত হ'ব না) বহা
হক্ষক প্ৰশোপাকান স্মাৰ্থ হাজন কাৰতে ।
নহাকাশক ধ্যমে কৃত্যালালি স্কাতিং চাল

चित्र मिकशातस्थकः काश्विद्यास्य, धारास्य स्वतः करण था भारणत सारा मरण्यके स्टेट्स भारत सा । स्थान भूगात शक्कि सामार्थतः मृद्यति स्थान (शरण वाक्यिकश्वस सामार्थः) भूगात भारत सर्वे स्टेट्स भारत सा । श सार्वेस्तर कारत स्थान स्थान स्थान

এই বৃশ্বস্থান সমগ্ৰ লগত কোৱা আছাই

--এই কথা যে মহাস্থা ভাইনন, ডিজি
ক্ষোজ্যৰ কাৰ্য্য করিলে, উচ্চাত্ত কে নিবেধ
করিতে পারে ৫ (৪)

ক্ষারগ্রথপর্যায় ভূত্মানে চতুরিনে। বিভাগোর বি সংমর্থানিকানিকাবিবর্জনে ১৫॥

व्याज्ञच्यात भग्ने हाजिल्लामा (व्याचि । द्रिया, प्रमुखा, खिनामा, छ व्याचिकाविक वा क्यांनी भूक्य) व्याचिकामा व्याच-व्याची, डिनिट् बाम छ द्रिय भाविकामा मग्नी हा व्याच्यान्यस्थार क्षित कात्राहि क्ष्मीनवस्य । व्याच्यान्यस्थार क्षमा काल्यान क्ष्मा क्ष्मा काल्यान्यस्था

কোন ব্যাক যদি আতাকে অমি নীয় ও মৰ্কেম্বর বলিয়া জানেন, ভাষা কটলে ভিত্তি ঘাকা আনেন ভাচাই কয়েন। ভাচার ইচ-লোক বা প্রকোকে কোনত ভার থাকে বা জা

ইতি অইবৈক্রণীতার অভুসারেরাক্রাম্বর চতুর্য প্রকরণ।

প্ৰথম প্ৰকাৰ । এৰমুখ্যস্থাট্যকন স্থানিব্যাহলি প্ৰীপ্ৰিয়ত। অক্সু চোপ্ৰদেশ্যৰ্থ ক্ষমোগ্যস্থাক্ত্ৰীৰ ক্ষম এইখন উক্তানীকান্যন্তের কারা প্রিলের জানের ঘাধান্য প্রীক্ষিত চইলেন, ভুক উপ্রেশ দুটীভূত ক্রিবার ক্রা পুন্তার জন্মধ্যে ব্যাহ্যন্ত

अराक मरमार्शक रक्तमानि किः चन्नाः कृषिक्ति। अरकाक्षविभवः कृष्यस्थवस्य अयः खलः॥>।

হে পিয়া, জোনাত কোন বন্ধৰ সহিত্যই
নাপক নাই, তুনি প্ৰসংগতঃ বিভগ্ধ (প্ৰশ্ন
বন্ধৰ ধাৰা অগংশুই, অগিঞ্ছিত), অভাৱৰ
ভূমি কি তথাৰ কলিবেণু (কিই বা এবে
কৰিবেণু) ভূমি এইবংগ পাক্টোভিক পেছের
স্পাক ভোগে কলিয়া প্ৰসাধ্যক শীন বভাগা উল্লেডি ভবতের বিশ্বা ব্যাস্থিতির বৃধুপাঃ।
ইতি কালিক ব্যাক্থান্যবন্ধ্যক বৃধুপাঃ।

(२ विद्याः सम्हात द्यम्य दृष्ण्यस्य छैरणः इतः द्वरेक्षयः द्वरामः (आद्याः) १६८७ वश्यः छैरला इट्रेश्ट्रस्टः, ईट्रा कास्त्रितः स्काधकादः एक्ष्मपूत्र व्याच्यत्रद्यं कीतः २७:२। क्षाक्रमभावत्रवासम् विषयः नाष्ट्रभटक द्वरितः इत्यक्ष्मभी देव वाक्षस्यद्यस्य स्थाः व्यवे । स

শগৎ প্রতাক ব্রলেও কিছুই নবে; ইবা ভোগাতে নাই। বংশুতে বেরণ সর্প (প্রথম্বত:) প্রতাক ব্রলেও নাই, ক্রথ দেইদ্বেশই রাকালিত; অভতব (ব্যন ভোগা ভাল) হেয় বা উপালের আব কিছুই নাই, তথ্ন) আর্থকলে বীন হয় তি

সমস্যুগন্ধার পূর্ব আন্তরীনবাপ্তারার দমঃ । সংখ্যা তীবিভয়ভোট ক্ষেত্রমের লগত তল ।বর

হে বিষ্ণা, কৃষি গ্ৰহজাকাৰে পুৰ্বজন্ধ (সকল অভ্যৰ- বা অপুৰ্বজানীৰ প্ৰছেজ); অভ্যাৰ ভূমি কৃষ্ণে ভূমে, আল্ছা নিয়ালায়, জীবনে মহাল সমান কৰিছা আভ্যাৰণে इंक्टि **चन्नावक्रमी**काव २००५वटनामका भक्तकावद्या

ng aberen !

পুৰুষ্ট্ৰম প্ৰীক্ষাৰ্যসূপনিটো প্ৰে স্থাতি। পূৰ্ব্যক্ষমো সম্ভৌনাং বিজ্ঞোধ্যক্ষমন্ত্ৰমান মন্ত্ৰ

প্রীক্ষার্থ গুরু এইফুল গর্মেরের উপরেশা, দিনে, পিন্যু পূর্বপ্রভার শাস্ত্রার সহ স্থানস্থত সেগাইকেন ১১।

भाकानवनमध्यक्षरः वहेवर क्रांक्रिकेर सहर । इति स्थानर जोशकक में कारणा में अंदर नथ

আমি আকাশের স্থায় বন্ধ থার আকাশের ভ্রান্ত মট ঘটট্র আকান ভূসনাথ প্রসূতি বিনিটিত ক্ষান্ত ভট্ট্ড্। ইলাই ধলার্থ জান। অভ্যাব স্মান্ত্রি ডাইগ্র নাই, মহণ্ড নাই, বছণ্ড নাই হৈ

এভদ্ববো আকাশ ক্টাতে গট ডিল-আছএক ক্গম আক্রাট্ডারক ; --এই শকা-মিগ্রপের অন্ত বালিতেছেন।--মংহালধিরিবাবং স প্রস্তুকো বীচিস্মিতঃ। ইপ্তি আরুং ডেগ্রেড্ডান ভাগেনা ন প্রহো ন্যাব্যুম্ভ

আমি সেই অংশ্র। মহাসমুক্তের ভাষ, আর প্রথৎ ভাষার ভংগের ভূলা। ইতাই যথার্থ ফান। অম্পন্তর আত্মার স্থানি নাই, প্রহণ্ড নাই, লব্নভ্নাই ফা

ত্তেদ্বার। অধ্যা সন্তের মাড বিকারী, এটা থকা নিবাধান বলিয়াবাকেন দেন অধ্যান ক্রিকালাগো ক্রপ্তেন্দ্ বিপ্রকান। ইতি জানা ডবৈহত ন ভাগেন অবহা সম্ব

আমি দেই যাখা ওটির রাচ, মাছ্য ভূগং-১৯ন ডিকিটে রুজ্ড জ্যোর কার্যু

लेश दव ।।।

ইচাই ধ্ধুখু ফ্লান। ক্তর্গ সাহারে ভাগের নুট, এইপ্র নুট, প্রথু নাই। হা

াংশ্রারে আরো ভাজির আর প্রিক্তির, এই পরা নিরামাধ বলিতেছেন।—— লহা ২: সবস্থেস্বরাস্ট্রেরে: মবি। ইতিজ্ঞানত বেইখডার নাড্যেরে। নাল্যারেণ

অংন্ত স্ব ভূতে বন্ধুমান, এবং স্কাভূত কালাতে স্কালন : ইংনাই গণাৰ্থ জান। অভ্যাহ কাশ্বিক আংগত নাই, প্ৰধান নাই,

ইভি স্থাবিশ্রণীভার উত্তরোপদেশচতুত্ব-নামক বঙ্ক প্রকরণ ।

্ৰথম আক্ৰেণ । প্ৰণোগানভূচানে কাংহাৰং নিষ্কুপুন্ । আল্ছা শিকা: পোনাসাগ্ৰহীৰ প্ৰক-

मृक्तप्रम् ॥>॥

জানী বাজি যদি লয়বোপের অনুষ্ঠান বা কবেন, কবে হয়ত ভিনি যুগজ বাবহার কবিছে পারেন, এই আশ্বার উত্তরে শ্বি। আক-জানোলাগিত হইয়া ধ্বিভেছেন চে। মধ্যনভ্যকাভোগে বিশ্বপাত ইভর্ভ:। জর্মতি বাস্ত্রাক্রন মুখ নাত্যশৃহিক্তা ন্যা

কামি কৈডকের মহাপদ্ধকরণ, এপংকপ কাহলে ইয়াকে চিত্তকা কাছৰ বাবা চালিও এইয়া ইডকতঃ প্রথণ করিবার কোন আমার অন্তিকুতা প্রকাশ কমিবার কোন কর্ম নাই। (অন্তং কাছাজ ধনি কল্মর ধা, তাইকে সমুজের সেরপ কোন ক্ষতি নাই, সেইসপ (সংন্তিত বিশ্বের প্রিক্টনেও আমার কোন ক্ষতি নাই) গে

স্থান প্ৰকাশের দেবি প্রথমনীতি স্বস্তুর । উল্লেখ্য বাস্থায়াকু মান্তে বুজিমন্ত ক্ষিত্র ॥২৪ আমি চৈতায়ের মহানমুখ্যকণ; ইয়াজে এবং তবৰ্ণৰাল । বেট ভবৰ নিজের মহাবানুদাবে (অর্থায় ডিম্বের ম্বিন্তা-কামকর্মান্তনারে) উভিত্ত টেকু বা বিশীন্ কউক্ তাহতেে ম্বামান্তনান সভেও নাই, ক্তিও নাই।২।

মহানত্তমহাজোটেই বিশং নাম বিকল্পনা। অভিশান্তে নিরাকার এতদেবালমাজিল: ৪০০

নাম (৬ রণের) করনাই কগন। আদি প্রথারতঃ সর্বাধারত কোক বিবাহিত ক নিগ্রাকার : সেই অবস্থাকেই আগ্রহ করিছা আছি (অভত্রহ কারোগান্তর্ভান নিশ্বকি)।এ। নাজা ভাবেষু নো ভাষাপ্রভানতে নিশ্বকি । ইভাসকোসপুর: শার এতক্রেরখন্দিতঃ রচর

আবা দেহাদিপনাবের মধ্যে শীমানম মহে,
এবং দেহাদি পথার্ব ভারতে নাই (অর্থাং
আগ্রের সহিত গংলিই বা সিল্লিভভাবে নাই);
কেন না, আবা অনক এবং সক্ষমানার
মনিনভা-বন্দিত। অভারব আমি অসক
(কোনবারর সহিত সংলার মহি, অভারব
বিশ্বন্ধ), নিংশ্রুর (কারব কোন মহার দ্বারা
আহার কৃতি হা রুধি হইছে পারে মা; কোননা
সে বস্থ আ্যাকে শপাই কহিছে পারে মা; কোননা
সে বস্থ আ্যাকে শপাই কহিছে পারে মা; কোননা
সে বস্থ আ্যাকে শপাই কহিছে পারে মা;
কোননা
সে বস্থ আ্যাকে শপাই কহিছে পারে মা;
সে বস্থ আ্যাকে শপাই কহিছে পারে মা;
স্বার্থা সাই) এ।

আহা চিন্ধান্তমেবাধনিপ্রপ্রতালধন্ত প্রণ । অতে সম কথা কুঠ হেখোপ্যক্ষেক্সনা ॥৫॥

শংবার অনুমি কেবল টেড গ্রন্থক, শার এই সপন ইপ্রকাশ বা ডেমখবাদীর প্রার শাস্ত্রের কোন বস্তুতেই এবং কি করিয়াই রা হেচ বা উপায়ের বেল হউবে ৮ (করিছ পুৰক্ষ বছাই হউন্ধ কৰে অঞ্চলক বছাই

কউক্, সম্ভাই অভিনয়ায়ী, আভএন ভাষা গ্ৰহণ

না ভাষা কৰিবাৰে কল বাখাতা কেনা গ্ৰহণ

নকম ভ আপানিই বাইবো। আৰু মেনামন বাহ

যভক্ৰ আছে, ভানক্ৰ ভাষার বাইবা আৰু হেনামন বাহ

যভক্ৰ আমাৰ কৰিব বা বৃদ্ধি নাই। আমাৰ
ক্ষণ কোনমূপেই পৰিবৃদ্ধিক হইছে পাৰে না;
ভাষার বৃদ্ধি নাই, কমভ নাই; ভবে আর

কথ পুন্ধ নইয়া ভাগ-বেব কেনা গুলেও
বিদ্ধু সাহিবে না;
উচ্চত চিত্তকালই আছে এবং আনিব্ৰভঃ) ।বা

ইতি আটাবক্রগী চার অভ্তরণক্তক-নাম্ব স্থান প্রকরণ।

चडेम व्यक्ता

ইবং পরীক্ষিত**রা**নং শ্বামেবাভিন্সিতৃষ্। ওকর্ব**ছক মোকত** বাবস্থাং সমাগ্রবীং ॥ ॥

এইরংগ পরীক্ষা করিয়া, বিষ্যের ধ্বার্থ জারলাভ কইরাছে বৃথিতে পারিয়া জন্দ উল্লেক অভিনক্ষন করিবার ক্ষম ক্ষম ও মোক্ষের হবার্থ ব্যবস্থা ক্ষিত্রন চন

জনা বঙ্গো বদা চিত্তং বিকিলাক্তি শোচাভ ৷ বিকিল্পুক্তি পৃত্যুতি বিকিল্পু ব্যক্তি কুণাভি ৮১৪

যতক্ষ চিত্ত কিছু পাইতে ইক্ষা করে বা কিছুর ক্ষ হংগ করে, কিছু ত্যাগ করিতে বা এংগ করিতে ইক্ষা করে, অথবা বিছুতে এই বা কিছুকে কুলিভ হন, ততক্ষাই বীরেষ ্বকন। (স্থাৎ কোন কিছুত সংগ্ৰহ থাকিবেট বছন, স্বাজ্যেতাৰে নিবপ্ৰে হটলেট মুক্তি) (১)

ভাষা বন্ধে। ধন্য চিত্তা ন বাজতি ন লোচতি। ন মুক্তি ন বুৱাতি ন স্তুগতি ন কুলাভি লংক

वस्म 5% विश्ववे शाहरण हेक्का बरत माः विश्वव बलके काथ करत माः विश्ववे खाल कतिएक वा अस्य कतिरण बेक्का बरत माः विश्वरण करें वा विश्वरण्ये कृतिक हम माः ज्याने पृक्ति ।स

কল বজে ধনা চিন্তং সকং কাপপিন্তিত।
কৰা মোকো বলা চিন্তং স সকং সৰ্মানুষ্টিৰ ॥আ
ব্যান চিন্তা কোনপ্ৰকাৰ অনায়ন্ততে
আগত্য, তখনই বন্ধন , দখন চিয়া সকল
অনায়ন্ততে স্থাতাগৈ কৰিবাজে, তখনই
মোক ।আ

यमा महिर छन। (मार्ट्य) रनाटक यस्त्र छन।। मार्चिक रहनका किकिया गुरुष दिस्कार १०॥

বধন আংগ্রাক পূর হইখাছে, তথনই মোক: বডকৰ অংগ্রাক খাছে, তওজনই কছন। এই কথা কুমিয়া অবহেলার সহিত্য কোন বছ প্রহণ কবিও না বা কোন্ত্য ভ্যাক কবিও না 101

ইতি অ্টাব্জনীতার বছনোকোপনেব»। নামক অঠম প্রকরণ। (ক্রমশন)

উদ্বিধেশনক শাসীক

স্বাভাবিকতা ও কুক্রিমত।

তভাবটি কেন পুণা আনজননভার, ধহি ধার কুণু বুজু কুড়ারে আছব , স্থানিকতা ক্লক-শিশা কৃতিত কটোৱা, ভোগি ধারা-পটে তাতে বাধা দেল থোৱা -শ্রীকীবোদক্ষার পোর হ

প্রাচনত্ত্র ক্ষরভাগি।

মেঘরাগ -- **ক**াপভাল । 🚓

প্রবল ঘন মেষ আজি নীল ঘন ব্যোম 'পরে काषात्र यम तथात आयु ठळा इटि हरू। বরবিছে মুবলধার নাহি বিরাম আরু বিশ্বপতি রাখ এ বিপদে বাঁচাই ছে। **बरा** धरनी 'भरत সকলি হে শহা করে, প্रश्न भवी क्षम भव नहीं नह रहा সকলি শক্তিত আজ খন খোর বরষায়, শ্রুপতি, চরুণে রাখ শান্তি বিচাইতে #

স্বর্গপি--- শ্রীমন্ত্রী যোহিনী সেমগুলা ৷

٠,	4		- 07					- 26				
H	भा	201	ना	ৰ্মা 📑	र्श ।	相	4	-91	ना	아	I	
	œ	4	w)	F	ㅋ	CR -		ঘ	900	मि		
	1,5		-0					>				
1	퓌	4 1	-91	. =1	911	- 11	-7 1	1 11	রা	-লা	I	'n
	নী		- 45	A	퓌	যোগ	4	প	C (1)			
	4'		0		•			>				
I	সা	রা ৷	-ৰহা	30	1111	PIT	-11	-91	啊	91	1	ı
	41	41	+ 3	19	a 1	CHI	0	相	Ψţ	ヤ		

 ভারতীয় সগাও-পুরুকারিতে লেকা আছে বে, ভ্রুটা দ্বাসের শব্দ বা প্রের বারা ছ্রটী ঋতুর অধের্ণ প্রথশন করা হট্ডা পালে। করেকটি খাগের গান বিসেদ্ বি, এল্, টৌধুরী-মহাৰ্থাৰ ধাৰা পৰিচালিও স্লীত স্মিলনীৰ গত বাবের অভিনয়ে, স্লিকাডা ইউনিভাবস্থিট ইনিষ্টাটিউট্ হলে গীত হইয়াছিল। ঐ বাগওলির গানের মধ্যে,এই গানটিও গাঁওয়া ছইয়াছিল। গানটি স্বাধানক মাজিত ভংলাডে ছচিত নহে। সম্ভবতঃ, কবিক্ষম বা চাওলাগ বা বিদ্যাপতিত্র গাঁচে ব্যক্তি , কিন্তু মেছিলীপুর বা বিকুপুরের গান-সচ্বিভাবের বাঁচে ব্রক্তিত ৷ কিন্তু একটি হিন্দি গানের ট্রিক্ মাণে, বছত্ব ও ছোট ছোট বাণীনে স্বভিত ধৰিলা পামটিকে স্থীতিম্ভ अवदारकत स व्यवस्था (टेकाम महिन, डारडेय किन्द्रत, जिल्लामिनीय एर मध्यस्ट रूप्टेक मा एकत्, পাহিতে পারিলে, অনেকটা অভ্যত্তৰ করা বাইতে পান্ধিবে যে, বধাকালের ভারতলী বা ক্রিরা-কলাপ বেম দে সময়ে উপস্থিত।

```
জ্বদ কংখ্যা <u>।</u> গামেত খুবুকিপি।
            -ना भा -ा मा -भा । -भा
      -11
  সা
                 * 初 岁 ほ
            37
       즥
              ō
                 ना ना। ना मा।
                                       স্থা া ∹শা ি
            পা
                                育
                                       47 +
             Fi
                  CIE
                      Ę
                                911 1
                                      ना -1
                     भी ।
                           41.
            31
       -11
                 "|
1 3/1
                                10
                                       खा -
                           341
                     - 62
            10
  \exists t
   2'
                                              ##1 1
                    1
                           र्सी
                र्त्रो
                               ਸੀ |
                                     सा ।
                                         ম্পা
            न्या
IN
       41
                    136
                           ற
       백 _
                100
   i
             9
                                     -स -वा -था H
                               -911
                 -97
                           মা
       71 F
I 4:
             11
                     15
                           ţŢ.
       বা
   池
                                                -91
                 का शास ना
                                           R1
                                       ना
             -131
H at
       -41 }
                                       9[
                                           ζŝ
                  Ħ
                       1
             100
       #1
   万
                                                91 1
                                           পা
                               -PH :
                                      - 41
                र्भा नन
                           4()
             F
        41 I
 1 70
                                                83
                                      91
                 25
             14
        4
                                                 -1 1
                                             41
                                74111
                                       -31
                  भा -[1 मा
             ঝা
        711 1
  াষ্
                                 31 -
                  4
        3
                                         9
                              म[ ·, [
                   91
                       -[-]
              40
        제1 |
   케|
                              41
                   H
        R.
               8
                              -357
                                   利1
                                         317
                                             -1
                        41
              भा ना
        引 し
   মা
                              (F
               傳 "
```

আসরা কেসন করে বেঁচে থাকি ৷

(পূর্বা প্রকাশিক্তর পর)

ডিয় ৷

ডিমের মধ্যে চুইটা প্রার্থ বেখা ধার; খুইটিট অরণ। একটি সংলাটে; পার (ছালাফাডীয় পলার্থ) (জার এ ভাগ at-একটি বস্থে, এইউকে কুত্য বলে। ভিম ফুটর কলে ফেলিলে, স্থানটে জিনিধটি ्रम पंक्र रह जारा दर्भ व्यव्ह रहा कृष्ण । तक दश, किन्नु वास सद । पूर्व सारश्हे ছানার মত বিকাশ আতে ৷ কুকুমের মধ্যে ভানা বাভীত অৰু লাকার প্রের-পদার্থ পাছে, মার অল্পরিয়ালে চিনি ও এবণ আছে। क्षित्र उपादेश भूकारेश शहे वस अहिन्हें स्वता फिरम् यक श्रकात देवनथ आहरू। किथ अभ मार्चे दिवस्थ ६६। व्ययन दश्या दश्य তুল আৰু ডিটে আকট প্ৰকাৰ প্ৰাৰ্থ-সঞ্চল न्याद्यः। एके दुवेके आमने भागा वा मूर्व-पाना । देशदम्ब माथा भीवन पानत्व भन्छ हिन्दर्भ माल्या याप । आहे जैनकदन-वृत्ति আন্ত কেন্দ্ৰ একটি আল্লে প্ৰভয়া যায় না।

ত্রখন মাধ্যের কথা বলি। মাধ্যে শতকরা पर जात कन ; बाबि २० काल Albumin (भश्काकोश नमार्थ का कवित)। असि-विशेन) माध्यस्य Lean दरन । बीकि माध्य Leance पूर्वक क्रांना, शिरमंत्र नांचा, Fat) करिय, ध्रवंत মাধ্য আৰু ডিমের ক্লেচ্পদার্থের মতন জিনিখ बादक । बास्टम् ट्याक्रमध्य (Stareli) वा दिवि নাই। বেতসাবই শ্রীতে পিনা চিনি ব্যা

(Starch)) food প্ৰসাধ-পাঠীছ थाइमार कथा वित् । इचल माइन्साकीय भागा नहीरन शिदा हिमि दहेश भए ; जातारक শারীবিক শরি রক্ষা হয়। ইয়া heatmaking food अधिक्षप अभा भूक्षेपन अग्रह एन, मून, भाक, प्रवृक्षि, भागाव, चानू, वृशि ইত্যাদি সকলই খেতশার-প্রাধান থায়া; ইসার্থে proteid অভি আনই আছে ৷ আপুতে গাট্ট ৰল। ভাগ-কলাই-ছাতীয় বালে অংশকা

ত পৃথিকর পদার্থ বেশী বাকে। আনানের বিশেষ চাল ও সম প্রধান বাধ্য। এই পুইটিতেই কেন্দ্রমার অধিক; পৃষ্টিকর পদার্থ আরু। গম অপেকা চালে পৃষ্টিকর পদার্থ আরু। আমিবের proteid নিরামিবের proteid অপেকা কলে-পাচ্য এবং শীল ব্যক্তর সাকে যিপো।

भागाति मनग अवंत गाल वन गार,
वनानि भागाति कालान किंदिल १६;
तह शाका महीद भना र म ना १ सन महीदव
नीच सरन मा दर्धि, किंद्र सनदम कार्या महावसी करहा शाका र महाद भागवा नामा-वर्षात सन्द । शाका र स्थानि (Table Salt) मान्यिक सरन शहर १३ । नरन ११५ मूहि करन अवंद नीरदन किंदिल १३ । नरन ११५ मूहि

আমবা প্রতিধিন অনেক প্রকার বাদ্য গাই; কিছু সমজের কাণা প্রাধানতঃ তিনটি গুলার্থ থাকে।—Proteid মাংসঞ্জনক, Starch শেতদার এবং Pat ছেহ-প্রার্থ; এই ক্যাটিই প্রকৃত পান্য। মান্ত্র-মাজেই আত বা অঞ্চাত-নাবে এই প্রকাত থালা গাইমা তৃত্ব ও শ্বন থাকে। বড়মান্তবা নালাপ্রকার ব্য-ভোচক থাছ পান্য। ভোলন করেন; স্থীবলোকেরা ভা পান না। ভালাতে ক্তি মার্গ, বরং অনেক সময় উপকাল হইমা থাকে। অনেক মস্বা ও বি-ভেসমূক্ত ভর্মারীতে অলীর্ণ-বোল ক্টতে পারে।

Real and helpful অবাৎ প্রকৃত ও
সহকারী বাদ্য বাতাত আর একপ্রকার পানীয়
আছে। এইবাপ বাদ্যের সহারতার শারীরিক
উপাজিত শভিবে নিকট হউতে অধিক কার্যা
ক্রিক্ত হয়। এইবাপ থালাকে whip বা চাব্ত
ব্যের। চাব্তের বারা গোড়াকে বেমন

हांनार्य रव, यह थायान (प्रवेदण । यह स्पीत्री या हात्वनयामः উপाक्षत करत मा , 'क्या छेपालिंड मानवा यहह करता हैरा प्रवेह कतात वहित्राहे व्याधानक व्यक्ति वार्यानं वार्यानन यह। श्रीकारक थानेस्त्र मा निर्दा सह हात्वर कि हांगांग वर्षाः

Tea (চা), Coffe (কাছি), Coco (কোৰো)—চাৰুক-লাডীয় এইগুলি বক্ষেত্ৰ পক্ষে প্ৰয়োজনীয় নয়। কেচ এইগুলি ব্যৱহায় কবিয়া ভাল থাকে, কেচ থা মন্দ্ৰ থাকে।

চা ইভাগিতে কি উপলাব কথা ।
শ্বীয়ে গিয়া অলে না এবং কোন কাৰাৰ
নূতন শক্তিও উপাৰ্কন কৰে না। প্ৰছ
ইয়া উপাৰ্কিত শক্তি খবচ কৰায়। উপাৰ্কিত
শক্তি যাক্ষ্য অধিক প্রিপ্রম কৰিছে
শারে। অধিক বায় ইইসেই অধিক আছ
চাই, সেক্ষা প্রিপ্রম ক্রিপ্রম ক্রিপ্রম
ক্রিতে ব্য এবং ভার্যয়া আমার বেশ তীর্শ
ক্রিতে প্রেন।

मध अविधि हात्ववालीय प्रवा । हा अवर्ध मानव वावराव नदास भारत विधि-सावया वार्छ । तम मान्य वया अवर्धान रत्ना वात मा । स्थारित देशन स्था स भारत (शारक प्राप्त मानव देशना स्थापन नार्षे । स्थान, व्यक्त अवर convalencent (बाराचा द्वान दर्शन, व्यक्त देशियाहन), कांत्रावा भारत हवा मानवान व्यक्ति कांत्रावा स्थापन व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति मानवावरांन कथा विकित न्या मानवावरांन व्यक्ति अहे त्य, हेशांच भारमक श्रीवनका जन्महें व्यक्तियां राष्ट्र ।

চা কেমন কৰিবা প্ৰায়ত কৰিতে হয়, প্ৰবং কাহাই ভাষা পান কথা উচিত, আৰু কাহাৰ বা পান কথা উচিত নয়, পে বিষয়ে একটু যদি। অংশাগের কটনারি কর কটনে চোহাকে ফ্রানার করেবার মন্ধানি ক্লোক কালা ক্লোনার ক্লোকান্ত ক্লোনার ক্লোনার

চা-প্রনীটি বেশ অধ করিব। স্থান্তি ফুটার অল চংলিবে এবং স্থান্তে চা ফেলিরা দিবে। ৩:৪ নিনিটের উপর উচা স্থান্তে না। কারণ, বেশীক্ষণ রাখিলে Tanic Acid হয় (মাচান্তে চারড়া হয়)। ইমা শ্রীরের শব্দে ক্রিউকর। খালি পেটে চা-পান কবিবে না। চা-পান ক্রিবার সহল ক্ষাক্তঃ একটু বিশ্ব থাইবে। পূর্বে বহি মধেই পরিমাণে আহার, করা হইরা বাকে, ভাবং হইনে ভাকার পরিপাক-কার্যা বাড়াইবার জন্ত চা আবন্ত হ। চা একপ্রকার Stimulant বা উদ্ভেক্ত করা; কর্বাৎ ইয়া রক্তের Circulation; (গতি) বৃদ্ধি করে।

व्याशास्त्र मनम क भविमान हिंद वानिएक
इव ; धार Proteid, Starch, Pat, Salt,
Water—धार भवा स्थानियान कक्ष्म हारे ।
निव्याम स्वत्ती वा क्ष्म क्ष्मिन व्याप्त स्वतः
व्या वारमान मरण स्वाना पूज क्ष्म व्याप्त शिका हार्थ स्वतः
व्या हार्थ स्वतः व्याप्तास्त स्टक्क स्वार्थ व्याप्त स्वतः
व्या क्ष्मिन व्याप्त स्वतं क्ष्मिन्य स्व ।
स्वान क्ष्मेरक व्याप्त स्वतं क्ष्मान्य स्व ।
स्वान क्ष्मेरक व्याप्त क्ष्मेरतं अत व्याप्त स्व ।
स्वान क्ष्मेरक व्याप्त स्व क्ष्मेरक स्वाव स्व ।

क्षेत्राबाध्यक्त रूप ।

হিন্দুর তীর্থনিচয়।

कामाध्या ।

পূর্মণত ও অংশান প্রেরণের কামরণ-বেলার কামাথা। অব্যিত। এখানখার মলিরনী সভীর নামে উৎস্পীকৃত। উজ্ মলির নীলাচক-পর্কাতের উপ্পন্ন অব্যিত। এচানে ব্যক্তালন প্রবাহিত। মহাভারতের সম্পামরিক নর্ম-নামে ক্রৈক রাজপুর মলিরটী প্রথমে নিমাণ ক্রেন। পর্বতে মরোহণ করিবার ক্ষত বে বাব তিনি বার্থিয়া। হিলান, তারার অভিয় এগনও বস্তমায় আছে। কামে মলিরটী লোপ পার। প্রে বিশানং পূত আন্টার আবিধার করিয়া তথাই একটি মন্তির-নির্মাণ করেন। কিন্তু কালাং পাহাড়-নামক অবৈক ধর্মোরজ মুগনমানা ভারার ধ্বংস করে। ১৫৬৫ খ্রং, নর্মারার্থ্য নামক করেক ব্যক্তির হারা মন্তিরটি নৃত্যন করিয়া নিশ্বিত কয়। এই সম্বাহে ধেবীয়া নিশ্বিত কয়। এই সম্বাহে ধেবীয়া নিশ্বিত কয়। এই সম্বাহে ধেবীয়া নিশ্বিত করে। নর্মারাহ্রাধের রাম্বাহিত করে। নর্মারাহ্রাধের মন্তিকে করে। নর্মারাহ্রাধের মন্তিকে করে। নর্মারাহ্রাধ্য মন্তিকে পতিক করে। নতীর মৃত্যুক্ত ম্যানিক্রেশ বর্ণন ব্রীকে করে করে করে করিয়া উন্সভ্যুক্ত স্থানিকরে বর্ণন বর্ণন ব্রীকে করে করে করিয়া উন্সভ্যুক্ত স্থানিকরে বর্ণন বর্ণন বর্তীকে করে করে করিয়া উন্সভ্যুক্ত স্থানিকর বর্ণন বর্ণাকর করে করে বর্ণন বর্ণন বর্ণন বর্ণন বর্ণন বর্ণন বর্ণন বর্ণন বর্ণাকর করে বর্ণন বর্ণন

প্রিতেছিলেন, তথ্য সংগ্রেজনাত্ত विक भ्रमन्तिहरका बांधा राष्ट्रीरवह वेश वंश ক্ষিত্র কাট্যা কেনেন। যে যে স্থান সভীয় প্ৰশে পভিত হয়, তথাৰ একএকটা প্ৰীয়নানেত व्यक्ति हरेपाद्ध । कामाधाध दमबीय दमानीतम ्याजिक क्षेत्राष्ट्रिय । यह वश हेका हिमानीर्थ-ত্তবে পৃথিপত চ্ইমাছে। ভারতের ব্রুল मान करेलके बहारन त्याक छील कांत्रवाद **জন্ত সমাগত চর। পর্যায়েলরি আচও** হর্টী মন্দির আছে: ভর্মধ্যে দ্ধিকাংশই 'वावकामान प्रशास विवाद क्रावेशहरू । এই মন্দিরপ্রতির অভিব ১৮১৭ টাঃ, কৃমি-करम्भात भव रुदेएको रुवेगारक । रेपरामाधि আবোহণ করিলে, নদী ও চতুপার্থবর্তী সাম-ক্তনির হক্ত এড বমনীয় বোধ হয় যে, জাহা ক্যক স্বার শক্তি মানবংকধনীর নাই। স্থাসাথের ত্রাজগণ আমাধ্যাদেবীর দেবার জন্ত ২৬০০০ विशे सभी तरकालरहान कान कविशोहन ! সময়ত ব্রিটাপরাজত ভাষা বছর করিখাছেন। াইমাস বা বড়বিনের সমর এবানে পৌর-বিংঃ बारम अक्ती फेरनव वहेगा बारक। (व-अस्टर कामाधान-दश्कीत महिल कात्मपद्यक विवाह इटेशक्ति, यहे देशनकी फाशहरे यावन । ্রভয়তীত বাস্তীপুদা ও ছর্গোৎসর বধাকৰে কৈব ও আখিন যানে অভিনয় ৰাড্যৱের जर्बिक रहेवा पाटक ।

প্রণামে থেখন ক্ষয়র সভাগার আছে, হক্ষমনই আফ্রিকৰ দূর্ত ব্টরা পাকে। ইকারা প্রক-ম্কানের সাধক। পঞ্চ-মন্দার মধ্য, (১) ব্রুর, (২) সাংস, (৬) মংস্কা, (৪) ম্লা ও ব্রুর) হৈবুন। অভ্যান্ত সপ্রকার পঞ্চন্দানের ব্যাহন বিকৃত কর্ম করে, ইকারা ডেনন করেন

না। কৰ্মৰ স্বনীক্ষ্ চ্ট্ডে ক্ৰিয় चकुष्टधांती पान कविया (य. कालिक चानश्रक) हर, काश्यक्षे रेशना मनाश्रक न्याना माध्य-मध्यक हैदावा वरकान रह, मध्याक রবনা , ভেলংগ-ডক্তবদীল বাকি আংল माधक । वर्षाए दाका-माध्यकाको भोजादमधी বোগিব্যক্তিকে ইয়ারা মাংসভূক বলেন। ছাল-মেয়াল-মাধ্যে পরিভর চইয়া ৫৩, ভগ্ৰদারাধন্য কবিচা ভ্রত্তনে প্রিথ্রক रहेरेन, खक्कण वर्ष हैं।श्रेक्ष घटन कावस सा । मध्या-मक्टक केवारा बर्जन १६ जवा-नरक देखानाफी, स्थाना-मध्य लिक्ना-नाकी : दहे ইড়া ও শিক্ষা নাড়ীর মধ্যে নিয়ত একাগড়ে-कारी . एवं निश्याकः न्ह द्याचार-क्ली प्रथमास्य যিনি ভক্ত করেন অধার বিনি ভারোজন লাংক বাস-প্রাথাসকে নিয়োগ ফরিয়া কেম্বর কুল্ডকের পুরি করিছেছেন, জাহাকেই মংলাশী বলিং। ইয়ার। উক্ত করেন। মতুবা স্থায়-क्रमहारू-प्रशासि-छक्ष्यभक्ते वास्तियः देशाना মংক্রাণক বলেন নাঃ গুলা-সংক্রে ইয়ারা ম্পের খে, শিব্দি ড্ডি স্বস্থদৰ মহাণায়ে ৰুক্তিত কণিকার হধ্যে তথ্য পারার ভাষ শেষ্ট্রপ বাজ ভরনারণ সংস্থাত অবস্থিতি ; क्षिति प्रदेशक अस क्षेत्रक व्यक्तन **व्यव** ভিত্তি কোটি চয়ের কথা চাইজন ৷ এতিবয় कमनीय-(शोक्यश्विष्टि अंदर ग्रहाकृतिनी न्कि-अध्यक ८५३ अध्याक्तस्यात केलाव ৰয়ে, উঠেব মধে মৃত্যাধক : মৃত্যু কছক-অলি ম্লোপবোদী নামকে জলাকব্যকে মুখা হলিয়া ইয়ার। উপদেশ করেন দা। মৈগুন-त्रशास हैहाता शामम ८६, देवशूम-मध्य श्रम । र्यालाका चार्चारण वयन करवा, छाटालिसा

এ। দৈখুনবারক। সভুবা জী-সক্ষাক हेड्यां ट्राइम स्टबंब मा। अक-बकादबंद बहे ৰাখাতি "অধ্যম্ভে"-নামক তাৰ চইতে अहीत इहेन !

লামরা পূর্বে বলিয়াছি বে কামাধ্যাকে ६र्मा- ७ वामकी-भूकात पूर पुत्र रहा। विखुता ভূগাঁকে প্রত্রন বলিয়া বিবাস করেন। ভূগ-প্রক সংস্থাপ, অব্যয়ার আ-নিজার। বাহাকে থানিটে পাছিলে দংলার-ছঃখের নাল হয়, ভালাই দুৰ্গাননামে অভিনিত। অভএর তুর্গা যে প্রমাত্মকুরণা, ভাষাতে কিছুমান সংগ্ याते । दुर्भाश्वकार व्यामचा हाससी छित्र छै भरत्य পাইতা থাকি। রাজাপন এই ধর্ণীয়প্তলকে পরাক্রম-হারা লাভ করেন। সেই পরাক্রমের लक्षम केलकरन-नृष्टियान यही । हैर्टाटक वारम রাবিত্র ভুক্তবাদে টিছার সহিতে মন্ত্রণা করিলা বাজারা প্ররাজা-কা ভবিষা থাকেন : कैशिविक मध्यिविद्यार क्षाप्तक राज्य कारबास्त চত পলিতা এমু-পেটিকার্ড হাজিব-চডের আর্ত্ত স্থানাদিতে বজা করিতে হব। বৃদ্ধকালে হত্যসাদির আরোধী সেনাদতি ভুট্নামে-হৈছকে বৃক্ষা করে : প্রট্যেঞ্চ-বন্ধনের কর পালাদি বন্ধন-বন্ধু প্রায়ত থাকে। সিংহের বিজ্ঞান শক্তকে আক্রমণ করিয়া আত্মনুভূতি মাজবীজ্ঞ করিয়া বিশিষ্ট্রপ বছনে রাখিতে হয়: এবং কুত্ৰ বক্ত বাঁদ নিয়ম হয়, তথাপি ভাহাতে স্পন্ধ-জানে নিপ্টাড়ন করিবার বন্ধ ক্রা আৰশ্যক। কেবল ফুলিফিড একাছের पादा पूरत अवसाध एवं मा, अवस मानाविध অপ্রশিকা দেধাইয়া শক্তাকে হতপরাক্রম কর। উচিড: মুক্তকালে রাজাকে বছরিকে কৃষ্টি

লাম কান্তাল। এতাদ্য সমন্ত্রীন ব্যক্তির সাধিতে হয়। যদি এরপ আচোকনের মূলকা হয়, জবে ব্ৰমট ব্ৰাজা সমাক জচলাত ক্ৰিট यात्र लाग्द वहेराव लारबाम मा। स्लाकरक वहे क्षेत्रभव विकास सक्ष भवरभवत विविध्यस्तिक्तः দুৰ্গাহ্বপৈ প্ৰকাশিত ধ্রীহাছিলেন।

> मनकृषः त्यो मनज्यस्य विविधाः শিক্ষার উপলেশ করিবছেম। রাজ-স্কৃত বৃদ্ধিয়াৰ মন্ত্ৰীকে বাহে কাৰিয়া মুক্কালে ভালার স্থিত মহণ্য করিবেন, এ-কারণ বিদ্যা-মুদ্ধির অধিষ্ঠাতী সমুদ্ভীকে ভিনি ব্য**ে**খ ৰাখিয়াছেন। উপস্থিত সংগ্ৰামে প্ৰাকৃত বাৰ हर : किस पाडारक रहकानाकार मां वह, रन-আৰু বড়াপটিক। দক্ষিণ হ'ত দ্বিভিত্ত 'ব্ৰাভিত্ত हहैरव : हेश रमधादेवात एक छिनि वर्स-রত্তাখিলাতী কমলাকে বত্তপেটকার স্থায় দক্ষিণ ভালে সংখাপিত করিয়াছেন। আহোছি-সৈত্য-নামকের প্রভাক্তন অন্ত কাভিক্তেকে বাৰণাৰ্চে, 😘 হন্ত্যাব্যেছি-বৈশ্ব-মায়কৰলৈ গ্ৰহান্ত প্ৰবেশ্যেক্ত দক্ষিণ পাৰ্থ ডিনি সংস্থাপন কবিয়াছেন। শঞ্চপকে সিন্ধ-বিক্তমে বাইতে হইবে, ভালা মেধাইবার বভ দেবী সিংহবাহিনী হইবাছেন। সর্কসমূংব্যালি-রাজা কথন পক্ত-কণ্ঠক হস্ত হয়েন নাঁ, এ-কাৰুণ मुक्तकद्वाधराधमार्थ पृक्तकथ बन्दिवरक भारम বদ্ধ করতঃ অক্সমত কবিয়া বাণিয়াছেল। নিবৰ শক্ত হইছেও বশত্ৰ শক্তৰ উত্থান हर, हेट पानाहेचात बस पहिच्युप स्ट्रेस्फ শ্বপাৰি-পুৰুষোত্তৰ সেখাইয়াছেন। সমূদ্যোগি-কান্তা দশ্বিকাশ অধিকত করিয়া धक्नाक्षक। नास करवन। धहेबस स्मी দশভূকা হট্যা এক এক বিকশতির আ थक ८० ६८% धावन कांत्रश असंदर्भावदक्

উপদেশ কৰি গছেন হৈ, এই প্ৰ্যুদ্ধণণ ধন্তীয় দিকপতি-সকল এবংকুত রাজ্যর আজতনে অধিবাদ করেন। বিনহন-সাবদের উদ্দেশ্য-কাঞ্চা বহুদূক চইবেন: অধ্যথ বাজার উন্ধান স্কানিকেই দৃষ্টি থাকিখে। অর্থতে নাজার উন্ধান স্কানিকেই দৃষ্টি থাকিখে। অর্থতে নাজার স্কান জেকেচ বিদ্ধান অর্থতে সাধুপালন ও অ্বাধুপিত্বন বাজার ধর্ম উপদিই ইইমাছে। তথ্য-কাঞান-ক্তিতে, রাজ্য যে উন্ধীয় তেজ্ভী, ইহাই জানাইয়াতেন।

भाषका भारत दिल्हादि (द, पूर्णादक दिल्हा প্রথাম। বলিবঃ মান্ত করেন। সেই ভূগার শ্রহকালীন ভর্মোৎস্ব ও বসভ্জালের খানজাৎদৰ কইছা থাকে। একই ভূমার वरमात एवंबात लुका करावस धक्ते व्यानिक ভত আছে। দলিবারন ও উত্তরারণ ভূইটা পুর । দক্ষিন্ত্রন লিক্তরান, এবং উত্তরারণ দেবহার । অভিনীয় কতা পিছবানে, চৈত্রীয় कला दश्यरादन शहेशा चादक । व्यवीय अनुचि-মার্লে বে কর সেই কর্ম দক্ষিণায়নে এবং जिल्ला भु-भ्राप्तिक कृषि छिन्द्रशाहरण जन्मा कृष्टेशा খাখে। এ-কারণ শাস্ত বলেন (ধ, স্বেবভাferma fum Gwates dat utfc newith ! ক্ষুত্রাং, গ্রা ভিত্র বাজিকালে পুঞা করিতে হটলেই অসমত বোধে হেবডাকে ভাগাইতে এটবে। ট্রার্ট নাম বোধন। উত্তরাংগ काश्चनगरणः अहे नगरप ८१२मा चकारकः क्षिण्याविभित्रे क्षश्चारत वायस्य चायक्रक হয় না। অধাং প্রকৃতিমার্গে অর্থপতি করিখা नियुक्तिमारणेर कार्याभारत्वत्र अकारमा क्षिरतहे, ঐ প্রবৃত্তিভার্নবিত ভাজিরা ভাষ্টেক নিবৃত্তি-बार्ग कांबुडा छाष्ट्रारकई द्यापन करन । धार्यान

মার্থ সংস্থার এক ভিতুদ্দিলার্থ বর্ষান : লাকুন্তি মাৰ্গন্ধ সংসাধী বাজি উত্পাস্থত সংস্থাতি-माकार्य जनाहरशालुका इंटर्नाट्यार काल्या তংক্রমানে মিডিয়ামু ঐতিক নারালিও ইম্বর্য লভে করিয়া পরে প্রকাশতে ক্ষম করেন। নিব্যবিমার্কে আনিক্ষণের ইহাজেই যোগা-নিবৃত্তি লাভ করেন : স্বয়ণ ও ময়াহি উভাছেই ছুর্গোৎধর করেন: কিছু প্রবৃত্তিমার্গে গারিকা (भवे चुनुष्टक प्रमुख्यम कानाम केष्यामानी करियादिकाम । निश्चित्रका नुमापि निर्वाच-पार्थ्य के कर्तारमय करवय : जवन लेखारन লাশনার স্কুশ্ভর যে ওল্ডান ভাষ। 🗟 ক্ষানশক্তি প্রদান করিয়াছিলেন : লোকে উঅবাহণ বসভকালকে ওছকাল বলিছা বাস্থী-পুঞার বোধন কবে না। কার্ল, এইকালে কুন্তুলিমী শক্তি জাগবিতা থাকেন। উত্তর-न्द्रम् गर्कर भए । ज्यान-न्द्रम् भाष्ट्रीय । अस्तर भव ভাববিক্তর পরম্পাদে আল্লার ইভাবের উভাবারে : দুখিলায়ন প্ৰথকাকে কেবীৰোধনেত প্ৰথা আছে। সাৰণ, এইসাৰে ১৩লিনী শক্তি নিত্রাবস্থার ধ্যেকন। পিত্রপোকস্থানী কলেটী ব্যক্তি পিতৃহান অধীৎ শক্ষণায়নে হস্তলেকে প্ৰমা কৰে, ও প্ৰকাৰ তথা হটতে নিবৃত্ত ♦वेश वेश्वास्त्र व्याधकन-कराउ: क्षेकारक जिल्ला दश्या नियम देशस्त्राचार चक्केरत-स्थल चुनवरित वर्गालास्य क्षम करत এবং ভোগাবসানে কংলারে পুনবারত হয়। এইরংশ সংখ্যাতর শিবৃত্তি হর ম। । পুন: পুন: ঘাভারাত-রূপে লোকেরা পরিপ্রথের অভ্যন্তর করিতে থাকে, কোন্ মতে বিপ্রায়ি-প্রদাত कटच ला । ८५ वसहस्य च्यावह द्वेश विकासका ক্ৰাহি সুপাৰ ক্ৰিকে অ্থিকাটক ব্যক্ত

ক্ৰেছঃ আদিভাৰাতে বৈশ্বাসবাদা প্ৰয়াস্থাকে লাপ্ত হয় এবং অার ভারোর প্ররাশীন্ত থাকে না : হিন্দ্রা পিড়পক্ষের নবসীতে করারত ক্রিয়া দেবার্থন। কর্মান লাখ প্র-বুড় : এট প্ৰস্ত অবস্থান কবিলে প্ৰদাপ ইলিচবুজির অব্যোধ করিখে হয় পকজানে-खित्र, मक्षकरवित्रक, धदः मक्षक्**छ-ए**क्षि ---वह पक्रमन्ति आहब्द्ध मात्र भक्षछ। बहिएक द्रमवीय द्याधन द्या। अहे श्री फिरि উপাসমা-ভেদের সমধ্বিদেসমাত ৷ বঁটা বেলন ক্ষালার্থর এডমন্ট হোগাব্যব। বোগাব্যব উপ্ৰেন্ত হুটো আকৃতির নাম—আসন, ভাডাাহার, কাণ্ডলম, ধ্রুম, ধারণা, সমাধি : हेडाडे बडन दांग-साथ चार्च। व्यक्तिप আনন-ধোৰ, বিভীয়া প্ৰভাৱোর বৰ্ধাৎ ইপ্ৰিয়-শ্বহদ্ন-যোগ, ভূতীরা প্রানায়াম-বোগ, চতুরী कान-ध्यात्र, शक्यी धारवाद्यात्र, वही नमावि-ट्यांच : देश स्माहेशाय निविक अखिनशामि স্তবাধান শাবে উক চইখাছে। অভিশংগ প্রেরী: ও বজানাগন দিবে। ইহাতেই **সাস**ন-त्यांत्र देश इंडेसा विशेषात्र त्यन-नायमार्थ (साबक-शामक्तरण ऐक्तिय-मध्यमम अञ्चाशत्रात्रात्र देक हरेताहः कृष्णीहरू নাদাভাগে সুৰ্ব্যাক্ত মিশ্বিক ভিলম্পানকলে अपादाम केल क्षेत्राह । क्षेत्राकार हेका, , অধাকার জ্যোতিখারী শিক্ষা, ইয়ায়া নাধা-भारत्यतिनी नृदक-द्याञ्चानि-लचनाविना। স্বভাগ, ইচাডে প্রাণান্তাম্যোগ বলাই বল্ড হুইয়াছে: চতুথীতে উচ্চাবচ-কুল্যানজ্জ mগতের অভিস্থিত কলপ্রণাতা প্রবেশবের व्यक्तवादवद्वम अन्य-साम्बद्धारयः छेन्द्रस्य করা চইয়াছে। প্রথমিত কছতিকা-মানজ্গে

वाश्वनाद्यात्र कविष्ट असः कार्यन्य वनस्तरकान পুরুসের প্রি-সভ্তের ধরেণাবের। ইটিছে। প্রপ্র-এধুপর্ক-প্রকাসকলে স্থাধিয়ের লেপ-দেশ করা কইচাছে: অবংগ ছবুধারা-পারে আসক ব্যক্তির বাহ্যমান বাহ, স্থাধিকেও वाक्क्षाराज्य व्यवभाग हरू । क्ष्यान्यार, भगान समार चराश्चित्रक सामी अवक्रक स्थारत स्थारत অভাগে করিবে, ওক্টাছ কাসাব্যব অভি-भश्नति क्षिमि-कृदय एक अन जना-मानकान वक्रमहराहशालरम् । द्वान बहेशरम् । द्वानप्रदर् উতীৰ্ণ বাধক অহসং, প্ৰাণ্যয় ও মনোকা কোষ, অৰ্থাৎ সমাধির অবসালে বিভালময় কোৰে অবস্থান কাইবে। ভাষ্টি সংগ্ৰন্ড দাবা क्षाहिल्द, विद्वीत: एक्षीया, ठक्की, तक्षणी, ষ্ঠী পৰ্যান্ত কলপুৰোপলাঞ্চ ষ্ঠীৰ অবস্থিত হেলাতে অৰ্থাৎ সায়ংকালে কোণৰ কৰিতে ষ্টিবাছেন। ইধার ভাষপর্যালন ও বিজ্ঞান-প্রান্থির মাম বোধন। ক্সমরাং, স্থাধির পর বাপ্ত বিজ্ঞানকোহ-সাধকের ওত্তানোপরে চৈত্রত্রণা কুওলিনীর আবোধন হর। ভবোধন-বাঙীত বিলামি-প্ৰসাভ হয় না। बानसन् हरायी धार्त्री अद्योग्ड बानसम्बद्ध কোষপ্ৰাপ্ত জীব জীবস্থাক্ত হাম নিকা মহোৎগ্ৰহক হট্ডা আমুল প্ৰকাশ কৰি**তে** থাকে: এ-কারণ আনক্ষমী ওপৰকী पूर्वीत प्रश्नादशंदनव नवगीराहरे हर , पर्वाद डेकाटकडे महत्रहादण्य महत्र । उहरे स्थ ্রীফ্ল-বৃত্তে হোধন-শব্দ দিখা যাহ, ভাতার वर्ष এहे त्य, क्रिन्स्य खेषया ; क्षेत्रया इहेडाहरू বাদার দল, ভাষের নাম জীমল ৷ ক্তরাট্র শ্রীষণ বলাতে প্রকাত বৃধার । বস্বাতে বে প্রনী थारक, करमकादश काश चारक। वना, "द्रचारिके

বে ভগা দায় তে বস্তি কলেববে । ইই
প্রীরের কণ্ডণ ; এ-কারণ দেহকে শ্রিক্দ
বিদ্যা এখানে লাখ্যা করিতে হইবে । শ্রীকলে
ক্ষরণ-কানশক্ষিত্র শধন বলাতেই জীবক্ষরণ-কানশক্ষিত্র শধন বলাতেই জীবক্ষরিরে গ্রন্থেই হৈতভগতির ব্যাস্যা করা
ক্রিয়াছে । ভরিষ্যাভগ-পদে হৈতক্ষরণা পূলক্ষরিটাছে । ভরিষ্যাভগ-পদে হৈতক্ষরণা পূলক্ষরিটাছে । ভরিষ্যাভগ-পদে হৈতক্ষরণা পূলা
ক্রিয়াছে । ভরিষ্যাভগ-পদে হৈতক্ষরণা পূলা
ক্রিয়াহা-কাশ-বজ বিদ্যার বোধন হয়
না : শ্রেরা, ক্রেমিংব্রোপ্রণক আলাক্রক্রিয়াহে, গ্রন্থেবিং ক্যান্যাক্র লাক্ষরেনক্রিয়াহে, ক্রের্থেবং ক্যান্যাক্র লাক্ষরেনিদ্র নিমিন্তে, ক্রের্থক্বং ক্যান্যাক্র লাক্ষরেনিদ্র ব্যাধনের উপ্রেশ্ব করা ক্রিয়াহে ;

किवीएडियती !

মুর্শিবাদ-নগরের স্থার অপর পারে ভারাপাড়া-নামক একটা পরী আছে।
ভারাপাড়া ভাগীরখীর পশ্চিম-তীরে অবস্থিত।
এই ভারাপাড়ার নার্ককোশ পশ্চিমে একটা
ভূত্রপানী আছে। ইয়াই কিন্তীটকণা-নামে
ব্যাত। কিরীটকণা একণে কল্পন্ন, প্রত

আপভালে করিলে, জগৰান বিকু জায়ার কাট ব্যতাস দিঃ বিভিন্ন করেন। সেই স্বয়া[©] দেবীৰ কিনীটের এডটা কলা এই কামে পৰিবাই एत। एक्क देश विभवीते ग्राम अजिलानक। कानीचारहे स्थान अक्टी व्यक्टिया बाह्य, क्रिकेटियकीस द्राज्य नाहे। अक्षी छेक् বেদীয় পশ্চাতে একবন্ত নিশাল প্রস্থা ভিজিত্ব কাৰ উচ্চভাৱে অবস্থিত। সান্ত্ৰী নানাৰিশ শিল্পবার্থ্যে অধ্যয়ত। বেলীর উপর কেবীর মুখ্যাত অভিত। বেদীর নিয়ে বাঁশ্যার ভান আছে। পুর্ভিতির ক্রডটা রক্ষার্থ্য-প্রভাৱে মন্ত্রিক। মন্দিরের সমূবে একটা বিকৃত বায়াপ্তা ৷ এখানকার শিবফলিবে রুফপ্রকৃত্ ধোষিত বিবলিক এবং কৈয়ক-মলিবে ক্টিপ্রায়েরনির্দিত ভৈর্বগৃত্তি ধেপিতে পাভয়া বায়। মনিরের সন্থে একটা বৃহৎ প্রতিপী चारक् । इक्तिवादावन बाव देशाव वसमकर्ता । क्षित्रीदिवदीत प्रक्रित वीश्वरक्षय सरक्षित । পৌষয়ানের প্রতিষ্পর্যানে প্রভানে কোন विषया चं(स्म । (क्रायकः)

লীমতী দেশভকুমারী দেখী।

সাৰে বাদ।

বে দিন পচী-বঞ্চ যত নলার-প্রপার মন্থ নির্মান ভূইটি কুল বাল্যকবাদিকাকে সামীর হতে সাশিতা সুহিনী এক মুদিলেন, বিপা প্রাম্-লহালের মধার্থাই কে-দিন লগাং অন্থলারবন ভূইমা পেক: ভাষার এমন কর্ম হিল না বে লগারের ও অনাথ শিশুকের ভূমাবধানের ক্লা কোন গোক নিয়ক করেন; এমন কোন সেহনীল আন্ত্রীত ছিল না বে, এই নিরা-প্রায়ের প্রেটের ককে ভূলিয়া ভারাবের আন্ত্রীনভাত বাক্ত বাধার করেব করে। কতরাং, একা রামন্যাধের উপরেই শিক্ত পালন, ও সূত্যালীর সমত ভারই আনিয়া পড়িল। তথে, প্রৈচক কিছু ক্ষী-কলা বাকায় উল্লায়ের চিলা ক্রেছে ভাবানু স্বামন্ত্রাপকে কৃতি নিয়াভিবেন। গৈতৃত ভিটার ব্দিয়া নামান্ত সম্পতিটুকু নাজিয়া চাভিডাই ভারার নিন চলিয়া বাইত।

ভিত্ত এই দীনভাবেত হলে ভগৰান্ কোন্
সাহনার কলে এই ছবিতা ছবিতাইবানি আঁথিকা
পাঠাইহাছিলেন ! অদৃষ্টের ঘনাককারের
ভিত্তরে এই নমুজ্ঞান রড-ছইটি রাম্বধানের
ভগ্ত ভৃতির আব্যান করিয়াছিল। নবনীকোনন
ক্যেন্ডাইট্ট, সে অসরলাছিতা রপপ্রভা
ভ্যায় প্রকাশ করা হায় না! রাম্ববানের
লভ গুরুংলার ভিত্তরেও ভাতাকে এই অম্বান
রপ্রের অধিকানী দেখিলা লোকে ভাতার
ভাগোর প্রকাশে না করিয়া থাজিতে পারিত
না। আর ভাহারের ভাগাপীভিত বেবনা
ক্রিট পিতা সেই ব্যক্তীবানির প্রতি নহিয়া
নিজ্ঞ ব্যক্ত ভূতানা বিশ্বিত হইত।

নিন্দ্ৰ অনুষ্ঠ অক্ষাত্ত-শ্ৰমাটে হংগের বে ভক্ত আসন পাতিয়া স্থান কইবাছিল, স্বল বালকবালিকা ভাগের কোন ধারই বাহিত না ৷ সর্বাহাধহারী একমাত্র পিতৃষ্পেত্তে ভাগালের স্কল অভাবের মোচন কইবাছিল ! নকনের প্রস্কৃতি পারিফাতের মত কোমল ভোরক-তৃইটি ভাগালের বাগানে কৌজালোভি করিছা থেলিয়া বেড়াইভ : প্রাতে পিভার প্রার পূলা চল্লন করিছা এবং ধ্বাসাধা স্থ-কার্ছা পিলায় সাহাব্য করিছা এমনি করিছা বাহ্যভাগেলর সেই কুলে স্থলবিধানি ভূষে ভূবে ভাতিয়া ধাইতে সালিক।

কিছ হাছ। সমূত্র বেইন শভল, মুংখও বৃত্তি ভাই। হতভাগা মাজুলীনদের ভাগো অক্তাইকুল মহিল না। হঠাব এই আনাধ-পুর্বিক্তি অনুবার ভাগাইছা রাম্মলাল এক্টিন ठक् मृतिरागन । त्यास्य सूख मरकाय कंपन गरव । कहोत्तन्द्रव तः सामस्याय । भूरण कारोतः व वररागन-वरीका व्यतिवाहिका कहो नावना । क्षत्रव्य वरुषाय-व्यावास्त्रकृत्य रहेशा कार्यक्षी क्षात्र मृतिक रहेशा शक्ति । वीवन मरमाश्र व्यक्त नव्यादश यक व व व्यविक्ति । अर्थे विभूत शृथिवीरक ध्रमेशिन वस्त्रीन निवावास । व्यक्त करिय कारिया शक्त ।

- 3

শ্ব-সম্পর্কীয়া এক শিশীয়া লাসিয়া বৃদ্ধ সম্পর্কীয়া এক শিশীয়া লাসিয়া বৃদ্ধ পাতিয়া দাকাইবান । পিনীয়া ঘোষকাশীয় ল্যালার-গৃহের বর্গ চিব-প্রসমা কর্মা উল্লেখ প্রথম হত্তথানি আন-কাল ধীরে বীরে ব্যাব-কাশের উপর ইইডে সরাইরা লইডেডিসেন; তবে কর্জা ও গৃহিণীর প্রক্তির নারা কারীইরা উঠিতে পারিতে ছিলেন না। কির ভবিষাতে উল্লেখ প্রথম না। কির ভবিষাতে উল্লেখ ক্যাবন নার বে অবারিত হুইগা উঠিবে, উল্লেখের বংশধরণের আচার-ব্যবহারে এ-কথা সক্ষেই দাকার ক্রিত। ধর্ম, বিনহ ও সৌল্লেখ রূপে বীরে ধীরে বিদ্ধানারিছা, বাছতা প্রত্তি আলিয়া আরার লইডেছিল।

শিলীয়ং ধখন দৰণ ছংখ, সৰুত গৈছ নিজের অফলে চাৰিয়া অনংখ-তুইটিকে নিজ-ৰক্ষে খান ছিলেন, তখন উদ্যোগ্য পুত্ৰ বিশিন সাম্পোধ অপূৰ্ক দ্বপ দেখিয়া দুখ ভইছঃ পঞ্জি।

পিতার মৃত্যুর পর সংসাধকে জীবিকার চেষ্টায় কমাগত মানাপ্তানে গৃতিতে হউত। দ্যেশনৰ বাৰণা শিশীখার সূত্র বাল ফ্রিয়া নেই ক্ষেত্ৰে বিশিন হ'বণাকে থানা নিটাইবা দেখিয়া নাইও । ইয়ার ফলে বিশিন আন্তর্হার হিবল পড়িত । লাবণাকে পাইডে দে কোনচপ প্রতিবছক থাকিতে পাবে, পে কথা নোটেই ভায়ার মনে ছাল পাইল না; ববং নারিলা-নিপীড়িতা লাবণাকতা অভিশঃ কনায়ান-নতা; ইয়া ভারিছাই দে আশাহ উৎস্থা ইটলা তিলি। সে ভারিল, ছবিং। মত ভারির লাভারে আনাইলা নমোলকে একবার বাজনেই হইছে। এ-বিবাতে ছুইপকের কারারও আনভের বারণ দে দেখিতে পাইল না। সম্প্রতি ভারার পিতা এক খোকদ্বান্ন হাও আছেন; সেটা চুকিলা নাইলাই সে ক্যাটা পাভিতর ভিন্ন করিল।

শবর্ষ । বাজীতে আছ বি १ এই
বলিয়া একটি ফুলর দেকদ্বি তুব। উঠানে
আমিনা বাজাইল। লাবণা তথন প্রারণে
পুশার্ক হইতে পূজার মন্ত দ্বা ভূলিতেছিল।
বাজ ভূলিয়া মুখ কিছাইতেই ছুইননেই
ফলেক মিশ্চন হইল বাড়াইল পজিব।
উভয়েরই প্রশারকে মনে হইল—কি ভূলত।
দুই কনেবই চলু আর ফিরিডে চাছ না।
একটু পরেই লাবণ্যের সংজ্ঞা হইল;
সে চলু নবিত করিয়া লইনা উত্তর করিব।
বিশাধ ভো করিয়া লইনা উত্তর করিব।

ি শঙ্কা, আফ্রান দে আদিলে বলিবে, প্রথানে আদিলাছিক শুকা বলিবা মুনা কাছিত্র প্রটান কেল।

প্রিয়োগ (ব আরা, নামটিও কি মিই) রূপের অসুবাধ বটে। নবীনা লাবদানতা ভারার বিবর চিন্তা করিয়া অনুসনা হবঁথা পদ্ধিক। সংবাদ আগিলে, জানাম আনেম উন্মোগ করিতে করিতে কাবনা বাঁকল, 'কামা জোমার কাহে একটি পোক অসেহিকোন। জীয় নাম বংলম-প্রনোগ। ভিনিকে গালা।"

ক। কে। এনাদ অনেছিল। বছ ভাগ বে বছ ভাল। আন, তম কপালত আমানেরই বছ। আগধ সম্পত্তি আছে বটে, কিত ভোট বেলাডেই ওর দা ছারা গেছেন। সম্রতি নাম-ছুই হ'ল, তন বাপক মারা গেছেন। ভাই একমা আকৃষ্ণে না পাক্লেই মারে মানে পিশীব বাদী আমে। আমার বছ ভালবাদে। এত বছ-লোকের ছেলে, তমু ত্বর প্রত্তেব ওপে একটুও পার বলে মনে হল না; ওলৈ বিক্ আনার নিজের ভাইতের মত মনে হয়। সাধবা বীরে খীরে জিলানা করিম,

সাধন্য ধীরে খীরে **ভিজ্ঞাস্য করিস,** "কে ওঁর পিনি, লাদ, ?"

त्र । जामात्मर मङ्गाश कारिकिया । शास्त्र सः यद्धे ।

লাবণা দেখিন সকল কাজের মধ্যে একথানি মধুও মৃতির থানে বিভার বহিল।
সঙ্গাকালে, 'নই! থাটো থাকি না,
ভাই p*—বলিতে যদিতে নির্মণা থাওবার
উঠিয়া থকে উকি দিলা, দেশিল এই
প্রেণোকালেও লাবণা প্রায়ে উপর পাছিল।
আহি। নির্মানির ভাক ভাষার কালে
প্রিহিল কি না বনিজে পারা বজ না;
কারণ, ওনমও লাবণা উপাস-দৃষ্টিতে ভালালার
আহিরে চাহিলা ছিল। নির্মান একেবারে
ভালার প্রায়ের উপর দিয়া কালিয়া চড়িল
ও বলিল, "কি ভাই । বাকে ভারতিন্
বানের ছবি শেরেছির না-কি ;"

"না পেলে তুই বাড়ের উপর এলি বি बार्ड १" द्विश ५३ शांक द्विश निर्मनांत कर्त (रहेम कविशा धतिन ।

নিখালা বলিল, "না ভাই, আৰু জোৰ क छूल (बाब द्या मार्थात्र कामवानित्र वर्छ), का चन्यात करत जाननाथ बाहेट्य धारेनिय क्या १ आधार यान कार्यालम, इने मा बढाव बरम स्मारवाज निरम ८६८म बाक्फिम् । यम न। पड़े, कांटक कर हिनि ?"

ইসং হাসিয়া লাবণ্য উত্তর কবিল, "লার কাকে ভাই। নিৰের অনুটকে।"

"बाडे | का काहे, (कांत चन्ने कि बात ? बाधार किन्द्र छाहे, ८६ कड़े। वक् नांव क्रिकेट्स ! ভোষ যুগ্নি একটি বর এধানে এসেছে। ভার দলে যদি ভোগ বিয়ে হ'ল-।" কথা সমাল কৰিছে বা দিয়া ভুইছাতে নিৰ্থক্ষয় কপোলহুগল নাভা দিখা লাবণা উত্তর করিল, 'ৰে সে কাৰিকপুৰুষ্টি ৷—সহা না-কি ৷ নইলে তুই খড় হুন্দর ফা'কে শেলি 17

पहुर शामिरक देशेंग्रे महिना मिखेला कृषिन, ঠাট্টা করিমুনে; কাব্যক হাই জাত ভাগ-বেলেছিলাম, ভাই ভূই জন্মর নিমে ঘর ক'রে रीह वि । अन् कारे, मत्का दश, घाटी हन ।"

ুই স্থীতে নদীয়ে আৰু ভুৱাইয়া গ্ৰ করিতে বালিব। সে মধ্যের আর বেখ নাই। ক্ষাত কথায় নিৰ্মণা বজিল, "সই আসংচ থানে বেটা হয় আমার মিধে যাবেন। ভোর विश्विते च देव देवश ह'न ना ।"

প্রাকৃত্বসূত্রী লাবন্য একসাল প্রানিয়া উত্তর করিল, ভাই ভো,-বরমহাশয় ছো বিবর-কার্য্য ক্ষমর পেলেনু মা যে, একবংর

ভোমার মনের লাখ মদেই বাইল বাই কি চল, এদিকে যে খাতা হ'বে এলঃ বাড়ীতে তো আবাৰ কাল আছে ("

नि । पृष्टे तमथ कि अटक गांदत कान् रकटक বিশ্বেভিল ! ভর কি নই ? আর কেউ না আলে, গটকে সভীন করতে পার্যবিবে ?

"মুর হ" বলিয়া লাম্ব্য নির্মালার স্থা टीलिया मिन ।

ভ্টমনে ব্ধন মল চইতে উটিয়া সাড়ীয় পথ ধরিল ভাগন আর্থেড পথ আহিঘাই চুই স্বীই থমকিয়া হাডাইল। প্রমোদ ও সরোল विक तमहे पश विशहे चामिएछहित्यन। উচোৱাত মধ্য-পথে বাডাইয়া শভিলেন ! নিৰ্বাল লাব্যপায় গা টিপিয়া বলিল, "প্ৰই, মেৰেছিল ৷ লাংগ্য চাতৃত্বী করিব। বলিল, "(क वक दक्ष व ?"

নিখলা কানে কানে বলিল, "পামার **म**हा (*

"জোম্বে মাধ্য" বলিয়া কৰেণঃ মুখ কিরাইল। এথেয়ে ভ মুখোল সে-পুথ ছাড়িয়া অন্তদিকে ফিডিলেন : পথে প্রযোগ ভিজান। করিল, "দ্বোষ্ট্র ভোষার ভলীয় কোথায় বিবাহ হরেছে ?" একটি কর নিংখাণ ফেলিয়া সরোজ উত্তর দিল, "সে এখনত কুমারী।"

বাড়ী হিন্তা প্ৰযোগ পিনীমানক কিলানা ক্ষিক, "স্বোদ্ধের বোর্থক মেকেছ পিসীয়া 💅 এক লাম হাদিও গানীয়া উত্তর দিলেন, °ভা আরু বেধি নি। দে যে আমানের কাষণ্য

गृहकरहे लारबात बनिन, "रवन ज्यारी !---প্রথমেরে মুখের অধ্যাপ্ত কথা কাজিরা ব্যপুৰী থেকে সাজোধান কৰ্বেন ্তা সই, , সইয়াপিনীয়া উদ্ভৱ দিলেন, "সে খার ক্তেড্র लामान, रहान करण रही वहुएड हेरछ करत १९ लगान शाम शाम शाम आस्मान अरमान हुए मान रहीत ।
भिरोधा विभाव भागित्यन, "छ। ३९म, द्रांत भाग रहा कि कार्य हुए, चान रहारक कि वन्द। गनिरवंद रहार शाम, कांत करशाह समन रमस मान परत शाम, कांत करशाह नीमा रमने। कांत ध्रुपत कुरे रहा नारकाह न, खारमान । अनिरवंद के शाम खेकार कुर्या पर्या रमान राज्य समन रमान स्वाप स्वाप

নিমন্ত্র প্রমোদ উত্তর দিশ, "আমি অভ শত কানি না। ভোষাদের ইচ্ছ। হয়, ঠিক্ ক্র। ভবে লামি একবার পশ্চিম বাব ঠিক্ করেছি। ভূমি ভোজানো, শিনীমা, এবার হরিবারে থিমে স্বামীজীর কাছে দীক্তি হ'বে আস্থার কথা আছে। কিবৃত্তি মাদ-ছয়েকের বেশীও হবে কেন্ডে পারে। সেখান থেকে কিন্তু না একে, ওপর কিছু হবে না।"

তা তুই খুবে জিনে আৰু না ? আমি
এন্দের ভা হ'লে কথাটা দিনে বাখি। আৰু,
সংগ্রান্তের এই কুলের্ন এপত বোনের বিষের
ভাবনা কি কাকরই হলেছে। ছেলেটা ভবু
একট্র খডির নিংখান কেলে ইচিবে।

হাদির। প্রবোদ বালদ, "দে ২ত না বাচুক্, ভূমি দেখ্টি বেশী আরাম পাও। প্রের হুল্খ গলে থাওয়া ভোমানের ভাই-বোরের জন্মগভ সভাব।"

প্লি: আশীর্মাণ কবি তেরেও ডাই হোক্ প্রমেন :

প্রমোষ ও লাবপ্রের বিবাহ-সহজের কথা অভিয়েই প্রাথমন প্রভাৱিত হট্টা পেল। বিশিল ইচা ওলিয়া বিশ্ববে অভিনুক্ত হট্যা প্রিক ধাশ্যে কপ বাক্, স্বৰু ক্ষম নতিবেক কপ ক্ষেত্ৰ সাধিব লটাব, ক্ৰেডিক এটাক জালাৰ মনে এলে নাউ : গোলনামীৰ নিজ্ঞ নি

মাধার জিলভিচ বের

প্ৰান্তঃ আন্তঃ আৰক্ষ বিশিন বাদিও তিই লাবদাৰ বিষেধ কথা।"

লমনী ইণ্ডগ্ৰহ-২েরে বলিবেন, কিব্রু বাবা । বাধ্যমান বাধা পূর্যাক, জান ছিলেন এইবার ভার ফল কলেছে। বেদ্যম জন্ম।

বিশিন মেখিল মাডার কথার হার ভঃ
পথেই বহিলা যায়। সে ইবং বিরক্তংর
বলিল, "কেন? আ গ্রামে কি আন ভালন্
বরু নেই! ভূমি প্রমোদকে মেখেই মে
তকেবারে গগে গোলে!"

भूक्षंत्रम् अस्य कर्ने नावा । जा हाइः । "ब्रामी बात कर्ने नावा । जा हाइः । यास्मत्रहे ह्ह्स्मी जान, जा'बारे ह्वा महित्यः । स्मार वस्य नाकृ मिहित्य नात बारकः । स्मान्यक्षंत्र जानस्य कि बात बारकः । जः । र'ता बास हार्ष्य कि बात बारकः । जः । र'ता बास हार्ष्य कि बात बारकः । जः ।

ভারকরে বিভিন্ন বিদ্যা, "কেন : আন্তানত ব বহু কি প্রযোগের চেবেও বটি দু না, আফ্রা গরিব ব'লে জোন দিন নাক শিট্টকুট হু"

জননী এইবাম বিশিনের মনের কৃষ্ণ ধরিলেন , বিশ্বমণ্ শৃষ্টিতে পুজের মূলের এতি চাহিলা বলিলেন, "ভূট বিধে ক'ভে চাস্ চ'

বিশিন ন্তম্পুৰে স্থাতি আনটো জননী ভাগন উন্ম হাজে ইনিলেন, "জং (১ হলানা বিশিন) কো হ'লে দি এছটিন পাই অধ্যান বিভিন্ন একটু জীক্ষকে বলিল, "কেন তেন্দ্ৰ

নতে। কলিকেন, "কুলে বাবে বাবা। গে নব া নাতে গোলে ভূমি এখন সুৱলে না , ভাগ া না হ'ত, এখন, বখন এক কালোত সুৰদ্ধ পিন হ'লে গেছে, ভগন কি পেটা ভেডে দিতে ভাছে গুল পৰে প্ৰেয় অনুষ্ঠিই কয় ভিলি গোলেন, "কলেগে বিশিনের বৌ আন্তে ভালত গেলের ককে ভালতে হবে না।"

পীর্ঘনিংখাদের স্থিত বিশিন আপুন মনে বিভারণ করিল, "বাবেণা কি আর ভূটি। কংগ্রাক ১"

বিপিন দামিত, নিৰ্মাণ আজ-কাল प्रक्रमता ही शिवादक: नावना अकारे मार्ट ক্ষমতা ক্ষিতে যায়। সন্ধাৰেকা ঘট চইতে किन्तिवात भाष अक्टी त्योदभत बाढ़ात्म विदा বিশিন পুৰাইলা পথের পানে চাহিলা বহিল। ঐ না লাখণা আগিতেছে ? है।, जी ভো বুল । ঐ ডে! সেই অপূর্ণ চলন-ভঙ্গী! পদ ঘট আলো-করা ঐ তের সেই রূপ ! िन्य निकार अवदे पश्चताम मेलिहिन। তথ্য সন্ধান অক্কার মতে মতে গণে গাটে क के हैंवा अक्रिक्टिक : टक्टे कावकायात माधा sing সভাবে একজন প্ৰভাৱ দেখিয়া লাবেলা চা ক্ষা কট পদ পশ্চাতে সবিদ্যা পেল ও श्विद्धात छेक्कांद्रम कविन, "दन ?" किकिए দশ্রের কার্যসার ভ্রতীয় কেছকোমল করে বিশেষ ধনিল, "ভ্ৰম্ন কি কেবু ! আমি বিশিম ! চিমতে পারছ মা ?"

একটু আৰম্ভ থবে লাকণ্য উত্তর করিল,
"ভঃ বিপিন-লা ৷ আন্তর হঠাং এমন ভর

হয়েউল ৷ ভকু ভোল, ভৃত্তি !" এই বলিয়া

সংবাধ পুনবাৰ পুলাভিত্তে অঞ্চনৰ ক্ষিত ৷

বিশিষ ভাকিন, "শোন বেষ্, একটা কথা আছে।

কিরিয়া লাকণা বিঞাসা করিব, "কি ?"
বি : কেনু আমি ছোটবেলা থেকে সোমাং কত ভালবাসি কাম তেন্

উদ্ধৃতিত কঠে সাৰণ্য বলিস, ভা আৰ বানি বে, বিপিন-গা! দাস আর তুদ্দি কি আমার ভিন ; পিনীমার পেটে ববেছ বটে, কিন্তু এক মারের পেটের ব'লেই আম্রা যানি।"

বিঃ লেবু দিনে বিনে জুমি হস কছ হংবছ—মাধার অভনিহিত ভাগবাদাও বেই দলে বর্জিত হংবছে! ভোলার ঐ অপুর্থ কপলীর দিকে ভেয়ে ভা'রই মাশার মৃত্ত হ'লে আমি দিন কটোজি, ভাবণ! এখন ভন্টি না-কি ভূমি অপ্রের পারী হবে? দেবু! আমার চেয়েকে ভোমান ভালবাদ্যের ?

বিশ্বরবিকাধিক চকে বিশিনের স্থের প্রতি চাহিলা কাষণা উত্তর হিল, ''আমাহ এ কথা বশ্বহ বিশিন-লা পি

वि। है। (नर्!

'বিশিন-সা জোমার মনের অবস্থা প্রকৃতিত্ব আছে তো ় কা'কে কি বল্ছ বুরাকে পান্ত্ কি ৷ আমি যে লাবেল ৷"

থিং হা' কৰিয়া হামিছা বিপিন যদিল,
"ভূমি পাৰণা বেনেই জো ভোষার কাছে
গুলেছি। শোন পাৰণা লামি কান্তাম
ধে-বিন চেটা কোৰোঁ, সেই দিনই আমি
ভোনাৰ খামী হ'তে পাৰ্ব। কিছ মাৰো
থেকে প্ৰযোগ এবে পড়ে যে আমার ক্ষল
স্থাৰ বাধ সাধ্যে তা কথনো ভাবি নিই
ভাব উপর আল স্থান কাছে কেনেছি

আ কৃষ্ণিত কৰিবা লাবণ্য বলিল, "বটে ! আহ্হা, লে কথা অনুলে, ভারণত্ব !"

ৰি। ভারণর পিতা, মাডা, দেশ, ধর, নৰ ছেজে ভয়ু ভোষাদ নিয়ে পৃথিবীর নিজন আমে দিনে বাব কোর্কো, দেবু। আ্যাদের দে-রাজার জানী কেবল ভূমি ভার আ্যি—।

শিষ ছি: ছি: বিশিন দা কৰাপ্তলো মুখে একটু বাদ্ৰ না গু সংব বাকা সাম্তন বেকে: আমাৰ ৰাজী ধাবাৰ পথ বাকাং

নিৰ্দেশ বিলিম আৰও একটু অঞ্সৱ হট্ডা বলিতে লাখিল, "কেন লাখণা! প্ৰয়োদেৰ কাছে কি আমাৰ চেয়ে জালখানা পাৰ্টেক্ ে কি আমাৰ চেম্বেক জোমাৰ ক্ষ্মী কৰ্মৰ মনে মন ৮৭

ভারে অরাকে লাবণা উত্তর কবিল, পশ্চি বনে কবি, না কহি, তা দুন্বাত ভোষার কোন সম্ভাব নেই। বদি ভাল চাত, সংয়ে বিভাগ ।"

वि । वर्षः श्रीन-शिव्यक्तिक क्या ध्यीवं दश् दश्य (अस्य कश्याद्य कृतः केटोषः । त्यस्य (अस्य। वर्षणः । चाराः वर्षः वाधाः विद्या कृषम् ६ —क्ष्यम् वर्षः वर्षः सा । त्यस्यव (क्षाः दश्यः ।

লাঃ বিশিন্ধা, এখনও বৃদ্ধি প্র, নইলে এখনি চীংকার বর্ব : দেও আখ্রা বাড়ী ধেকে ধ্ব বেশী দ্যে নেট।"

বি । পাদ্ধা দেখে নেবো । খনে পাকে থেন এর শোধ ভূচে তবে ছড়িব।

বিষ্ণৰ আজোলে পজিতে পজিতে বিশিব স্থানভাগে কবিল: (জনগঃ) নদীবালা দেবী।

সামশ্বিক প্রাসঞ্চ।

ভাইদ্ভালেলার ক্রিকাডা বিদ্ বিদ্যানরের ভাইদ-চ্যালারার অন্যারেবল ভাজার ক্রেকালনে সর্বাহিকারী মহাশ্যের ভারাকাল শেহ হইছা যাভ্যায় কলিকাডা কাইকেটের প্রধানবিচার-ডি সার ব্যালেলট প্রভারমন ভাইদ-চ্যান্বেলার নিষ্ক ভাইরচেন গ

্ নিকেন ভূপানি।—ভূপার ধার অক্যন্ত বাজিয়া থাওয়ায় নিকেনেধ দুখা একেন করিকে প্রতিমনী প্রকাত চইবাছেন। সক্ষতি নিকেশের মুখন গু-মানি বাছিল হইচাছে।
বেশিতে ইয়া একমানিও জার চক্তকে; ওবে
চৌকোলা। একদিকে চারিকাবাত ছট মানা লেখা; মানর বিকে ভারতসমাটের প্রতিস্থি মহিলা। মানারে ইয়া ছু-মানি হইছে মানেক বয় ।

বালান্-অধুবাধক।—বাললা নবর্ণফাইর বালানা ভাষার অভ্যানক হার প্রিক্ত রাজেক্ত ৮৯ বাল্লী মহাপর কম হইতে অবসর প্রচ্ছ কল্লাহ, তালা অসেকের এখাণ্ডক ক্রিক অবিনাশচক মজ্যবার মহাশ্য বাদ্ধো এইশ-থেকের বালালার অভবাদক নিযুক্ত হইয়াছেন। আহরা আশা করি, হাকেইবাবুর ভার অবিনাপ-ৰাধ্ভ এই কাৰ্যে প্ৰতিষ্ঠা লাভ কৰিতে नाहिस्ता ।

দ্যেত্ৰৰ নীপের প্রতিনিধিগণের ইংলও याका।-- रहां बदन नीरात भक्त स्टेटड गठ २९ ८५ माई क्षेत्र डिशव, यानार्थ, ভরতীকর, কেলবার ও বিশিনচক্র পাল বোষাই টেডে মাজাৰ বাবা কবিয়াছেন: क्या हटेट कनत्वा बाहेबा काहारक छेडिरवन ध्या छेख्यामा चलवीरभव भरव देश्यक भवत किस्टिपन ।

বলে বল্প-সম্ভা।—ব্যাের বালার দিন बिन क्रिक्टिक्ट । देशीय व्यक्तीकारका रहते। হইতেছে দেখিবা আখবা ৰাশাহিত aftenfe !

> - कावजातः द्यांचारे काबज-नवर्गस्यर है व

প্রবংশিত ইয়ার কর স্ত্রতি এক ক্ষিটি क्षां छिड कविशास्त्र । स्नाद्वरण मित्र णि भाग कारकल, जि. चाहे, दे, मुना-मिदायक निवृक्त देहेवारक्त । वरखव अवर कार्यारमञ् ৰুল্য বাধিয়া বেওৱা যায় কি না, কাৰ্পাদেখ वावमाद्य दीक्षावीधि कदा प्रत्य कि मा, अह বিষয়ে ভবানিশ্ব করিবার কর ভারত-श्रद्धिके एवं कृषिष्ठि कहिने। अदिसारक्ष এই ক্যানেড সাহেষ্ট দেই কমিটিয় অধ্যক নিৰ্কাচিত হট্যাছেন। যত শীম দন্তৰ বোদাই नहरत धरे क्षितिय कार्य। आज्ञुन क्रेट्य। (वाषांवेदवद्व ८६वाव व्यव-क्यांव, विकलमान आरमानिरक्तान, कामनावादक्य किन्छनान अस्मानिश्यमम, कंदाठीय ८६ चार च्यान এবং কলিকাডার চেমার অব ক্যাস প্রভৃতি ক্ষেক্টী বাছা বাছা বৰিক-স্মিতি ক্ষিটিয় নিকট এ-গ্ৰহে অভিমত বানাইতে আদ-क्रिफ हरे शासन ।

বিবিশ সংগ্ৰহ

নাৰীকা বাৰহারতীবের বাবদার গ্রহণ করিতে गासित्सन, धरे मार्च १० दिन खेच उ स्टेबारक, ৰপ্ৰতি ল**ড** সভায় উহা ড্ডীয়বার পাপ रुदेश्वरत ।

প্রহার - সেরাপড়ি।--ক্রান্সের বেনারল কৰু ইংৰাজ, ধ্বাদী ও খাবিন সৈছের ক্সবানদেরাপতি-পদে বিযুক্ত হইছাছেন। **टब**नारकण करकत वरम ध्यम ध्य वरमध । ইনি বৃদ্ধবিদাহে অসংধারণ শণ্ডিত। বৰ-কৌশুক্তরতে অলেকঞ্লি প্রস্থ বিধিয়াও

ইংলঙে নারীর অধিকার-বৃত্তি।—ইংলঙের ইনি বশবী চইয়াছেন। ফ্রান্সে রে দেশের বৃত্ত দৈল আছে, ভাহাদিগৰে একজনের আলাধীন না করিলে কাইগ্রল-বিনাশ করার জোন স্ভাবনা নাই দেখিয়াই, এই বাৰ্থা করিতে চইবাছে।

> ज्ञात महरत जाहर देविकविराधन वर्ष धक्की वहन-विकास अधिक्रिक क्रेसाइ । আহত নৌ-লৈনিকেরা এখানে বহনপিয় निका विविद्य ।

আধেরিকা ও ইংগতের বছুতা।-- মুখেন পুরের আনেত্রিকার বিশ্ববিদ্যানয়ের

উপাধি ইংসন্তের অব্যোগত বিশ্বিদ্যালয়কর্মক প্রায় হইত না, কিন্তু কর্মক বিশবিদ্যালয় সে উপাধির সমান ক্রিতেন।
সম্প্রিক অন্তেশত বিশ্বিদ্যালয়ও এই নিমারণ
করিয়াছেন যে, আমেরিকার উপাধি প্রাচ্য করিয়াছেন যে,

মাবর্জনার • মধ্য হইতে অর্থনার ।—
ইংলতে আবর্জনার মধ্য হইতে রঙ্গ সংগৃহীত
হইতেছে। ইংলতের ধান্য-নিহামক বিভাগ মূহস্পিসকে নেক্ডা, প্রাতন কাপল, ভাষা ও লোহার বাসন, ভাষা কাঁচ, নামার্যার ইন, কোঁটা ও সন্মোধ্যের আবর্জনা গ্রন্থতি কুলা করিয়া রাখিতে আমেশ করিয়াছেন। বাম্য-নিহামক বিভাগ প্রচা ঘাহ ও মাংগ হইতে তৈল বাহির করিয়া এটিনে ব্যবহার ক্রাইডেছেন। প্রা দ্বিম, বাধাকণির পাঁতা প্রভৃতির বাস। ইাসন্ত্রী প্রভৃতির বাল তৈনাপ কার্কেছেন। সমাইশ্রেল ও কার্কেছেন। সমাইশ্রেল ও কার্কিনা চল্টতে চর্জি ও নিগাহিশ সংগ্রহ ক্রিলেড্রেন। কর্বেক্টালি ইইডেড 'প্রামি' কৈলার করা চইডেডেড়।

ৰাণ, মাংল, মাধন প্ৰভৃতি নে-সভল কাৰথানাত কৌটাৰত কঠা হয়, তাহাত পৰিত্যক
প্ৰবা হইতে আভাৱেত উপযুক্ত উদ্ধান চলি
পাওৱা মাইডেছে: প্ৰাক্তম টিন, ভাষা
পিততা, ভাষা, জেটুলি, কড়াই, হাজা, পেকো
কুভৃতি কংগ্ৰহ করা হইতেতে। নচিংহাম
নগরে এক বংগণে হৈ ভাষা টান সংগ্ৰহ করা
হইতাতে, ভাহাতে ১০ চালাই ৮০০ মণ কোহা
পাওয়া লিছাতে। ইকাতে মুখেই উপন্তরণ
নিশ্বাণ করা চইতেতে।

ভদ্ৰেৰংশের সেহের চিনিবার কতকগুলি লক্ষণ।

কাতে বিভিন্ন দেশে বিভিন্নপ্রকারের সৌদর্গের আদর। এক দেশের জ্বরে বাজি মণলনেশে কুৎসিত। সৌন্ধর্যের তার শিষ্টাচারত মানাদেশে নামাপ্রকার। করেবজী দেশের লিটাচাতের কন্তক্তিলি নিজম প্রায় এক্ট প্রকার। পান্যান্তা ও ভারতীয় কম-বংশের মেনেদের দিকে প্রকা করিবল বিশ্ববিধিত কভক্তিরি আদর-ক্ষিমা স্বেরিজে পাত্রয় যায়। তবে স্বত্তি সক্ষেত্র, বোধ হন্ত্র ম্মাণ্ড ইইবে না। বেক্তিনি ভার্যের অপছন্দ হইবে, নেইশলৈ জাহার। বর্জন করিতে পারেন।

 গুলে প্রবেশ ও গুল ক্ইজে বছির্বামন
 শালে ভ্রেকালিকালণ সর্কান, ব্যোজ্যেটারবের পশ্চাং প্রমুক্ত করে।

 মান্ত আবেকে বা ইংসংক্রিফ প্রবেশ কবিবার সময় ভল্লবালিকা সংযোগটা ব্যবীর পশ্চাম্বামিনী হয়।

া গুছে সম্বদ্ধানের পশিত কোন।
 আমোল-প্রামেশ করিবার পদ্ধ ক্ষানালিক।

প্রিকারের কোষ্টগণের প্রতি বিনয়-আকাশ অধিতিত প্রাক্তীগণে করে না।

- ३ । उस्ताशिकां afternoon tea पा dinner १८७ नियंशिक इसेटन व्यथ्या गढ़, करमा, उस्ताक हेकालि क्ट मा; वहर निरमंद नवानका गविता मुक्शक क्रिया शास्त्र।
- ে। ফারাজন সহিত পরিচিত হরীছে চইলে বহোলোইগেল আত্রে আলাপ করে; স্ক্রেপড়াতে সংক্রিই বালিকা প্রিচিত হয়।
- ৬। ভত্তথালিকা শহরত হয় নাঃ
 কোনও প্রকার খোবামেদিও কাহার নিকট্
 করে নাঃ
- ৭; কেছ কোন গোপনীয় কথা বুলিলে, জ্ঞান অঞ্চেম্ব নিজন প্রকাশ করে সা।
- ৮। ভশ্বাধিকা এমন ভাবে চলে, বাহাদে করেব। সাধ্যে সপথে কোন কথা বটাভে হা কালোচনা কবিছে না পাবে।
- । ভদ্ৰবাহিকা প্ৰনিকা বা প্ৰচটা
 কৰে না । সৰ্বপ্ৰকাৰ দটতা ভাষার পৰি-ভাষা। ভাষার আল্লমপ্ৰান-বোধ থাকে।

১০ । ভট্টবালিকা কর্কপত্র-পরিভাগে করিয়া বহুং মন্ত্র ২য় ; কিছা প্রতিশোধ কর না।

১১) জন্তমেরে নিমন্ত্রণ রক্ষা করিব। ছিরিয়া আর্নিবার সমত নিমর্ককর্মা বং ক্রীয় নিকট আভিধ্যের স্থাগ্রাহিত। প্রকাশ করিব। থাকে;

১২। শুরুবালিকা খনদানাবের ব্যৱহা কোনও পুরুবের নিকট হটতে যাথা নোটাইছা, বা "thank you" না বলিয়া কোন কাম নের না। কোন ক্রম মাটিতে পভিয়া থেকে ভালা কুডাইয়া বিভে, ছালা মাটি হইছে উনাইহা বিভে, কিংবা উত্তপ সামায় কাম করিবার ক্রম পুরুব বাজ কয়, ভল্লবালিকাও ধ্যুবার না বিহা উল্লাগ্রহণ করে না।

३७। छल्चायात्रवा अधन काम काम कृत कप्र करत, शहाव अस छाहारव्य व्यक्त निकेत कप्र और्यना कतिरु हर।

১৪। ভদ্রবালিকা অপ্রের নিকট নিকেকে ভদ্রবংশের বলিয়া বেড়ার মাং সে বে ভদ্রবংশের, ভাষা ভাষার আকার-ইলিভেই বুঝা যায়।

जै चुवसं निध्य ।

প্ত্ৰীর কর্তব্য।

(পূর্ব্ধ প্রকালিডের পর }

বো ও মহিবের বর্দ দাত দেখিলেই নিশীত হাঁতে পারেঃ কোন কোন ব্যাস কোম কোন দাত উঠে, ভাংগর তালিকা নিয়ে দিকেছি २ त्यरमदत २ द्वाती देशक ७३ वरमदत ६ जे ६ इडेस्ड ३३ वरमस्त ७ स्टे

35553E

শেষাক হানী পাতের বেল্ডা, মাড়ি হইতে তৃত্যীর স্বোদ্ধা বাহিল হইলেই, পঞ্জিল মার : এবং এই বংগর বা জভোগিত কাত घडीक ना हरेका, त्य शाम भूभ इस मा। উত্তমত্তপ আহার পাইলে গাঙ শীত বাহিব হয়। মুখন স্কল হাড সম্ভল ফুট্যা বাছ, এবং ভূডীয়বার সভান বিবার সময় লাইনে, তথ্য গোৰা হছিবের পূর্ণবোৰন লানিখে। বাভগতি সমভলভাবে কিছুদিন থাকে ও পরে দন্তাপ্রকৃতি মাডি ভাতাইরা উপরে উঠে। কখনত কখনত গৌবন-ব্রাপ্তা গাভীয় সন্মাণর একটা বা চুইটা দাত থাকে মা। হংসকল গাড়ী পরের यह भान करत, छाशायपुरे वहेब्रण मणा ঘটিয়া থাকে। এই অভ্যান্টা বলম্পিগের প্রায়ই দুট হয়। কিছ পরীকা-বারা বুরিডে शीक्षा शाब (ब, माण्डी दश्रामक स्मारं वा मुक-পান-ক্ষমিত দোষে পড়িবা গিবাছেৰ গাভীবা বিতীয় প্রাস্থ হইতে প্রক্র অস্বকাল প্রাত্ত প্রভাগ্র ম্লাবান থাকে এবং পৃথ্য প্রসংবর लब हहेरछ विसम्बात-लवंख एनमस्टिन মল্য কমিয়া হার। মহিদেয়া তৃতীর প্রশ্ব চইতে হা প্রবিষ্কার পর্যার অভাস্ত মুলাবান अस्य ।

यमि श्रीकी का प्रशिष मुद्रमर्ग क्रम कृत्र হয়, ভবে ভাছাকে বেলঘোগে বাটী পাঠানট খোহ:। রেখে পাঠাইতে যে বরচ পড়ে, করিছা নবাগত পাজীর পরীধ থোঁত তরিছা ইটিট্যা পাঠাইতে ভয়পেক। অধিক প্রচ দিবে। হয়। এতথ্যতীত শেষেক প্রণাদী অব- । ইদি অনেক গ্রু থাকে, তবে তাহাদিগের লখনে মন্দ্ৰ বা বিশৃত্যলাহন-দনিত বে পুৰে লগ দেওল উচিত ৷ প্ৰত্যে লাভীব লোব কৰে, খেলে শাইছিলে ভাষা ঘটিতে নাম নাথিয়া দেই নাম গাডাত ভূনিবে। भारत ना। व्यासम् अभव दलवा विकारक टक्

গাভীকে পদমকে পাচাইয়া করামে প্রতিবাহ প্ৰথ ভাষাৰ ভথ প্ৰাৰ ভৰ বইনা বিভাগে : বেলে শাঠাইলে গাভীকা প্ৰবিধান সভিত নীত एक ध्येष काशावित्राक केल्प्यदान क्यांका व क्या गाउँछ नारद। क्षारदार कृष्टे जिस মান ব্যৱ বাকিলে, গাভীকে ইটোটয়া আনা চলে। প্ৰতাম ধাইবার সময় ভা**ঞাদি**বতে क्य पान मिटकरे पायह शहरत। दानकाथः বাচাইতে হাইলে খনেক সময় প্রান্তার সাজী পদৰ প্ৰাপ্ত হয় ৷ প্ৰৱৰে পাঠাইলৈ যে খন্ত পড়ে, বেলে পাঠাইলে ছথ বিক্রয় খানা দে बर्टात करुंगे केंद्रिएक नारच किया नारच হাঁটাইয়া পাঠাইলে সে ওলচ উটিবার সম্বাধনা থাকে না। বেলে গাভীকে উম্বদ হপে থাইতে দিবে ও মোহন কৰিবে। এইএড গাড়িতে একজন গোৱালা থাকা **লা**বভাৰ । যদি বেল গাড়িতে পান্ধী প্রদান করে, জনে ভাষাকে সামায় ওড় খাইতে বিবে এখং शावशायक महिक स्वदृध याविश्व करिए. ন্টবে: নতুবা অনে কীজি বা ভাষাতে প্রেটিক হওল সম্বর।

নুক্তর গাড়ী ক্রন্ত করিয়া আনিকে ভালাকে অবতঃ ছয় সন্তাদ গতর রাণিবে ;--বাচীব অক্সায় গাঙীর সহিত বিদিতে নিবে ল। মিশিবার পূর্বো দাবাদ এবং phenyl (কিনাইলে)এ অধিক পরিমাণে কল মিলিচ

গাতী ৰা সহিষ্ঠে জুই প্ৰকাৰের খাল

দৈওয়া হয়। দেশ, (১) চুর্ব এ (২) চারা।
ভূবি, মর্গানার বৈজ, বার্পান-বীক প্রথমনির
অন্তর্গত ; এবং খড়, বাস, দেবগরের গড়,
করবী, (মজার-পাছ), গাজর, শীক্ষি,
বাচা গম বা ফৈ ইডাানি ডিডীয়টীর অন্তর্গত।

তুমবতী গাতী, নাধারণতঃ প্রভাষ নিধগিনিত পরিমাণে আচার করিয়া থাকে :—
আত্তর ভূনি (অথবা, চোলা এবং কলাইরের
ভূমি) ৬ পাউও (৩ পের)
কানার থৈল ৪ , (২ পের)
কানা চাবা ৪০-৫০ , (২০ চইতে ২৫ পের)
অথবা শুল মান ২০ , (২০ চেনের)
এতথাতীক উত্তর চলাই আবস্তক :

শৈলকে চূর্ণ করিয়া অলে ভিন বা চারি

মন্টা ভিন্নাইয়া বিবে এবং ভূবি ও পদ্য
ভাষাতে মিলাইয়া, কিবিং লবণ মিজিড

অবগন্ধর পান্টাকে থাইতে বিবে। এল
অবিক দিবে না। যতটা অলে উক্ত পদার্থ

মাধ মাধ হয়, ভাচটাই অল দেওয়াই বিবি।
বৈল চূর্ণ না কবিলে বা ভাষা আলে না
আজ করিলে গাভী বাব না। ভূতবাং,
ভাষাতে কতি কইয়া থাকে। ভূবি বতল
ধাইতে কিবে। কিন্তু বৈল অক্তান্ত বন্ধর

মহিন্তু গাইতে বেওগাই বিধি। সম্মা গাভী
বা মহিন্তুলিকে অভিনাদে ক্রায় ২ পাউপ্ত
(১ নের) লবন পাইতে বিবে। এভবাডীত
ভারাদিকের বাদ্যের গৃহিত সামান্ত-প্রিমাণে

নবন দেওগা করিবা।

গ্রীক্ষানে এবং ব্রার করেক দিবস, মৃত দিন সং বাস গ্রহার ভাতদিন, কাঁচা চারা বাজ্যানই ক্রেন্ড। ক্ষম ঘাস আহরণ করিতে ন। পারিলে তৎপত্তিবর্তে গ্রম, এবং জনেবর ভূছি মিভিত কৰিয়া দিবে। শীভকাৰে ভাৰা এই ভুক চাৰাই পৰিবৰ্জন কৰিবে। আমকাৰে দাকৰ জীমে কাচা বাস মদি পাওৱা হাৰ ভবে ভাৰত ।

চারা-বারা ছব্দের পরিমাণের বৃদ্ধি হইবা বাবে। বৃদ্ধি বাচা চারা না বিরা বৃদ্ধ চারা বাবে, ভবে ভ্রের পরিমাণ কমিয়া বাইবে— কাচা চারা ভূমের বৃদ্ধিকারক। ব্যাকালে গাড়ীকলি কাচা চারা বাইলে ভারাদিগের ভূমের নীলাভ হয় এবা ভারা বইতে নথ-নীভ কম উটিয়া থাকে।

বধা ও প্রতিকালে প্রত্যাহ এক পাউও
(আই ছটাক) কার্পান-বীল গাজীকে বাইদে
(সভয়া উচিত। ওক্ষারা নবনীত অধিক পরিমানে উৎপন্ন ধর। বনি নবনীত প্রস্তক্ত
ক্রিবার ইচ্ছা হয়, তবেই কার্পাদ-বীজের
আবক্তক; নতুবা মসীনার বৈধন গাওঁ।

আহার এরপ দেওয়া উচিত বাহাতে একদিকে তৃত্তের যাত্রা অধিক হয় ও অফ্রনিকে
চুগ্রের উত্তমতা বজাব বাকে। আব্দাওয়া
এবা গাদোর ওপে চুগ্রের তারত্যা হউবে
বটে, কিন্তু এই বিবরে একটা তথা-মিশ্র
করা উচিত।

পাতী হদি প্রভার পূর্বনাবার ১০ কোরাট থাবি ১২ই সের ছার দেব, তবে ভারাব আহাব-রাব করা উচিত নহে। ছার কমিরা গিলা ভ কোলাটে (৭ই সের) গাঁভাইলে আহাবের প্রখাত করা বিধের। যদি একবারে আহার কনাইরা দেওলা হয়, তবে গাঁভীও একেবারে অন্দেক প্রথ দিতে থাকে। বে কোন সমনেই ইউক না কেন, আহার ক্যাইলে মুন্তে কমিরা মাইবে। উক্ত গাঁভী হণ্ম ৬ বা

ভ কোরাটের (খু বা হ পের) সংগ্র ছয়

নিবে, তথ্য ভাষার চুর্ব-খালা কর্মভাগ অর্থাং
ভিন পাউও (১) দের) এবং ২ পাউও
(১ দের) মদীনার খৈব লেওয়া উচিত ,
কিন্দ্র কোন মতেভারার প্রথনা করিবে না;
আক্ষমানের করা চুর্ব খানা কেওয়াই প্রেয়:।
কিন্তু ভ্রম অভান্ত কমিয়া মাইকে উল্লা এবং
মাত্র দিরে। এইবংশ মনি ১০টা পূর্বদ্বা। এবং
২০টা ক্রমভ্রমা গাওলী থাকে, তবে ভেয়াংগ।
৮০টা পূর্ব মাত্রার আবার শাইবে মাত্র।

পূৰ্বত্ব। মহিনী গাড়ী অপেকা চুই পাউও (১ মের) চুৰ্ণ খালা অপিক পাইবে:—

ভূবি ৮ পটেও (৪ সের) ফ্লীনার বৈধ্য ১ ু (৩ সের)

প্রেপাতীত শীতকালে উহার। ২ পাউত (১ দেও) কার্পাল নীল অহিল পাইবে। ইলাদিগের ভূম নবনীত প্রফতির কল বাগচত হা মান্যা ইলাদিগতে চূর্য-বালা দেওবা বিশেষ আরক্তর কারণ, তন্তারা দুয়ের উৎকর্ষের প্রতিক্রমণ

ছোলা এবং এবংবিধ স্বস্তীয় শস্ত র্গবতী। গশুর পক্ষে উপযুক্ত নহে। এ বিবেটী যেন বিশেষভাগে থাবন থাকে। কাচ নাম এছ অভান্ত বৰণপ্ৰকাৰ চায়া খেন উত্তত্তণ কাটা হয়। ভূমিৰ অন্তিপ্তে ছোৱা দিও পাৰা বাচ বটে, বিদ্ধ ভাষাৰ কৰা ভঙ্ উত্তৰ ভব না।

বাসা ও মান তিকু সময়ে দেওয়া উতিত।
আবার নিবার বায়র স্কার, মধ্যাদ্ ও সন্তার
হও দোহন করিবার স্নান্তপ্রেই আহার
দেওয়া উটিজ। বিলি ক্রাভারের ৬ টার
সময় দোহন করিবার সম্ভার হয়, ভবে পাঁডটার
সময় পশুকে আহার দেওয়া কর্তবা। আহার
দিবার সময় একরার নির্মিট হইবে, তাশার
বেন কোনজনে ভক্করা না হয়।

দর্বাধ। আধার দিবার পুরে প্রাদিপাকে দ্রন্থান করিছে দিবে। নিজনানে প্রভাবে প্রভাবে করিছে দ্রন্থান করে না : কিছু ভালাদিগকে দ্রন্থান করিবার স্থ্যোর দিবে। দরাগ্রন্থান স্থানিক। স্থানিক। নিজে ক্রিবার করিবা , সম্পর্থ শীতিল ক্ষম দেওয়া নিজিত।

বিশুক ত্র পাইতে হইলে প্রকে বিভক্ত কল পান করান উচিত। ছবিত জল পানে দ্বিত হব হওয়া আন্তব্য নহে। মহিবের লল একটা জলাশবের আবস্থক। ভালারা স্বাকিরণ নহু করিতে পারে না বলিয়াই কলে বিয়া প্রে।

যহিনশিশ্ব মাতৃত্ত পান করিকে তাহার উমরে পোকা করিবো ধাকে বিদি ইবার কোন গুডিবিধান না করা হয়, কবে শিশুর মৃত্যুত্র কইকে পারে। এ ব্যোগের উপেই নিম্পান্তা। ইচা কবে সিত্ত করিবা অপবা ভাগ কার। নিম্কের ইইকে তৈল নিকাবিত सार) करने चारक । केरता पान जिल হাল হাজে আড়াই ১৯৯ প্ৰা ১২ বা এবং কছাবা পোলা নিৰ্বাভ চইবা খাছ। 38 तिम अस्य पहिम्बिकाक वाहर हरत। ৰচিছনিত বাঁট হরিবার পুরের ইছা বাওয়ান উচিত। বাট ধরিবার পরে বা অধিক পূর্কে क्रिक केवर कारबाज कविद्रम दक्षम फन गर्ल

मा। छेळ क्षेत्रभ बादा महिसमिक्त शेक इंग्र निक्किन राम सरहाई व्यक्ति भीन मा करेंद्र। প্রসংবর ৭২ করেক দিন-পর্যান্ত বে ভর বাছিয়া क्या ६४, फार्टाटक सरहद करहा (क्यानः) গ্ৰিমতী হেমছতু নারী দেবী।

মতাশ্বাশানে শবের প্রতি।

কোখাৰ চলেছ তুমি বৰুলই তাৰিয়া, শিকা মাডা দারা হত, সকরই ছাছিলা ! ধ্ন-জন আব্যাবন্ধ রয়েছে কোখাম ! ट्याबाद हरलङ् व्याधि, ट्या निट्ड शए ! অ্বার সংসার মাথে লকলি অধার, প্রতির মাগতে নহে কেই পাপনার ! (कोशीय-मध्य हरमह गविकवर, বীরে ধীরে সর্গ-পথ হ'তে অগ্রসর ! চন্দান চাৰ্চিড ভব কবিয়াছে কার, এসেছে দেবের দৃত কটতে তেংবার ! ৰীবন-নাটক মাধ্যে এক অন্তিনেতা, অনম কগভীবানি ভালারি রচিন্তা ! দীনৰত্ব হবি ভিনি প্রমন্যাল, সম্ভাবে বৰারে পালেন্ চিরকাল !

দট এ অগত তার বড়ই সুন্দর, ८१-विध्य किताएँ केश्वि नवि श्वांतकत । রচিতা ভাহারি শব্য-পূর্ণঃ বহুদ্বরা, মহিম। দেখিত। সদা কই দিশালাভা। অুসন্ধ মলত বহে ভাতি মহিমান, জীবনের জোভ নম দীৰে বহে যায় ! ক্ষভাৱে বুক্জলি রুছেছে গো নত, জগদ-বাসীতে শিক্ষা দিকেছে নিয়ত। बरमा जनता, नाथ, वाच शादा भार, আমার জীবন তব গদে হোকু সায়। কডকাল মৰ বিভু ভোষাকে ছাড়িয়া ? চিত্ৰকাল থাকি বেন ভোমাতে মঞ্জিয়া !

विनिष्ण संद

MINITE !

ৰালে ক্তম মাখি বে অশান, किवस्मि ब्रह् वर्खमान ; ৰানাইত উল্গীনপ্ৰায়---(इ. यानद । जुरता ना मांगाम ; दलह या अहित्व दहशा हांच ! স্কলের সম অবসান!

ডিভানল বক্লোমাবে ধরি' ষেধাইছ সমাধান করি'-टक्बन ट्यापांड क्षत्र वाद, ক্ৰেন্ব বাধিতে নাৰে তা'ব

ব্যাস্থলতা ভ্ৰমন ভিয়াই : यात काल निधा काल गाँव ।

আনাইছ শিবার চীৎকাতে, ভটিনীর কুনুকুল করে---খিক অর্থে, বিকু আকাকহার : माध्य किंहू योदन सा'क शह ! দুপ্ৰ**ক**্ষ্মারে মিশার !-कुक्क मरड एकन वस पुरत १ জীভন্তুতি বিদ্যানত।

২১১, বর্ণভয়ালিস রীট, আন্দর্যশন গোমে প্রথমিনাশ্যক পরকার দারা মৃদ্রত 🗥 ৰক্ত অস্থাসক্ষাৰ পত্ৰ কৰ্মক, ০১ নং এটনী সংগ্ৰহ পোন ছইছে **প্ৰক**্ষিত হ